जबलपुर
गुरुवार, 30 अप्रैल 2026
वैशाख मास शुक्ल पक्ष -14
वर्ष : 20, अंक : 359
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 41
न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पर बड़ी खबर

मई में पीएफ का ब्याज आएगा अकाउंट में साढ़े सात गुना बढ़ सकती है पेंशन

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को लेकर बड़ी खबर है। सरकार पीएफ रजिस्टर्ड कर्मचारियों को लाभ देने के लिए कई चीजों पर विचार कर रही है। खासकर पेंशन में योगदान देने वाले कर्मचारियों को बड़ा लाभ देने पर विचार कर रही है। श्रमिक संगठन मांग कर रहे हैं कि सरकार ईपीएस के तहत पेंशन को 1 हजार से बढ़ाकर 7500 रु. करे।

एग्जिट पोल्स के अनुमान सामने आए...इनके अनुसार ये हो सकते हैं नतीजे

बंगाल में खिलेगा कमल, असम में भाजपा की हैट्रिक, पुडुचेरी में वापसी, केरलम में कांग्रेस के आसार, तमिलनाडु में डीएमके

- बंगाल में ममता की विदाई के आसार
- केरलम की सत्ता से कम्युनिस्टों की सफाई
- असम में हिमंता नायक बनकर उभरे
- तमिलनाडु में डीएमके की वापसी के संकेत

प्रजा पोल ने तो बंगाल में भाजपा की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 178-208 सीटें मिलने का अनुमान जताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल जारी हो गए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल के नतीजे सबसे ज्यादा चौंकाने वाले हैं। बंगाल के पांच एग्जिट पोल्स में भारतीय जनता पार्टी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को पीछे छोड़ती नजर आ रही है। केवल एक पोल में टीएमसी को बढ़त दिखाई गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में 7 प्रमुख एग्जिट पोल्स में से 5 सर्वे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने का साफ संकेत दे रहे हैं। पांचों सर्वे में भाजपा न केवल तृणमूल कांग्रेस को पछाड़ती दिख रही है, बल्कि स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। प्रजा पोल ने तो भाजपा की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 178-208 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

असम : 6 एग्जिट पोल्स में भाजपा

असम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आने लगे हैं और इनमें सत्तारूढ़ भाजपा को बड़ी बढ़त मिलती दिख रही है। 6 प्रमुख एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार भाजपा गठबंधन राज्य में बहुमत के साथ सरकार बनाती नजर आ रही है।

केरलम : राज्य में सत्ता का परिवर्तन

केरलम विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में राज्य में परिवर्तन होता नजर आ रहा है । एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन सत्ता में वापसी करता दिख रहा है, जबकि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

फलोदी सट्टा बाजार ने दिए बंगाल में बदलाव के संकेत

राजस्थान के चर्चित फलोदी सट्टा बाजार ने चुनावों को लेकर जो भविष्यवाणी की है, उसने सियासी हलचल बढ़ा दी है। फलोदी सट्टा बाजार के हिसाब से यहां ममता दीदी की कुर्सी पर संकट के संकेत हैं।

बंगाल में भाजपा	तमिलनाडु में डीएमके	असम में भाजपा
भाजपा: 146-149	डीएमके: 140-143	एनडीए: 98-100
टीएमसी: 140-143	एआईएडीएमके: 45-65	एएसएम: 23-25

पश्चिम बंगाल	कुल सीटें: 294, बहुमत 148		
एजेंसी	टीएमसी	भाजपा	अन्य
माय इंडिया मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
चाणक्य स्ट्रेटजीज	130-140	150-160	0-5
पीपुल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-5
पी मार्क	118-138	150-175	0-0

असम	कुल सीटें: 126, बहुमत: 64		
एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
इंडिया टुडे-एक्सिस	88-100	24-36	0-3
माय इंडिया मैट्रिज	85-95	25-32	6-12
पीपल्स पल्स	68-72	22-26	3-5
पी मार्क	82-94	30-40	1-5
जेवीसी	88-101	23-33	2-5
चाणक्य स्ट्रेटजीज	88-98	22-32	3-5
पोल डायरी	86-101	15-26	3-7

पश्चिम बंगाल में चुनाव संपन्न

दूसरे चरण में 91% मतदान 4 मई को हो जाएगा फैसला

- नॉर्थ 24 परगना में टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसा
- दावा- हावड़ा में सीआरपीएफ की पिटाई से बुजुर्ग की मौत

हुगली जिले के खानकुल में टीएमसी और निर्दलीय प्रत्याशी के कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 6 बजे तक के आकड़ों के मुताबिक, 91.31% वोटिंग हुई है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में बूथ नंबर 120 पर टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई।

मतदान के बाद भी पहरा तैनात रहेंगी सुरक्षा बलों की 700 कंपनियां

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भी राज्य में सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी। चुनाव आयोग की तैनाती योजना के अनुसार पोलिंग खत्म होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 700 कंपनियां राज्य में ही रुकी रहेंगी। ये कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभालेंगी।

श्रीलंका से रिहा किए गए 15 मछुआरे

चेन्नई। श्रीलंका की हिरासत से रिहा होने के बाद तमिलनाडु के 15 मछुआरे बुधवार सुबह चेन्नई पहुंचे। रामेश्वरम के इन मछुआरों को इस साल की शुरुआत में मछली पकड़ते समय समुद्री सीमाओं को कथित तौर पर पार किए जाने के बाद श्रीलंका की नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया था।

जेपी नड्डा आज करेंगे स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन की शुरुआत

नई दिल्ली। देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा 30 अप्रैल को चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में अच्छे एवं पुनरुत्पादित किए जा सकने वाले प्रथाओं और नवाचारों पर 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

पीएम ने किया काशी विश्वनाथ मंदिर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन

घड़ी को बताया आधुनिक तकनीक और प्राचीन ज्ञान का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इस घड़ी में वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, भारतीय पंचांग, विक्रम संवत मास, ग्रह स्थिति, भद्रा स्थिति व चंद्र स्थिति आदि की जानकारी समाहित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित विश्व की अनूठी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। प्रधानमंत्री ने घड़ी के डिजिटल फलक पर प्रदर्शित हो रहे भारतीय पंचांग, मुहूर्त और ग्रह-नक्षत्रों की गणना की सराहना करते हुए इसे आधुनिक तकनीक और प्राचीन ज्ञान का अद्भुत संगम बताया। उन्होंने ही वर्ष 2024 में कालगणना के केंद्र महाकाल की नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना की थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गौरवशाली अतीत को सहेजते हुए वर्तमान को जीवंत बनाए रखने की मंशानुरूप वैदिक घड़ी देश के सभी ज्योतिर्लिंगों में स्थापित किया जा रहा है। यह पहल न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि नई पीढ़ी को भारत की समृद्ध विरासत और काल-गणना की प्रामाणिक पद्धति से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

सीएम डॉ. यादव की पहल पर वैदिक घड़ी द्वादश ज्योतिर्लिंगों में स्थापित की जा रही है

विश्वनाथ मंदिर में स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के सामने पीएम

घड़ी को 4 अप्रैल को विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में स्थापित किया गया था

यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी को वैदिक काल गणना के समस्त घटकों को समवेत कर बनाया गया है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित है, जिस स्थान पर जो सूर्योदय का समय होता है उस स्थान की काल गणना तदनुसार दिखाई देती है। स्टैंडर्ड टाइम भी उसी से जुड़ा रहता है। इस घड़ी में वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, भारतीय पंचांग, विक्रम संवत मास, ग्रह स्थिति, भद्रा स्थिति, चंद्र स्थिति आदि की जानकारी समाहित है।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी एक अभिनव प्रयास

संस्कृति विभाग के तहत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन ने भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। यह घड़ी भारत की प्राचीन कालगणना परंपरा को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पुनर्स्थापित करने का एक अभिनव प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण फाल्गुन 2080, कृष्ण पक्ष, पंचमी, वरुण मुहूर्त (13वां मुहूर्त) में किया गया। यह घड़ी एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय के मध्य समय की गणना करती है।

सीएम ने कहा- जरूरतमंदों को सम्मान और पारदर्शिता के साथ सहायता देना ही हमारा संकल्प

मुख्यमंत्री ने किया 200 करोड़ रुपए से अधिक 'पेंशन' राशि का अंतरण

33.45 लाख से अधिक हितग्राहियों को होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी निर्धन, निराश्रित, वृद्धजनों, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजनों के कल्याण एवं आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित करती है। सरकार की ओर से दी जाने वाली यह सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, यह सरकार के उस विश्वास का अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में जरूरतमंदों के साथ खड़ी है।

यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी

भक्तों के लिए खुशखबरः महाकाल अन्नक्षेत्र दान हुआ अब ऑनलाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर प्रशासन ने दान प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर का अन्नक्षेत्र पूरी तरह दान पर आधारित है। यहां प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं।

भोजन प्रसादी के लिए निर्धारित दान राशि

- दोनों समय के भोजन के लिए: 1,10,000 रु.
- एक समय के भोजन के लिए: 51,000 रु.
- मीठे प्रसाद के लिए: 21,000 रु.

मौत की वजह स्पष्ट नहीं

कान्हा में 3 शावकों की मौत के बाद बाघिन ने भी तोड़ा दम

टी-141 बाघिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

कान्हा टाइगर रिजर्व में बीते आठ दिनों में तीन शावकों की मौत के बाद उनकी मां बाघिन (टी-141) की बुधवार को मौत हो गई। बता दें कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में शावकों की भूख से मौत की आशंका जताई गई थी। हालांकि वन विभाग ने फेफड़ों के संक्रमण को वजह बताया है। मामले में सबसे बड़ा विवाद मौत के कारण को लेकर है।

उठा सवालः भूख या संक्रमण से मौत?

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बड़ी वारदात

शादी से लौट रहीं दो नाबालिगों से 9 लड़कों ने किया दुष्कर्म

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में सामूहिक दुष्कर्म का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शादी समारोह से लौट रही दो नाबालिग लड़कियों के साथ आठ-नौ लड़कों ने अलग-अलग जगहों पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। 24 अप्रैल की शाम 4 नाबालिग लड़कियां शादी समारोह से देर रात घर लौट रही थीं।

सरगुजा एएसपी अमोलक सिंह ने की पुष्टि

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- स्पीकर को याद दिलाएं सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन

निर्मला सप्रे दलबदल मामले में अपनाया कड़ा रुख

90 दिन की समयसीमा, 720 दिन में फैसला क्यों नहीं किया?

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सागर जिले की बीना सीट से विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव कुमार सचदेवा ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि दल-बदल मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने 90 दिनों के भीतर निर्णय देने की समय सीमा तय की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब समय सीमा 90 दिन है, तो 720 दिनों में भी मामले का निराकरण क्यों नहीं हो पाया? उन्होंने महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से कहा कि वे विधानसभा स्पीकर को सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन बताएं। हाईकोर्ट ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सप्रे की विधायकी शून्य करने की मांग पर संबंधित पक्षों से जवाब मांगा।

स्पीकर कर रहे विधिवत सुनवाई

महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि मामले की विधिवत सुनवाई विधानसभा स्पीकर द्वारा की जा रही है और उमंग सिंघार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच की प्रक्रिया जारी है। इस मामले में हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 18 जून की तारीख तय की है। गौर हो कि 2023 में बीना सीट से निर्मला सप्रे ने कांग्रेस की टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था।

चालक को झपकी आ गई थी

बाराती बोलेरो खेत में पलटी 10 घायल, 3 की हालत गंभीर

ग्रामीणों ने निकालकर अस्पताल पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत बकिया गांव के पास बारात से लौट रही एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। दुर्घटना में करीब 10 बाराती घायल हो गए, जिनमें से 3 की हालत नाजुक बनी हुई है। निमिहा गांव से बारात रीवा जिले के कुठूलिया गई थी। वापसी के दौरान बकिया गांव के पास यह हादसा हुआ। वाहन अचानक असंतुलित होकर खेत में पलट गया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर किया गया।

खेत में दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो

पश्चिम बंगाल में अंतिम चरण के चुनाव में धांधली और बूथ में अव्यवस्था की खबरें

ईवीएम पर भाजपा के निशान के सामने लगा मिला टेप, आयोग तक पहुंचा मामला, अगर गड़बड़ी की शिकायत सही पाई गई तो दोबारा होगा मतदान

टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा के एजेंट के साथ हंगामा किया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पानीहाटी के भी एक पोलिंग बूथ पर कथित तौर पर भाजपा के चुनाव चिह्न वाले बटन पर स्याही का दाग लगा हुआ था, जिससे वह ठीक से दिखाई नहीं दे रहा था। इस पर आपत्ति की गई। इसके बाद सैनिटाइजर का इस्तेमाल करके उसे ईवीएम से मिटा दिया गया। इसके बाद टीएमसी के कार्यकर्ता वहा इकट्ठा हो गए और कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवार रत्ना देबनाथ के मुख्य चुनाव एजेंट जय साहा के साथ हंगामा किया। चुनाव के दूसरे चरण के लिए लगभग सभी पोलिंग बूथों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में वोटर्स मतदान करने पहुंच रहे हैं। डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले फाल्टा में भाजपा ने ईवीएम पर भाजपा के विकल्प के सामने टेप लगे होने की शिकायत की है। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि जिन पोलिंग बूथ पर किसी भी ईवीएम बटन पर टेप लगा पाया जाएगा, वहां दोबारा मतदान होगा। विवाद ज्यादा बढ़ने के बाद कई पोलिंग बूथों पर वोटिंग रोक दी गई है।

भाजपा के चिन्ह पर स्याही के दाग सैनिटाइजर से मिटाया गया

मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल

सीईओ ने यही बात दोहराई

सीईओ ने कहा कि अगर किसी बटन पर टेप लगाए जाने की रिपोर्ट आती है, तो उसकी जांच की जानी चाहिए और उसे नोट किया जाना चाहिए। अगर यह सच पाया जाता है, तो उन बूथों पर दोबारा मतदान कराया जाएगा।

छेड़छाड़ हुई तो दोबारा होगा चुनावः पर्यवेक्षक

विशेष चुनाव पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने बड़ी बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी या ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन बूथों पर धांधली की पुष्टि होगी, वहां चुनाव आयोग नियमानुसार दोबारा मतदान कराएगा। इस निर्णायक दौर में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

दोबारा हो मतदानः मालवीय

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख और बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि

तृणमूल कांग्रेस दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों पर चुनावी धांधली कर रही है। उन्होंने टीएमसी पर गड़बड़ी के आरोप लगाए और पुनर्मतदान की मांग की। आरोप है कि कई बूथों पर ईवीएम मशीन में कुछ बटन पर टेप लगाकर उन्हें ढंक दिया गया। मालवीय ने दावा किया कि ममता फाल्टा सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार जहांगीर खान का समर्थन कर रही थीं। कई मतदान केंद्रों पर भाजपा के पक्ष में वोट देने का विकल्प टेप लगाकर बंद कर दिया गया है, जिससे मतदाता अपनी पसंद से वोट नहीं कर पाए।

टीएमसी ने किया खारिज

टीएमसी ने भाजपा के सिंबल के आगे टेप लगे होने के दावे को खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि भाजपा बेवजह हंगामा कर रही है, क्योंकि उसे चुनाव में हार मिल रही।

माननीयों ने किया मतदान

अभिषेक बेनर्जी

लॉकेज चटर्जी

महुआ मोइत्रा

सांसद रचना

नेताजी के प्रपौत्र

पूर्वी बर्धमान में दिखा ऐसा जज्बा

मिथुन चक्रवर्ती

एक्टर प्रसन्नजीत चटर्जी और पुत्र

कोलकाता। यहां पर महिलाओं ने बारिश में भी छाता लेकर बारिश में अपनी बारी का इंतजार किया

भवानीपुर में सुवेंदु के साथ टीएमसी की झड़प

भाजपा का आरोप- बूथ में बाहरी लोग, नारेबाजी भी की

मतदान में उस वक्त और भड़क उठा जब भाजपा नेता और राज्य के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी निरीक्षण के लिए एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। उनके पहुंचने के साथ ही वहां पहले से ही मौजूद टीएमसी समर्थकों ने उन्हें घेर लिया, फिर जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी।

सुवेंदु के सामने लगे चोर-चोर के नारे

ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे भी लगाए।

ममता के हाथ से बंगाल जा रहा

सुवेंदु ने कहा कि भाजपा सरकार बना रही है। ममता के हाथ से बंगाल जा रहा है।

ऐसा जुल्म नहीं देखा, उठाए सवाल

टीएमसी जीत रही, बहुमत से सरकार बनाएगीः ममता

सीएम ममता बेनर्जी ने कहा कि टीएमसी जीत रही है। बड़े बहुमत से जीतेगी। सीआरपीएफ इस तरह से जुल्म नहीं कर सकती। किसी भी बूथ पर राज्य पुलिस मौजूद नहीं है। उन्होंने हर जगह कब्जा कर लिया है।

मोदी का बड़ा दावा

5 राज्यों के चुनावों में भाजपा लगाएगी जीत की हैट्रिक

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा राजनीतिक दावा किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में जीत की 'हैट्रिक' लगाएगी। हरदोई के मल्लावां में गंगा

खबर संक्षेप

एक मई को खुद पेश हों मुख्यमंत्री मान

मानसा। यहां के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजिंदर सिंह

नागपाल की अदालत ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को एक मई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। मानसा के पूर्व विधायक नजर सिंह मानशाहिया द्वारा मान के खिलाफ मामला दायर किया गया था। मान ने आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं।

उन्नाव में डंपर की टक्कर से 6 की मौत

उन्नाव। बिहार-बक्सर मार्ग पर बुधवार भोर के उजाले के साथ ही

एक भीषण हादसे ने पूरे जिले को दहला दिया। मां चंडिका के दरबार में 3 साल के मासूम शुभ का मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे परिवार के 6 लोगों की मोत हो गई। बेकाबू डंपर ने बोलेरो को ऐसी टक्कर मारी मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार में बदल गई।

दिल्ली में नया मेयर भाजपा के वाही जीते

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम को बुधवार को नया मेयर मिल गया है।

29 अप्रैल को हुए चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी प्रवेश वाही ने जीत दर्ज की है। मतदान के दौरान सदन की बैठक से आप के पार्षद सदन से अनुपस्थित रहे। भाजपा के प्रत्याशी प वाही की जीत लगभग तय थी, क्योंकि भाजपा के पास जरूरी वोटों से ज्यादा संख्या थी।

चिंतपूर्णी में खाई में गिरी कार, 4 लोग जिंदा जले!

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में एक कार खाई में गिरने से

4 लोगों की मौत की आशंका है। चिंतपूर्णी के भरवाईं में यह हादसा पेश आया है और कार में4 लोग सवार थे और सभी के जिंदा जलने की आशंका है। फिलहाल, पुलिस ने मौके पर राहत और बचाव अभियान शुरू किया है। बताया गया श्रद्धालुओं की कार थी।

गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर बोले प्रधानमंत्री मोदी

सपा-कांग्रेस विकास विरोधी और नारी विरोधी भी, दोनों ने महिला आरक्षण का किया विरोध

गंगा एक्सप्रेस वे का नजारा

594 किमी लंबा एक्सप्रेसवे

36,230 करोड़ की लागत से बना

12 जिलों को जोड़ेगा यह वे

यह उत्तर प्रदेश की लाइफ लाइन, मां गंगा का आशीर्वाद

रिमोट दबाकर एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी, साथ में हैं उत्तरप्रदेश की राज्यपाल और मुख्यमंत्री

एजेंसी ▶▶ हरदोई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में 594 किमी लंबे एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। लगभग 36,230 करोड़ की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे से मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय अभी के 10-12 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने कहा ककि मैं मानता हूं कि उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस वे का ये वरदान ये भी मां गंगा का ही आशीर्वाद है। अब आप कुछ ही घंटों में संगम भी पहुंच सकते हैं, और काशी में बाबा के दर्शन करके भी वापस आ सकते हैं। आधुनिक प्रगति के दौर में उनके समीप से गुजरता ये एक्सप्रेस वे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा। बीते दिनों एक बार फिर देश ने कांग्रेस और सपा का नारी विरोधी चेहरा देखा है। केंद्र की एनडीए सरकार नारी शक्ति वंदन संशोधन लेकर आई थी, अगर यहपास हो जाता तो 2029 के चुनाव से ही महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिलता। लेकिन सपा ने इस संशोधन के खिलाफ वोट किया। सपा कभी भी परिवारवाद और जातिवाद से ऊपर नहीं उठ सकती। ये लोग हमेशा विकास विरोधी राजनीति करेंगे।

ये आधुनिक हस्तरेखाएं बता रहीं

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले मुझे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के लोकार्पण का अवसर मिला था। तब मैंने कहा था कि ये नए बनते एक्सप्रेसवे विकसित होते भारत की हस्तरेखाएं हैं, और ये आधुनिक हस्तरेखाएं, आज भारत के उज्ज्वल भविष्य का जयघोष कर रही हैं।

कुछ लोग देश को नीचा दिखा रहे

पीएम मोदी ने कहा कि आप लोग देख रहे हैं कि आज पूरी दुनिया कैसे युद्ध, अशांति और अस्थिरता में फंसी हुई है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों की हालत खराब है। लेकिन भारत विकास के रास्ते पर उसी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारत के दुश्मनों को यह पसंद नहीं आ रहा है। कुछ लोग सत्ता की भूख में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे हुए हैं। हम विकास के नए-नए कीर्तिमान भी गढ़ रहे हैं। हम आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम आधुनिक से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहे हैं।

मां गंगा के नाम पर होगी इसकी पहचान

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि यूपी सरकार ने इस एक्सप्रेस-वे का नाम मां गंगा के नाम पर रखा है। इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है और हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। मैं यूपी के करोड़ों लोगों को गंगा एक्सप्रेस-वे की बधाई देता हूं।

ये एनसीआर की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा

पीएम मोदी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे यूपी के एक छोर को दूसरे छोर से तो जोड़ता ही है। ये एनसीआर की असीम संभावनाओं को भी करीब लाएगा।

अब यूपी एक ट्रिलियन इकोनॉमी बनने की ओर

पीएम मोदी ने कहा कि पहले यूपी को पिछड़ा और बीमारू प्रदेश कहा जाता था, वही यूपी आज एक ट्रिलियन ईकोनॉमीबनने की ओर आगे बढ़ रहा है। यूपी के पास असीम क्षमता है, देश की इतनी बड़ी युवा आबादी का पोटेंशियल यूपी के पास है। ताकत का उपयोग हम यूपी को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए कर रहे हैं।

रोड शो में भाजपा में दिखा उत्साह, बजे ढोल-नगाड़े

लहुराबीर चौराह पर प्रधानमंत्री का एनसीसी कैडेट्स व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। लोगों में काफी उत्साह दिखा। पीएम का स्वागत कर एनसीसी कैडेट्स व महिलाएं काफी खुश नजर आईं।

पीएम बोले-अब वो दौर चला गया

पीएम मोदी ने कहा कि अब वो दौर चला गया, जब एक सड़क के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ता था। अब शिलान्यास भी होता है और जल्द उद्घाटन भी।

दिल्ली हाई कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई

कथित तौर पर अश्लील वीडियो प्ले होने लगे, 'हैकिंग' के दावे

दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई के दौरान एक असामान्य घटना सामने आई। सुनवाई के बीच में ही कथित तौर पर बार-बार अश्लील वीडियो प्ले होने लगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई के दौरान एक असामान्य घटना सामने आई। अदालत में कथित तौर पर बार-बार अश्लील वीडियो प्ले होने लगे। ये वीडियो वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के जरिए ब्रॉडकास्ट हुए। यह कंटेंट यूजर्स श्रीधर सरनोबत और शीतजीत सिंह के अकाउंट से चले। घटना के तुरंत बाद अदालत ने एहतियातन वीसी सिस्टम को बंद कर दिया ताकि किसी भी तरह की रुकावट या दुरुपयोग को आगे रोका जा सके। कुछ मिनटों बाद जब सिस्टम को दोबारा ऑन किया गया तो फिर से पोर्न वीडियो चलने लगे। बैकग्राउंड में एक ऑटोमेटेड वॉइस मैसेज सुना गया, यह अमेरिका से किया गया हैक है। मीटिंग को अभी बंद कर दीजिए। दोबारा कभी इसे ऑन मत करना।

वीसी सिस्टम पर साइबर हमले की आशंका बढ़ी

वीसी को बंद कर दिया गया है और दोबारा नहीं खोला गया है। इस मैसेज के बाद कोर्ट के वीसी सिस्टम पर साइबर हमले की आशंका और मजबूत हो गई है। शुरुआती संकेतों के आधार पर दिल्ली हाईकोर्ट के वीसी इंटरफेस पर संभावित साइबर अटैक की जांच की जा रही है। हाईकोर्ट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक पर हुए संभावित साइबर हमले की जांच दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट को सौंप दी गई है।

केजरीवाल के बहिष्कार के बीच जस्टिस ने कहा

एक मौका और देती हूं, सोमवार तक अपना जवाब पेश करें

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक की ओर से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत का बहिष्कार किए जाने के बीच बुधवार को कथित शराब घोटाले केस की सुनवाई हुई। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का रिकॉर्ड और कुछ प्रतिवादियों की ओर से जवाब नहीं मिलने की वजह से सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने जवाब दाखिल करने का एक और मौका देते हुए कहा कि अगली सुनवाई सोमवार को 2.30 बजे होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बेंच का बड़ा फैसला

'बधाई' किन्नरों का हक नहीं वे इलाका तय नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने किन्नरों की रिट याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बधाई या जजमानी के लिए सुरक्षा और उनका इलाका तय करने की मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि कोई भी कानूनी मंजूरी के बिना पैसा इकट्ठा करने के लिए किसी कानूनी या मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकता। जस्टिस आलोक माथुर और जस्टिस अमिताभ कुमार राय की बेंच में रेखा देवी ने किन्नरों के बीच लड़ाई-झगड़े रोकने, शादी-ब्याह, बच्चे के जन्म के मौके पर इलाके में बधाई लेने के लिए एक खास इलाका घोषित करने की मांग की थी।

यह कानूनन जायज नहीं

याचिकाकर्ता का कहना था कि किन्नरों के पास शुभ अवसरों पर बधाई लेने का परंपरागत अधिकार रहा है। किन्नरों के बीच इलाकों को लेकर टकराव से झड़पें हुई हैं। कोर्ट ने कहा, कानूनी आधार के अभाव में ऐसे अधिकारों को कानूनन जायज नहीं ठहराया जा सकता।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश मामले में सुनवाई

सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना से छेड़छाड़ ठीक नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला- गैर-आस्थावान किस आधार पर प्रवेश का अधिकार मांगेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अहम सवाल उठाया। कोर्ट ने पूछा कि उत्तर भारत में रहने वाला कोई गैर-आस्थावान व्यक्ति आखिर किस आधार पर सबरीमाला मंदिर में प्रवेश का अधिकार मांग सकता है? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल संरचना को कमजोर नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भारत की सभ्यता और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज करना संभव नहीं है। संविधान के अनुच्छेद भी इसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से विकसित हुए हैं। वर्तमान को समझने के लिए अतीत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इंदिरा जयसिंह ने रखा पक्ष

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर पूर्व फैसला अब भी प्रभावी है और उस पर कोई रोक नहीं लगी है। इसके बावजूद महिलाओं को मंदिर में प्रवेश नहीं मिल पा रहा, जिसका कारण राज्य सरकार का पर्याप्त सहयोग न होना बताया गया।

आस्था बनाम अधिकार पर फोकस

पीठ ने कहा कि मंदिर प्रवेश के अधिकार से जुड़े मामलों में यह देखना जरूरी है कि दावा करने वाला व्यक्ति भक्त है या नहीं। अदालत ने संकेत दिया कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में आस्था का पहलू भी अहम भूमिका निभाता है।

अदालत ने जटिल बताया

कोर्ट ने इस पर स्पष्ट किया कि महिला को उसके सामाजिक वर्ग के कारण नहीं, बल्कि आयु समूह के आधार पर रोका गया था। कोर्ट ने यह भी कहा कि विविधता ही भारत की ताकत है और संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार भी दिया गया है। कोर्ट ने यह भी माना कि किसी धार्मिक प्रथा को आवश्यक या गैर-आवश्यक घोषित करना न्यायालय के लिए बेहद जटिल कार्य है।

होर्मुज पर तकरार: दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते बंद फिर से धमकियों का दौर शुरू

ट्रंप की ईरान को अंतिम चेतावनी: तीन दिन में डील करो वरना फट जाएंगी पाइप लाइनें

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते बंद होने के बाद धमकियों का दौर शुरू हो गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका को सबसे पहले होर्मुज से अपनी नाकाबंदी हटानी होगी, जिसके बाद ही किसी भी प्रकार की बातचीत संभव है और इस रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के पास डील करने के लिए अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है और अगर वह अपनी बर्बादी रोकना चाहता है, तो उसे अगले 3 दिनों के भीतर समझौता करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 3 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि तेल पाइपलाइनों में बढ़ते दबाव के कारण ईरान बड़ी तबाही की ओर है। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने होर्मुज नाकाबंदी हटाने की शर्त रखी है, जिससे खाड़ी में युद्ध का खतरा बढ़ गया है।

ईरान का पलटवार और ट्रंप कार्ड का दावा

ट्रंप की इस आक्रामक धमकी का ईरान ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर कलीबाफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से संकेत दिया कि ईरान के पास अभी कई रणनीतिक कार्ड बचे हैं।

परमाणु मुद्दे पर गतिरोध और तीन चरणों वाला प्रस्ताव

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने स्पष्ट किया है कि उनका अमेरिकियों के साथ, विशेषकर परमाणु मुद्दे पर, बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका की प्रतिक्रिया और आगामी रणनीति

अमेरिका फिलहाल ईरान के इन प्रस्तावों को स्वीकार करने के मूड में नहीं दिख रहा है। अमेरिकी प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि जब तक परमाणु प्रोग्राम रोकने की ठोस गारंटी नहीं मिलती, तब तक कोई डील नहीं होगी।

ईरान के प्रस्ताव से नाराज हुए ट्रंप बढ़ा सियासी संकट

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की होने वाली शांति वार्ता परमाणु मुद्दे पर अटक गई है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को जो नया प्रस्ताव भेजा है, उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने नाखुशी जताई है और कहा है कि ईरान पतन के कगार पर है। इस नए प्रस्ताव से सियासी संकट और बढ़ गया है। नए प्रस्ताव में अमेरिकी नाकेबंदी हटाने, युद्ध खत्म करने और परमाणु मुद्दे पर अलग से वार्ता की बात कही गई है। जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी साफ कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार पाने से रोकना मुख्य मुद्दा है।

इजराइल सेना की कार्रवाई

हमास के मिलिट्री इंटेलिजेंस ऑपरेशंस के चीफ शंबारी को किया ढेर

इजरायल ने कहा है कि उसने एक हमले में हमास के मिलिट्री इंटेलिजेंस ऑपरेशंस के चीफ इयाद अहमद अब्द अल-रहमान शंबारी को मार गिराया है। इजराइली रक्षा बल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। शंबारी, फिलिस्तीनी सशस्त्र उग्रवादी समूह हमास की सैन्य खुफिया इकाई में ऑपरेशंस विभाग का प्रमुख था।

ईयू अध्यक्ष ने कहा ईरान को शांति की जरूरत

इसी बीच यूरोपीय आयोग(ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ईरान और लेबनान में लागू सीजफायर को बनाए रखने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को और मजबूत करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्य केवल अस्थायी शांति नहीं, बल्कि स्थायी समाधान होना चाहिए। लेयेन ने कहा कि हम चाहते हैं कि युद्ध पूरी तरह खत्म हो और होर्मुज जलडमरूमध्य में बिना किसी शुल्क के नेविगेशन की पूरी आजादी बहाल हो। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी संभावित शांति समझौते में ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर ध्यान देना जरूरी होगा।

खबर संक्षेप

फलस्तीन के पूर्व राजदूत को हिरासत में लिया

बेरुत। लेबनान प्रशासन ने फलस्तीन के पूर्व राजदूत को उसके देश में पहुंचने के कुछ ही देर बाद

भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में ले लिया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार राजदूत अशरफ डब्बूर को मंगलवार देर रात बेरूत के रफिक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इन अधिकरियों में दो न्यायिक क्षेत्र एवं सुरक्षा क्षेत्र के अधिकारी हैं तथा उन्होंने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। पिछले साल डब्बूर को लेबनान में फलस्तीन के राजदूत के पद से हटा दिया था।

पूर्व राष्ट्रपति को अभियोग का सामना करना पड़ेगा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और उनके सचिव समन एकनायके पर 1.66

करोड़ श्रीलंकाई रुपए के सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में अभियोग चलाया जाएगा। एक स्थानीय अदालत को बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रपति और एकनायके पर आरोप है कि वर्ष 2023 में विक्रमसिंघे की पत्नी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए ब्रिटेन स्थित एक विश्वविद्यालय की यात्रा पर सरकारी धन खर्च किया गया था।

पाक चौकी पर हमला नाकाम, 1 आतंकवादी ढेर

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों ने बुधवार तड़के पुलिस

चौकी पर किए गए हमले को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। मीडिया ने यह जानकारी दी। भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने बन्नू जिले में मजांगा पुलिस चौकी पर हमला किया। मुताबिक दोनों पक्षों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया जबकि कई अन्य घायल हो गए। खबर के मुताबिक घायल हमलावरों को उनके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर अपने साथ ले गए।

नई दिल्ली में 11वें राजदूतों और उच्चायुक्तों का सम्मेलन

दुनिया में उथल-पुथल के बीच भारत की कूटनीति देश के हितों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार: जयशंकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजदूतों और उच्चायुक्तों के सम्मेलन में बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अस्थिरता के दौर में भारतीय डिप्लोमेसी देश के हित को आगे बढ़ाने और देश के लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए तैयार है। सम्मेलन में भारत के उच्चायुक्त, राजदूत और विदेश मंत्रालय के सीनियर अधिकारी शामिल हुए।

विश्व में अभी उथल-पुथल का दौर है और आज की अस्थिर और बदलती दुनिया में भारतीय कूटनीति देश के हितों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है। बुधवार नई दिल्ली में आयोजित मिशन प्रमुखों का सम्मेलन में बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह बात कही।

विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव काफी बढ़ा है। भारत ने अपने मिशन प्रमुखों का तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया है।

खास बातें

- मिशन प्रमुखों का तीन दिवसीय सम्मेलन
- अन्य देशों में तैनात भारत के सभी प्रमुख राजदूतों ने हिस्सा लिया
- आज जियोपॉलिटिक्स पर विचार-मंथन होगा

सम्मेलन को संबोधित करते जयशंकर

भारतीय राजनयिकों के सम्मेलन को एस जयशंकर ने किया संबोधित

भारतीय राजनयिकों का यह सम्मेलन ऐसे वक्त हो रहा है जब पश्चिम एशिया संकट की वजह से भारत के सामने भी कई चुनौतियां हैं। इस सम्मेलन की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखा कि नई दिल्ली में 11वें राजदूतों और उच्चायुक्तों के सम्मेलन में भारत के हाई कमिश्नर, राजदूत और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित किया। हमारी बातचीत में पिछले दशक में दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव में हुई काफी बढ़ोतरी को पहचाना गया।

सम्मेलन में आज पीएम मोदी शामिल होंगे

एस जयशंकर ने कहा कि एक अस्थिर और उथल-पुथल भरी दुनिया में भारतीय डिप्लोमेसी देश के हित को आगे बढ़ाने और देश के लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएम मोदी आज यानी 30 अप्रैल को भारतीय राजनयिकों के साथ मौजूदा जियोपॉलिटिक्स पर विचार-मंथन में शामिल होंगे। सम्मेलन के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां अपनी बात रख सकते हैं

गैब्रिएला सोमरफेल्ड से एस जयशंकर की मुलाकात

इससे पहले डॉ. एस. जयशंकर ने इक्वाडोर की अपनी समकक्ष गैब्रिएला सोमरफेल्ड से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, कृषि और कैपेसिटी बिल्डिंग जैसे खास क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा, विदेश मंत्री सोमरफेल्ड ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलिभी दी।

देश के लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए तैयार

एस जयशंकर ने कहा कि एक अस्थिर और उथल-पुथल भरी दुनिया में भारतीय डिप्लोमेसी देश के हित को आगे बढ़ाने और देश के लक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए तैयार है। 30 अप्रैल को भारतीय राजनयिकों के साथ मौजूदा जियोपॉलिटिक्स पर विचार-मंथन होगा।

आतंकी साजिश की आशंका

लंदन में दो यहूदियों पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में दो यहूदी लोगों पर चाकू से हमला हुआ है। हमले में घायल दोनों लोगों को मौके पर प्राथमिक इलाज देने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया। मीडिया को मिली जानाकारी के मुताबिक हमला नॉर्थ लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुआ, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। पुलिस ने घटना के कुछ समय बाद 45 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने कहा है कि काउंटर टेरर यूनिट मामले की जांच कर रही है और आतंकी लिंक की भी पड़ताल हो रही है। आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर भी चाकू से हमला करने की कोशिश की। इसके बाद उसे टेजर मारकर काबू किया गया। बता दे कि पहला हमला गोल्डर्स ग्रीन रोड पर दुकानों के बाहर हुआ, जबकि दूसरा पास की साइड रोड पर सिनेगॉग यहूदी धार्मिक स्थल के बाहर हुआ।

यहूदी समुदाय पर हमला, ब्रिटेन पर हमला: पीएम स्टार्मर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने यहूदी लोगों पर हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि यहूदी समुदाय पर हमला, ब्रिटेन पर हमला है। स्टार्मर ने कहा कि हमला बेहद चिंताजनक है और इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। यहूदी विरोधी बेहद भयावह हमला बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहूदी समुदाय को निशाना बनाना पूरे ब्रिटेन पर हमला है। लंदन मेयर सादिक खान ने कहा कि इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के बाद इलाके को कुछ समय के लिए सील कर दिया गया। सड़कों पर सशस्त्र पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई ।

अंतरराष्ट्रीय संगठन ने कार्रवाई की मांग

हमले के बाद यहूदी समुदाय के अंतरराष्ट्रीय संगठन वर्ल्ड जियोनिस्ट ऑर्गनाइजेशन ने पीएम कीर स्टार्मर और लंदन के मेयर सादिक खान से कार्रवाई की मांग की।संगठन के चेयरमैन याकोव हागोएल ने यहूदियों के खिलाफ बढ़ती नफरत पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। यहूदियों के खिलाफ

टेक अरबपतियों पर तीखा तंज

बर्लिन म्यूजियम में घूमते दिखे मस्क और जुकरबर्ग के सिर वाले 'रोबोट कुत्ते'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बर्लिन के एक म्यूजियम में इन दिनों एक अजीब लेकिन दिलचस्प नजारा देखने को मिल रहा है। यहां मशहूर हस्तियों जैसे- एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस और चित्रकार पाब्लो पिकासो के चेहरे वाले रोबोटिक कुत्ते घूम रहे हैं।

इन रोबोटिक कुत्तों का सिर पर लगा चेहरा हाइपर-रियलिस्टिक सिलिकॉन से बना है। सबसे खास बात यह है कि ये रोबोट अपने कैमरों से आस-पास की तस्वीरें खींचते हैं और फिर उन्हें प्रिंट करके मल के रूप में बाहर निकालते हैं। सुनने में यह भले ही अजीब लगे लेकिन इसके पीछे टेक्नोलॉजी और समाज से जुड़ा एक बहुत गहरा संदेश छिपा है। इस पूरे कॉन्सेप्ट को तकनीक और कला का एक अनोखा संगम कहा जा सकता है।

स्टार्मर की धमकी की उड़ीं धज्जियां

ब्रिटेन के समंदर में खुलेआम माल ढो रहे बैन रूसी जहाज!

एजेंसी ▶▶ किंगडम

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टारमर ने पिछले महीने रूस को बड़ी धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि उनके सैनिक रूस के कथित 'शैडो फ्लीट' के जहाजों को कब्जे में ले लेंगे जो बैन के बावजूद ब्रिटेन के जलक्षेत्र से होकर सामान ढो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सैनिक जहाजों पर चढ़कर उनकी जांच करेंगे। लेकिन स्टारमर की इस धमकी का अब तक कोई असर नहीं दिख रहा है बल्कि रूस के जहाज बिना किसी डर के ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजर रहे हैं। ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजरने वाले ऐसे रूसी जहाजों की संख्या में कोई खास कमी नहीं आई है। स्टारमर ने 25 मार्च को यह चेतावनी दी थी। प्रतिबंधित कम से कम 98 रूसी जहाज उसके जलक्षेत्र से गुजरे, जो इससे पहले के तीन महीनों के औसत के लगभग बराबर है।

आर्मेनिया के चीफ ऑफ लेफ्टिनेंट अस्त्रयान का स्वागत

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस अनिल चौहान आर्मेनिया के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एडवर्ड अस्त्रयान का उनकी भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान नई दिल्ली में स्वागत करते हुए।

खाद्य संकट पर आई रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

अत्याधिक खाद संकट झेलने वाले टॉप 10 देशों में बांग्लादेश शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2026 ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' (जीआरएफसी) के अनुसार, वर्ष 2025 में उच्च स्तर की तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाले लोगों की सबसे बड़ी संख्या वाले शीर्ष 10 देशों में बांग्लादेश भी शामिल है।

इस जानकारी का खुलासा एक रिपोर्ट के अनुसार हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में वर्ष 2025 के अंत तक लगभग 1.6 करोड़ लोग संकट स्तर की खाद्य असुरक्षा या उससे भी बदतर स्थिति का सामना कर रहे थे।

नियमित निगरानी भी जरूरी

रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश की खाद्य सुरक्षा चुनौती असमानता का भी सवाल है। देश ने चावल उत्पादन बढ़ाने और मुख्य खाद्यान्न की आपूर्ति बनाए रखने में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन खाद्य सुरक्षा केवल उपलब्धता का मुद्दा नहीं है, यह पहुंच, पोषण, स्थिरता और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा विषय है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि नीति निर्माण का नजरिया क्या पर्याप्त चावल है? से बदलकर क्या गरीब परिवार पूरे साल पौष्टिक भोजन खरीद सकते हैं?

खाद्य महंगाई ने परिवारों के व्यवहार को बदला

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में बांग्लादेश में खाद्य महंगाई ने परिवारों के व्यवहार को बदल दिया है। कई परिवारों ने प्रोटीन युक्त भोजन कम कर दिया है, सस्ते अनाजों पर निर्भरता बढ़ा दी है, स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च टाल दिया है, अनौपचारिक स्रोतों से कर्ज लिया है और बच्चों की जरूरतों में कटौती की है।

बच्चे हो रहे कुपोषण का शिकार

रिपोर्ट में कहा गया है कि जब चावल, खाद्य तेल, दाल, अंडे, मछली और सब्जियां लंबे समय तक महंगी बनी रहती हैं, तो इसका असर पोषण स्तर पर पड़ता है। बच्चे चुपचाप कुपोषण का शिकार होते हैं। महिलाएं अक्सर सबसे अंत में खाना खाती हैं और कम खाती हैं। गरीब परिवारों के बुजुर्ग अनियमित सहायता पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ष 2025 में प्रवासी आय (रेमिटेंस) से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन इसे स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता। रेमिटेंस का लाभ सभी क्षेत्रों और परिवारों तक समान रूप से नहीं पहुंचता।

1000 रुपए फीस लगेगी

भारत में ब्याही नेपाली महिलाओं को मिलेगी भारतीय नागरिकता

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

बगहा दो प्रखंड अंतर्गत वाल्मीकनगर थाना क्षेत्र में बुधवार को विभागीय आदेश के आलोक में नेपाली मूल की वैसी महिलाएं जिनकी शादी भारतीय क्षेत्र में हुई है या परित्यक्ता है। उनका सत्यापन का कार्य किया जा रहा है।

वैसी महिलाओं को जिनकी शादी भारत में हुई है। उन्हें भारतीय नागरिकता दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह आवेदन ऑनलाइन या विकास मित्र, कार्यपालक सहायक के माध्यम से किया जा सकता है। अगर किसी महिला की जानकारी छुपाई जाती है या आवेदन नहीं किया जाता है तो, वैसी महिला भविष्य में सरकार से प्राप्त सुविधाओं से वंचित हो सकती है। भारतीय नागरिकता के लिए ऑनलाइन आवेदन का शुल्क एक हजार रुपए निर्धारित किया गया है।

चिंतन

रिकॉर्ड मतदान, अब नेताओं पर परफॉर्मेंस का दबाव

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल समेत देश के पांच राज्यों में हुए हालिया चुनावों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना है। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा मतदान प्रतिशत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जनता अब राजनीति को दूर से देखने वाली भीड़ नहीं, बल्कि फैसले लेने वाली ताकत बन चुकी है। बता दें कि बंगाल के दूसरे चरण में 90 फीसदी मतदान हुआ है। वहीं, पहले चरण में 93 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। जब किसी चुनाव में 90 प्रतिशत के आसपास मतदान दर्ज होता है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं रहता, बल्कि यह जनादेश की गंभीरता और जनता की मंशा का स्पष्ट संदेश बन जाता है। अब इससे नेताओं पर भी परफॉर्मेंस का दबाव बनेगा कि वे किसी एक समुदाय या विशेष क्षेत्र के लिए नहीं, अपितु सभी के लिए योजना और नीतियां तैयार करें। चूंकि प्रदेश की लगभग पूरी आबादी ने मतदान में भाग लिया है। पश्चिम बंगाल में दोनों चरणों में 90 फीसदी से अधिक मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है। यह न केवल राज्य का, बल्कि पूरे देश का एक नया रिकॉर्ड बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अब तक त्रिपुरा में 91.82% (2013) में दर्ज हुआ था। यह परिघटना बताती है कि मतदाता अब उदासीन नहीं है। वह अपने अधिकार को लेकर सजग है और सत्ता को यह बताने के लिए तैयार है कि उसकी अपेक्षाएं क्या हैं, लेकिन उच्च मतदान प्रतिशत को केवल लोकतंत्र का उत्सव मान लेना एक अधूरा विश्लेषण होगा। बंगाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि हमेशा से संघर्ष, ध्रुवीकरण और आरोप-प्रत्यारोप से भरी रही है। इस बार भी हालात अलग नहीं दिखे। एक ओर ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर गंभीर आरोप लगाए। यहां तक कहा कि वे एक विशेष पार्टी के हित में काम कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा ने ईवीएम में छेड़छाड़ जैसे आरोपों के जरिए चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। यह स्थिति बताती है कि चुनाव केवल मतदाताओं का उत्सव नहीं, बल्कि राजनीतिक अविश्वास की परीक्षा भी है। ऐसे माहौल में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। आयोग के लिए यह चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजामों के दावे तभी सार्थक माने जाएंगे, जब मतदान न केवल शांतिपूर्ण, बल्कि पूरी तरह निष्पक्ष भी साबित हो। हालांकि, इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण संदेश जो उभरकर सामने आता है, वह है जनता का बदला हुआ रुख। अब मतदाता केवल जाति, धर्म या क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर वोट देने तक सीमित नहीं रह गया है। रिकॉर्ड मतदान इस बात का संकेत है कि जनता अब अपने प्रतिनिधियों से जवाबदेही चाहती है। अब चार मई को आने वाले नतीजे यह तय करेंगे कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में सत्ता किसके हाथ जाएगी। असली फैसला तो जनता पहले ही कर चुकी है। वह यह कि अब उसे सिर्फ वादे नहीं, प्रदर्शन चाहिए। अब सरकारें घोषणाओं से नहीं, काम से आंकी जाएंगी। कुल मिलाकर रिकॉर्ड मतदान भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रमाण है, लेकिन यह नेताओं के लिए एक चेतावनी भी है। यह स्पष्ट संकेत है कि जनता जाग चुकी है और अब वह हर पांच साल में सिर्फ वोट डालकर नहीं, बल्कि अपने फैसले के परिणाम भी देखना चाहती है। इसलिए आने वाली सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि उस भरोसे को बनाए रखना होगा, जो जनता ने रिकॉर्ड मतदान के जरिए उन पर जताया है।

रघुवंशी हत्याकांड और न्याय की चुनौतियां

राजा रघुवंशी का प्रकरण आधुनिक समय की उन सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है जिसने भारतीय समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह मात्र एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, अटूट विश्वास और विश्वासघात की पराकाष्ठा का एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारी न्याय प्रणाली की सूक्ष्मताओं को भी कटघरे में खड़ा करता है। वर्ष 2025 में आरंभ हुई यह दुःखद कथा 2026 में भी जनमानस के बीच गहन विमर्श का केंद्र बनी हुई है, विशेषकर उस समय जब इस संपूर्ण प्रकरण की मुख्य अभियुक्त को न्यायालय से सशर्त मुक्ति प्राप्त हुई है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया है कि कभी-कभी वास्तविकता किसी भी काल्पनिक कथा से अधिक भयावह और विचलित करने वाली हो सकती है।

राजा रघुवंशी का प्रकरण आधुनिक समय की उन सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक है जिसने भारतीय समाज की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। यह मात्र एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, अटूट विश्वास और विश्वासघात की पराकाष्ठा का एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारी न्याय प्रणाली की सूक्ष्मताओं को भी कटघरे में खड़ा करता है। वर्ष यह दु:खद कथा जनमानस के बीच गहन विमर्श का केंद्र बनी हुई है, विशेषकर उस समय जब इस संपूर्ण प्रकरण की मुख्य अभियुक्त को न्यायालय से सशर्त मुक्ति प्राप्त हुई है। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया है कि कभी-कभी वास्तविकता किसी भी काल्पनिक कथा से अधिक भयावह और विचलित करने वाली हो सकती है।

इस संपूर्ण घटनाक्रम की जड़ें इंदौर के एक सामान्य परिवार से जुड़ी हैं। इंदौर के निवासी राजा रघुवंशी का विवाह 11 मई 2025 को सोनम के साथ अत्यंत हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ था। परिवार के सदस्यों और मित्रों के अनुसार यह एक अत्यंत सुखी और सामान्य विवाह प्रतीत होता था, जिसमें किसी भी प्रकार के तनाव या विवाद की कोई सुगबुगाहट नहीं थी। विवाह के पश्चात के रीति-रिवाजों को पूर्ण करने के बाद, अपनी नई जीवन यात्रा को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से यह दंपति मेघालय की प्राकृतिक छटाओं का आनंद लेने के लिए प्रस्थान कर गया। उस समय किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि खुशियों की यह खोज एक भयानक त्रासदी में परिवर्तित होने वाली है। मेघालय की वादियों में भ्रमण के दौरान 23 मई 2025 वह अंतिम तिथि थी, जब राजा और सोनम को अंतिम बार एक साथ देखा गया था। इसके पश्चात अचानक उनका अपने परिवार से संपर्क विच्छेद हो गया। अंततः स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इस संदर्भ में सूचित किया गया। कई दिनों की निरंतर खोज और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करने के पश्चात 2 जून 2025 को राजा का निष्प्राण शरीर एक अत्यंत गहरी खाई से बरामद किया गया। इस समाचार ने न केवल रघुवंशी परिवार को अपूर्णीय क्षति पहुंचाई बल्कि संपूर्ण देश में सनसनी फैला दी। प्रारंभिक स्तर पर यह मामला एक रहस्यमय दुर्घटना प्रतीत हो रहा था क्योंकि राजा की पत्नी सोनम उस स्थान से लापता थी। पुलिस ने अपनी जांच की दिशा बदली और विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चलाया। अंततः 8 जून 2025 को पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली, जब सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से बंदी बना लिया गया। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, वैसे-वैसे इस घटना के पीछे छिपे काले सत्यों की परतें खुलने लगीं। जांच अधिकारियों ने उद्भेदन किया कि राजा की मृत्यु कोई संयोग या दुर्घटना नहीं थी, अपितु यह एक अत्यंत सुव्यवस्थित और क्रूर षड्यंत्र का परिणाम थी। पुलिस के अनुसार, सोनम ने अपने कथित प्रेमी राज कुशवाहा और 3 अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस जघन्य अपराध की रूपरेखा तैयार की थी। जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि हत्या की इस वारदात को मेघालय के सोहरा क्षेत्र के अत्यंत दुर्गम और एकांत स्थान पर अंजाम दिया गया था। वहां अपराधी पूर्व से ही घात लगाकर बैठे थे। आरोप है कि सोनम सुनियोजित तरीके से राजा को उस एकांत स्थान पर ले गई, जहां पूर्व निर्धारित योजना के

अनुसार हमलावरों ने उस पर प्रहार किया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसके शरीर को खाई में फेंक दिया। यह विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित करने के लिए पर्याप्त था, क्योंकि यह उस पवित्र बंधन के विरुद्ध था, जिसमें दो व्यक्ति एक-दूसरे की सुरक्षा का वचन लेते हैं। आरक्षी विभाग ने इस मामले में न्यायालय के समक्ष लगभग 790 पृष्ठों का एक विशाल आरोप पत्र प्रस्तुत किया। अभियुक्तों की ओर से कई बार जमानत के लिए आवेदन किया गया, परंतु अपराध की प्रकृति और साक्ष्यों की प्रबलता को देखते हुए आरंभिक 3 प्रयासों में सोनम को कोई राहत नहीं मिली। वह लगभग 10 महीनों तक न्यायिक अभिरक्षा में जेल की सलाखों के पीछे रही। वर्ष 2026 के अप्रैल माह में इस प्रकरण ने एक अप्रत्याशित मोड़ लिया। शिलांग की एक अदालत ने सोनम की जमानत याचिका पर विचार करते हुए उसे मुक्त करने का आदेश दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में जांच प्रक्रिया में व्याप्त कुछ गंभीर विसंगतियों और तकनीकी त्रुटियों को आधार बनाया। न्यायालय का यह प्रेक्षण था कि गिरफ्तारी के समय अभियुक्त को उसके अधिकारों और आरोपों की जानकारी उस प्रकार नहीं दी गई, जैसा कि विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया में अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, दस्तावेजों के रख-रखाव में भी कुछ प्रक्रियात्मक कमियां पाई गईं। न्यायालय ने इस बात पर भी बल दिया कि बिना किसी अंतिम निर्णय के किसी व्यक्ति को अनिश्चितकाल तक कारावास में रखना मानवाधिकारों के दृष्टिकोण से उचित नहीं है, विशेषकर तब, जब मुकदमे की कार्यवाही की गति धीमी हो। यद्यपि न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि जमानत प्रदान करने का अर्थ अभियुक्त को निर्दोष घोषित करना नहीं है, फिर भी इस निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया। राजा रघुवंशी के वृद्ध माता-पिता और परिजनों के लिए यह आदेश किसी वज्रपात से कम नहीं था। उनका तर्क है कि जिस महिला पर उनके पुत्र की हत्या का इतना गंभीर आरोप है और जिसके विरुद्ध पुलिस ने 790 पृष्ठों के साक्ष्य जुटाए हैं, उसे केवल तकनीकी त्रुटियों के आधार पर राहत मिलना न्याय की अवधारणा के विपरीत है। यह प्रकरण समाज के सम्मुख कई गंभीर प्रश्न प्रस्तुत करता है। यह व्यक्तिगत संबंधों में बढ़ती असुरक्षा और स्वार्थपरता को उजागर करता है। यह घटना दर्शाती है कि किस प्रकार आधुनिक जीवनशैली और अनैतिक आकांक्षाएं व्यक्ति को इतने बड़े अपराध की ओर धकेल सकती हैं। साथ ही, यह मामला हमारी जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी उंगली उठाता है। यदि पुलिस ने जांच और गिरफ्तारी के समय स्थापित नियमों का पूर्णतः पालन किया होता, तो शायद आज अभियुक्त को तकनीकी आधार पर जमानत न मिलती। यह प्रकरण यह भी सिखाता है कि न्याय केवल भावना से नहीं बल्कि ठोस तथ्यों और सही कानूनी प्रक्रिया से प्राप्त होता है। सामाजिक स्तर पर यह घटना एक चेतावनी की भांति है जो यह बताती है कि विवाह जैसे निर्णय अत्यंत सोच-विचार कर लिए जाने चाहिए और समाज में बढ़ते अपराधों के प्रति सतर्कता अनिवार्य है।

यद्यपि मुख्य अभियुक्त कारागार से बाहर है, किंतु कानूनी संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। न्यायालय में गवाही और साक्ष्यों का परीक्षण निरंतर जारी रहेगा। समाज की दृष्टि अब उच्च न्यायालय और ट्रायल कोर्ट के अंतिम निर्णय पर टिकी है। राजा रघुवंशी के परिवार को अभी भी विश्वास है कि अंततः सत्य की विजय होगी और उनके पुत्र के हत्यारों को उनके कृत्य का दंड अवश्य मिलेगा। यह कहानी एक दुखद सत्य के साथ समाप्त नहीं होती, बल्कि यह न्याय की उस लंबी और कठिन डगर का प्रतीक बन गई है, जिस पर आज भी भारत का एक साधारण परिवार न्याय की आस में चल रहा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

बलिदान दिवस
आचार्य दीपचन्द भारद्वाज

अफ़गानों का काल बने सरदार हरि सिंह नलवा

भारतवर्ष की धरा का इतिहास पराक्रमी वीर योद्धाओं के त्याग, वीरता और बलिदान की गाथाओं से परिपूर्ण है। हमारे यहां ऐसे रणबांकुरे हुए हैं जिनका नाम सुनने मात्र से ही शत्रु कांप जाते थे। सरदार हरि सिंह नलवा भारतीय इतिहास के उन अद्वितीय योद्धाओं में गिने जाते हैं, जिनकी वीरता और पराक्रम के किस्से आज भी हमारे हृदय में प्रेरणा का संचार करते हैं। सन् 1791 को पंजाब के गुजरांवाला में जन्मे हरि सिंह नलवा बाल्यकाल से ही साहसी, निर्भीक और प्रतिभाशाली थे। इनके पिता गुरदयाल सिंह उप्पल का निधन तब हो गया था, जब वह मात्र 7 वर्ष के थे।

विकट परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने साहस, युद्ध कौशल के बल पर अपनी पहचान अर्जित की। बचपन से ही युद्ध कला में प्रवीण थे। बसंत पंचमी के अवसर पर एक बार 1805 में महाराजा रणजीत सिंह ने एक प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। हरि सिंह नलवा भी उस प्रतियोगिता में अपना कौशल दिखाने पहुंचे। हरि सिंह ने उस प्रतियोगिता में भाला, तीरंदाजी, घुड़सवारी में अद्भुत प्रदर्शन किया जिससे प्रभावित होकर महाराज रणजीत सिंह ने उन्हें अपनी सेना में शामिल कर लिया। धीरे-धीरे महाराणा रणजीत सिंह

के वे विश्वास पात्र बन गए तथा एक कुशल योद्धा और उत्कृष्ट रणनीतिकार के रूप में स्थापित हुए। एक बार महाराजा रणजीत सिंह जंगल में अपने सैनिकों के साथ शिकार करने गए और उनके साथ हरि सिंह नलवा भी थे। तभी अचानक एक बाघ ने महाराजा पर हमला कर दिया। सभी सैनिक डर गए, तभी हरि सिंह आगे निकल कर आए और शेर से भिड़ गए तथा उसके जबड़े को अपने दोनों हाथों से चीर दिया। हरि सिंह से प्रभावित होकर रणजीत सिंह ने कहा कि तुम तो राजा नल जैसे वीर बहादुर हो। इसी घटना के बाद उन्हें 'नलवा' की उपाधि मिली, जिसका अर्थ है बाघ जैसा वीर । वे ऐसे धुरंधर योद्धा थे जिसकी तुलना अंग्रेज नेपोलियन से करते थे।

हरि सिंह केवल नाम के ही सिंह नहीं थे, बल्कि उनके पराक्रम और शौर्य ने पूरे अफगानिस्तान को हिला कर रख दिया था। यह उस कालखंड की बात है जब अफगानिस्तान के लड़ाकों से भारत डरा करता था। सबसे पहले महाराजा रणजीत सिंह ने इनको 800 घुड़सवारों की सेना का सेनानायक बनाया। हरि सिंह ने बीस से अधिक युद्धों में महाराजा रणजीत सिंह की सेना का कुशल नेतृत्व किया। 1807 से 1837 तक हरि सिंह ने अफगानों के खिलाफ कई महत्वपूर्ण युद्ध लड़े और विजय प्राप्त करके सिख साम्राज्य को सुदृढ़ता प्रदान की। नलवा ने अफगानिस्तान पर चढ़ाई करके उनकी राजधानी काबुल तक छीन ली थी। अपनी कूटनीति और पराक्रम के बल पर खैबर दर्रे तक अफ़गानों को पीछे धकेल दिया था। यही खैबर दर्रा सदियों से विदेशी अफगान आक्रमणकारियों का प्रमुख मार्ग रहा था। इस प्रकार हरि सिंह ने भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया। महाराजा रणजीत सिंह ने हरी सिंह नलवा को कश्मीर और पेशावर का गवर्नर नियुक्त किया, जो उनकी प्रशासनिक क्षमता का प्रमाण है। सिख साम्राज्य के विस्तार और उसको सुरक्षित बनाने में हरि सिंह नलवा का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। वे ऐसे अजेय योद्धा थे, जिनके पराक्रम का आतंक शत्रुओं के मानस पटल पर भी छाया हुआ था। हरि सिंह ने ही जमरूद के महत्वपूर्ण किले का निर्माण करवाया था। उनके बारे में यह भी कहा जाता है कि - 'अफगान माताएं अपने बच्चों के रोने पर उन्हें चुप कराने के लिए कहा करती थी कि चुप हो जा, वरना नलवा आ जाएगा'। यह केवल लोककथा नहीं, बल्कि उनके अद्भुत युद्ध कौशल, साहस और निडरता का जीवंत प्रमाण है। उनकी वीरता और युद्ध कौशल की चर्चाएं चारों तरफ फैली हुई थी। युद्ध के मैदान में इस वीर योद्धा नलवा को देखते ही शत्रु मैदान छोड़ जाया करते थे। 1837 में जमरूद के युद्ध के दौरान उनकी वीरता अपने चरम पर थी। तभी अफगान सेना ने जमरूद के किले पर अचानक आक्रमण कर दिया। सीमित संसाधनों और कम सैनिकों के साथ भी हरि सिंह ने अफगान सेना का डटकर सामना किया।

शारीरिक रूप से अस्वस्थ होते हुए भी हरि सिंह ने निर्भीकता से इस युद्ध को लड़ा। अंततः यह वीर योद्धा जमरूद के इस युद्ध में 30 अप्रैल 1837 को वीरगति को प्राप्त हुआ। सरदार हरि सिंह नलवा की तुलना भारत के श्रेष्ठ सेना नायकों में की जाती है। भारत के प्रति हरि सिंह नलवा की प्रतिबद्धता, त्याग, बलिदान और कर्तव्य निष्ठा इतिहास में सदैव अमर रहेगी।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हम जो भी करेंगे वह कर्म है

संकलित
दर्शन

'इगोसेंट्रिक' कर्म को वे कर्म कहते हैं। ऐसे कर्म को, जिसमें कर्ता मौजूद है। जिसमें कर्ता यह विचार करके ही कर रहा है कि करने वाला मैं हूं। जब तक मैं करने वाला हूं, तब तक हम जो भी करेंगे, वह कर्म है। अगर मैं संन्यास ले रहा हूं, तो संन्यास एक कर्म हो गया। अगर मैं त्याग कर रहा हूं, तो त्याग एक कर्म हो गया। अकर्म का मतलब ठीक उलटा है। अकर्म का मतलब है ऐसा कर्म, जिसमें कर्ता नहीं है। जिसमें मैं कर रहा हूं, ऐसा कोई बिंदु नहीं है। ऐसा कोई केंद्र नहीं है, जहां से यह भाव उठता है कि मैं कर रहा हूं। अगर मैं कर रहा हूं, यह खो जाए, तो सभी कर्म अकर्म है। कर्ता खो जाए तो सभी कर्म अकर्म है। इसलिए कृष्ण का कोई कर्म, कर्म नहीं है, सभी अकर्म हैं। कर्म और अकर्म के बीच में विकर्म की जगह है। विकर्म का अर्थ है, विशेष कर्म। विशेष कर्म किसे कहते हैं कृष्ण? जहां न कर्ता है, और न कर्म। फिर भी चीजें तो होंगी। फिर भी चीजें तो होंगी ही। आदमी श्वास तो लेगा ही। न कर्म है, न कर्ता है। श्वास तो लेगा ही। श्वास कर्म तो है ही। खून तो गति करेगा ही शरीर में। भोजन तो पचेगा ही। ये कहां पड़ेंगे? ये विकर्म हैं। ये मध्य में हैं। यहां न कर्ता है, न कर्म है। साधारण मनुष्य कर्म में है, संन्यासी अकर्म में है, परमात्मा विकर्म में है। वहां न कोई कर्ता है, न कोई कर्म है। वहां चीजें ऐसी ही हो रही हैं, जैसे श्वास चलती है। वहां चीजें बस हो रही हैं। यह कर्म योग का तत्व है । जो विकर्म को समझ लेगा, वह अकर्म में उतर जाएगा। कर्म हमारी स्थिति है, जैसे हम जी रहे हैं।

धैर्य से काम लेने में ही समझदारी

संकलित
प्रेरणा

एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफ़ी देर हो गयी थी। बुद्ध जी को काफ़ी प्यास लगी थी। उन्होनें अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफ़ी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होनें फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गयी और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते।

अंतर्मन

आज की पाती

तरसना न पड़ जाए जल की एक-एक बूंद के लिए

हाल ही में केंद्रीय जल आयोग ने हमें एक बहुत बड़ी चिंता में डालने वाला आंकड़ा देश के विभिन्न राज्यों के जलाशयों में घटते पानी को लेकर पेश किया है। इस आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 166 मुख्य जलाशयों में मात्र 41 प्रतिशत के आसपास पानी बचा है। पश्चिमी भारत, हिमाचल और उत्तराखंड में स्थिति बेहद खराब बताई गई है, यहां तो जलाशयों का जल स्तर 90 प्रतिशत के नीचे बताया गया है। केंद्रीय जल आयोग के इन चिंताजनक आंकड़ों पर आज से नहीं, बल्कि अभी से गंभीरता नहीं दिखाई गई तो देश के बहुत से राज्यों में जल संकट इस कद्र गहरा सकता है कि वहां पानी की एक-एक बूंद को तरसना पड़ सकता है। जल को अगर इसी तरह प्रदूषित व बर्बाद किया जाता रहा, तो संकट पैदा होगा। – *बबिता, करनाल*

ट्रेंड

सब कुछ महंगा होगा

चुनाव की राहत खत्म, महंगाई की मार अब शुरू होने वाली है! सावधान हो जाइए - पेट्रोल, डीजल, सब कुछ महंगा हो जाएगा। जब तेल सस्ता था, मोदी सरकार ने मुनाफा कमाया। अब जब यह महंगा हो गया है, तो इसका बोझ आप पर पड़ेगा।
-**राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

विशेषाधिकार की प्रवृत्ति

जब महिलाओं के लिए 33% आरक्षण सुनिश्चित करने का समय आया, तो महिला-विरोधी विपक्ष ने गरिमा और न्याय की बजाय विलंब और व्यवधान को चुना। यह संकोच नहीं है। यह विशेषाधिकार को बनाए रखने की प्रवृत्ति है।
-**रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

दोहरी विकास प्रणाली

हमारी दोहरी विकास प्रणाली वाली सरकार महिलाओं की उन्नति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम न केवल आर्थिक स्वतंत्रता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि शिक्षा और रोजगार अवसरों में आने वाली बाधाओं को भी दूर कर रहे हैं।
-**मोहन चरण माझी,** सीएम, ओडिशा

10 गुना अधिक सीटें

गुजरात में हमारे सैकड़ों कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, उन्हें जेल भेजा गया, लेकिन फिर भी उन्होंने दृढ़ता से चुनाव लड़ा। आम आदमी पार्टी ने पिछली बार की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक सीटें जीती हैं।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

श्रीलंका के चेम्मानी में फिर शुरू होगी सामूहिक कब्रों की खुदाई

श्रीलंका की एक अदालत ने जाफना के बाहरी इलाके चेम्मानी में स्थित एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया है, जो पहली बार 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान चर्चा में आयी थी और इसकी खुदाई का काम सात महीने पहले रोक दिया गया था। न्याय मंत्रालय द्वारा धनराशि फिर से आवंटित करने में देरी के कारण उत्तरी प्रांत के चेम्मानी में खुदाई का काम पिछले साल सितंबर में रुक गया था। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि 21 लाख श्रीलंकाई रुपये (एलकेआर) का आवंटन उपलब्ध करा दिया गया है ताकि काम फिर से शुरू किया जा सके। अदालत ने यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिक प्रतिनिधियों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए उपस्थित रहने की अनुमति दी। खुदाई कार्य के 45 दिनों के बाद जब दूसरे चरण का काम रोक दिया गया तब तक 240 कंकाल अवशेष निकाले जा चुके थे। खुदाई में कंकालों के अलावा, 14 हड्डियों का ढेर और शिशुओं के लिए दूध की बोतलें, एक गुड़िया, खिलौने और बच्चों के थैले तथा जूते जैसी वस्तुएं भी मिलीं।

ऑफ बीट

रोबोट दौड़ने और टेबल टेनिस खेलने में सक्षम

एक 'ह्यूमनॉइड' रोबोट ने हाल ही में हाफ मैराथन दौड़कर और मानव विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं। लगभग उसी समय, एआई-संचालित एक रोबोट ने टेबल टेनिस में एक शीर्ष खिलाड़ी को भी हरा दिया। रोबोट को खेल सिखाने की प्रक्रिया मानव खिलाड़ियों से पूरी तरह अलग होती है। रोबोट को 'सिमुलेशन', 'डेटा' और नियंत्रण 'एल्गोरिदम' के जरिए प्रशिक्षित किया जाता है। इंजीनियर वर्चुअल वातावरण तैयार करते हैं, जहां रोबोट लाखों बार अभ्यास कर सकते हैं। वे वस्तुओं को ट्रैक करना, गति का अनुमान लगाना और शरीर का समन्वय करना सीखते हैं। तेज गति वाले खेल जैसे टेबल टेनिस में यह चुनौती और कठिन हो जाती है, जहां रोबोट को गेंद की दिशा का अनुमान लगाकर कुछ ही क्षणों में सटीक प्रतिक्रिया देनी होती है। इसके लिए कंप्यूटर विजन, मशीन लर्निंग और रीयल-टाइम कंट्रोल का घनिष्ठ समन्वय जरूरी है। हाल के वर्षों में सिम-टू-रियल तकनीक ने इस क्षेत्र में प्रगति को काफी तेज किया है जिसमें 'सिमुलेशन' में सीखी गई क्षमताओं को वास्तविकता में लागू किया जाता है। रोबोट बास्केटबॉल और फुटबॉल जैसे खेलों में भी अब केवल गेंद को पहचानने तक सीमित नहीं हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

नरसिंह नाम स्मरण से संतापों का नाशः स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज

जबलपुर। नरसिंह मंदिर में भगवान श्री नरसिंह प्राकट्य महोत्सव के तहत त्रिदिवसीय धार्मिक आयोजन जारी है। इस अवसर पर स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान नरसिंह के नाम स्मरण मात्र से दैविक, भौतिक और दैहिक संतापों का नाश होता है तथा सहस्त्रनामों से आराधना करने पर सुख-समृद्धि और खुशहाली प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि आत्म और भौतिक भाव से भगवान को समर्पण ही सच्ची आराधना है, जिसमें पूजन, अर्चन और आरती का विशेष महत्व है। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 10 से 12 बजे और सायं 4 से 8 बजे तक अभिषेक, पूजन, सहस्त्रार्चन, तर्पण एवं हवन आयोजित किए जा रहे हैं। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में श्याम साहनी, मुन्ना पांडे, डॉ. पुष्पराज पटेल, रामचरण दास, रामजी पुजारी, लालमणि मिश्रा, एसबी मिश्रा, रेखा संतोष खम्परिया, पद्मा संजय तिवारी, विष्णु पटेल, विंध्येश भापकर, इंदुलता राजेंद्र प्यासी, लोकराम कोरी, राजेंद्र यादव, संदीप मिश्रा, जीवन कपिल, आचार्य रामफल शास्त्री एवं प्रियांशु शास्त्री सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। तृतीय दिवस प्राकट्य दिवस पर प्रातः 10 बजे से अभिषेक-पूजन व सहस्त्रार्चन तथा सायं 4 बजे से तर्पण, हवन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

संगीत संध्या में कल्याणजी-आनंदजी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जबलपुर। अंतस साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के तत्वावधान में शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में कल्याणजी-आनंदजी को समर्पित संगीत संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिशा दर्शन के राजेश पाठक एवं प्रवीण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि राकेश पैगवार रहे। संस्था के संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी ने कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन राजेश तिवारी तथा संगीत संयोजन दिनेश खड़ेतिया ने किया। संरक्षक सरोज संतोषी और निर्देशिका विनीता पैगवार का विशेष योगदान रहा। संगीत संध्या में संदीप बनोधा, सलिल तिवारी, पीडी दीक्षित, प्रमोद पाटकर, राजा बैंज, रितेश पैगवार, सुशील श्रीवास्तव, तुलसी राय, डॉ. आज्ञा मिश्रा, माया पांडे, निहारिका, वैशाली कुरवाने, खुशबू पैगवार, रामश्री कोरी, प्रो. नेहा खरे, संध्या पाटकर, शिप्रा नाथ, राधा थापा, इंजी. अरुण भटनागर और कमलकांत उपाध्याय सहित कलाकारों ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू गौरे ने किया। इस दौरान "हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में", "आ जा तुझको पुकारे मेरे गीत", "हमसफर मेरे हमसफर" सहित कई लोकप्रिय गीतों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

21 निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह 5 मई को

जबलपुर। भजन गायिका शहनाज़ अख्तर एक बार फिर अपनी समाज सेवा को लेकर चर्चा में हैं, अपनी आवाज़ से लाखों दिलों पर राज करने वाली शहनाज़ अख्तर अब 21 निर्धन और निराश्रित कन्याओं के जीवन में खुशियों का रंग भरने जा रही हैं, आगामी 5 मई को एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहनाज़ अख्तर खुद की कमाई से इन बेटियों का घर बसाएंगी, एक प्रेसवार्ता के दौरान शहनाज़ अख्तर ने बताया कि इस वर्ष 5 मई 2026 को 21 जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह कराया जाएगा, इस आयोजन की खास बात यह है कि इसके लिए किसी से भी कोई आर्थिक सहायता या चंदा नहीं लिया गया है, शहनाज़ अख्तर का कहना है कि उन्होंने भजनों के माध्यम से जो भी धन अर्जित किया है, उसे वे अब धर्म और पीड़ित मानव की सेवा के कार्यों में लगाना चाहती हैं, इस सामूहिक विवाह के लिए जोड़ों का चयन बेहद पारदर्शी तरीके से किया गया है, इसमें उन बेटियों को प्राथमिकता दी गई है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिनके माता-पिता नहीं हैं या जो पूरी तरह से निराश्रित हैं, दस्तावेजों की बारीकी से जांच के बाद ही इन 21 जोड़ों का चयन किया गया है, जिनमें 10 जोड़े जबलपुर के और बाकी अन्य क्षेत्रों से हैं।

'एक पहल किटी' का भव्य आयोजन, वैशाखी उत्सव में झलकी सांस्कृतिक एकता

जबलपुर। 'एक पहल किटी' के तहत कृष्णा होटल में वैशाखी एवं वैशाख माह के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन का नेतृत्व वंदना आनंद, सिमरन भगवानी और प्रियंका शर्मा ने किया। कार्यक्रम में ब्राह्मण, कायस्थ, पंजाबी और सिंधी समाज की महिलाओं ने एकजुट होकर सनातन परंपरा की सुंदर मिसाल पेश की। महिलाएं आकर्षक पंजाबी वेशभूषा में सजी नजर आईं, जिससे माहौल उत्सवमय हो गया। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक श्वेता गोंटिया का सम्मान किया गया। वंदना आनंद ने श्वेता गोंटिया और शिल्पा तिवारी के सामाजिक एकता के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में श्रद्धा तिवारी, ऋतु रावत, अंजना शर्मा, प्रज्ञा दुबे, नीति दीक्षित और नीमा शुक्ला सहित प्रतिभागियों ने पारंपरिक नृत्य व गीत-संगीत की शानदार प्रस्तुतियां दीं। अंत में श्वेता गोंटिया ने वान्या आनंद सहित सभी महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता का सशक्त माध्यम बताया।

सिहोरा में जल संरक्षण व संवर्धन केबल रंग रोगन कागजों तक सीमित

परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा

सिहोरा। नगर में परंपरागत जल स्रोतों की खासी उपेक्षा हो रही है। पूर्व में कुएं,तालाब और बावड़ी जैसे जल स्रोत न केवल बर्ष भर पानी उपलब्ध कराते थे बल्कि बारिश का पानी जमीन के भीतर पहुंचा कर जल संरक्षण व संवर्धन में भी मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। लेकिन समय के साथ आए बदलाव ने इन जल स्रोतों को कूड़ेदान बना दिया। परिणाम स्वरूप नतीजा यह है कि जल स्तर लगातार पाताल की ओर जा रहा है और शहर हो या गांव हर तरफ जल संकट से लोग जूझ रहे हैं। दो दशक पहले तक कुएं,तालाब और बावड़ियां ही मुख्य जल स्रोत हुआ करती थीं। तालाब और कुएं लोगों को पीने और अन्य उपयोग के लिए पानी मुहैया कराते थे वहीं कुछ स्थानों पर बावड़ियां भी थी। नये बस स्टैंड के पास कई साल पहले तक एक बावड़ी का अस्तित्व था। यह बावड़ी तो सालों पहले ही लापता हो गई हैं वहीं अन्य स्थानों की बावड़ियां भी उपयोग विहीन होकर कूड़ेदान की शक्ल ले चुकी है। इसी तरह के हाल कुओं के भी हो चुके हैं। जानकारों के मुताबिक शहर में दो दर्जन से अधिक कुएं अस्तित्व में थे लेकिन अब शायद ही कोई कुआं ऐसा होगा जिसका कि उपयोग हो रहा हो। अधिकांश कुओं को तो खुद लोगों ने ही कूड़ेदान बना डाला है। लोग इनमें कूड़ा-कचरा फेंकने लगे हैं। इससे कई कुओं का तो लगभग अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है। कुओं और बावड़ियों की उपेक्षा होने की मुख्य वजह यह है कि लोगों को नल-जल योजनाओं से जहां सीधे घर के भीतर पानी मिल रहा है वहीं घर-घर में नलकूप भी खनन हो गए हैं। यही कारण है कि व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक कुओं की सुध किसी के भी द्वारा नहीं ली जा रही है। कुछ साल पहले तक स्थानीय निकायों द्वारा भी प्राथमिकता के साथ कुओं का गहरीकरण और साफ-सफाई करवाई जाती थी लेकिन अब तो स्थानीय निकायों की भी यह प्राथमिकता नहीं रह गए हैं।

परम्परागत तालाब गायब, कुएं कचरा घर में तब्दील

तालाबों के भी यही हाल

केवल कुएं ही नहीं बल्कि तालाबों के भी यही हाल है। एक जमाने में दो दर्जन से अधिक तालाब थे और इन तालाबों के भी बेहाल हैं। अधिकांश तालाब तो भू माफियाओं की गिद्ध दृष्टि की भेंट चढ़ गए। उंगलियों पर गिने जा सकने वाले शेष बचे तालाबों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। गंदगी से पटे इन तलाबो का न तो गहरीकरण हुआ है और न ही साफ-सफाई की गई है। इससे यह तालाब भी कचरा घर बनने के साथ साथ उथले होते जा रहे हैं और बहुत कम ही पानी का संग्रहण इनमें हो पाता है। जमीन के भीतर पानी भेजने की इनकी क्षमता भी साफ-सफाई के अभाव में कम होती जा रही है।

नहीं हो पा रही वाटर रिचार्जिंग

कुएं और तालाबों द्वारा केवल पानी ही उपलब्ध नहीं कराया जाता है बल्कि बारिश के दिनों में वर्षा जल को जमीन के भीतर पहुंचाने में भी यह मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। इनकी उपेक्षा और इनके लगातार बंद होने के कारण ही अब जमीन का पानी भीतर पहुंचने के लिए कोई जरिया ही नहीं बचा है। यही कारण है कि अब जल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। लोग भी केवल पानी उलीचने का ध्यान रखते हैं, जमीन में पानी पहुंचाने की किसी को भी जरा भी फिक्र नहीं रह पाती है।

रंग रोगन कर की कर्त्तव्यों की इति श्री

नगर की पालक संस्था ने विगत दिनों जल संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत वावली की दिवालों का रंग रोगन कर फोटो शूट कराके वाहवाही तो लूट ली जब की वावली की सतह आज भी कचरे से पटी पड़ी है।नये बस स्टैंड के समीप पड़ाव की बावली नगर का प्रमुख पारंपरिक जल स्रोत रहा है स्थानीय लोगों के अलावा पुराने जमाने में बैलगाड़ियों से यात्रा करने वाले भी यहां रुककर बावली के जल का प्रयोग करते थे लेकिन समय में आए बदलाव में परंपरागत जल स्रोत को कचरा घर में तब्दील कर दिया । नगर की पालक संस्था ने स्थानी लोगों का कहना है कि पारंपरिक जल स्रोतों का उपयोग भले ही नहीं हो लेकिन देख-रेख होना बेहद आवश्यक हैं। जमीन के भीतर बारिश का पानी पहुंचा कर वे पानी मुहैया कराने में अपनी अदृश्य लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते रहते हैं।

चौपड़ा तालाब

नगर के प्राचीन चौपड़ा तालाब के पानी का रंग एंव उसमें पड़ीं पालीथीन,बोतल अपने संवर्धन एवं संरक्षण की कहानी स्वंय बयां कर रही है। विगत दिनों उक्त तालाव का को भी जल संवर्धन एवं संरक्षण के तहत स्वच्छ किया गया था।

जटिल सर्जरी से महिला को मिला नया जीवन, कटने से बचे दोनों पैर

जबलपुर। उखरी चौक स्थित गैलेक्सी मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने एक जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए 41 वर्षीय रीवा निवासी रचना यादव को नया जीवन दिया। सड़क दुर्घटना में उनके दोनों पैर बुरी तरह क्रश हो गए थे तथा हाथ की ह्यूमरस हड्डी भी टूट गई थी। कई स्थानों पर पैर काटने की सलाह मिलने के बाद गैलेक्सी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चरणबद्ध उपचार करते हुए पहले हड्डियों को जोड़ा और बाद में स्किन ग्राफ्टिंग की। डॉ. चतुर्वेदी, डॉ. यादव और डॉ. पटेल सहित पूरी मेडिकल टीम, नर्सिंग व ओटी स्टाफ की मेहनत से सर्जरी सफल रही। 3 से 6 माह के उपचार के बाद मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने पैरों पर चलने में सक्षम है। चिकित्सकों की इस उपलब्धि की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में जनगणना 2025 हेतु स्व-गणना प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। नगर निगम के निर्देशानुसार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में जनगणना 2025 के अंतर्गत स्व-गणना प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्व-गणना प्रक्रिया को सरल एवं डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाना रहा। निगमायुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं नोडल अधिकारी सागर बोरकर ने प्राध्यापकों और कर्मचारियों को ऑनलाइन फॉर्म भरने का प्रशिक्षण दिया। नोडल अधिकारी सागर बोरकर ने पीपीटी और मोबाइल के माध्यम से स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया समझाई।

डूंगा मेहगांव जलाशय की सफाई कराने की मांग

बरेला। शासन एक ओर जहां किसानों के लिए हर संभव मदद पहुंचाने संकल्पित है तो वहीं दूसरी तरफ देखा जा रहा है कि लगातार कई वर्षों से किसान मांग कर रहे हैं कि डूंगा मेहगांव जलाशय की सफाई कराने हेतु किसान कई वर्षों से मांग कर रहे हैं भारत कृषक समाज के बरेला ब्लॉक संयोजक योगेश पटेल ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए बताया कि डूंगा मेहगांव जलाशय में अधिक कपुआ (पुराव) होने के कारण पानी का भराव हर वर्ष कम होता जा रहा है जब से डूंगा मेहगांव जलाशय का निर्माण हुआ है तब से अभी तक जलाशय का सफाई कार्य नहीं किया गया भारतीय किसान यूनियन सर्व के जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने बताया कि सन 1977-78 में निर्माण कराया गया जब से आज तक कई वर्ष बीत जाने के बाद भी उगरवाया नहीं गया हर वर्ष बारिश के समय मिट्टी के कटाव के कारण कपुआ जमा हुआ है भारत के समाज के बरेला ब्लॉक संयोजक योगेश पटेल , जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी, अनंत राम पटेल,सुरेंद्र चौकसे, जगदेव पटेल,बलराम पटेल , कल्लू यादव सहित क्षेत्र के सैकड़ो किसानों ने जिला कलेक्टर से डूंगा मेहगांव जलाशय का सफाई कार्य कराने की मांग की ।

जीआरपी ने यात्री का छूटा बैग वापस दिलाया

जबलपुर। यात्री अंजलि चौरसिया पिता दीप चौरसिया उम्र 21 साल निवासी मस्जिद रोड खितौला थाना खितौला जबलपुर जो कि अपना बैग पीएफ नंबर 6 रेलवे स्टेशन जबलपुर में भूल गई थी जिसमें उक्त बालिका के कॉलेज के दस्तावेज एवं पूरे डॉक्यूमेंट थे, पता तलाश कर थाना बुलाकर सुपुर्द किया गया। कार्यवाही में प्र.आर. धीरेंद्र एवं म.आर. आरती, प्रियंका का योगदान रहा।

भीषण गर्मी में सावधानी जरूरी, विशेषज्ञों की अहम सलाह

जबलपुर। तेज गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार हीट वेव के दौरान लापरवाही से हीटस्ट्रोक (लू) और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि दोपहर 12 से 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और तेज धूप, मसालेदार व अस्वच्छ भोजन से परहेज करें। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए रोजाना 8 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। साथ ही नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन लाभकारी है। धूप से बचाव के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें, सिर को ढंककर रखें और सनग्लासेस व सनस्क्रीन का उपयोग करें। लक्षण जैसे चक्कर आना, सिरदर्द, उल्टी या शरीर का तापमान बढ़ने पर तुरंत ठंडी जगह पर ले जाकर डॉक्टर से संपर्क करें। डॉ. अजय वाधवानी ने लोगों से अपील की है कि गर्मी में विशेष सावधानी बरतें और बच्चों व बुजुर्गों का खास ध्यान रखें।

श्री नृसिंह प्रकटोत्सव पर अनेक धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन आज

सिहोरा। भगवान नृसिंह भगवान विष्णु के चौथे अवतार हैं जिन्होंने एक शक्तिशाली राक्षस हिरण्यकश्यप को मारने के लिए एक ऐसे रूप में जन्म लिया था जिसमें वह शरीर मानव का और सिर सिंह अर्थात शेर का था। जिस दिन भगवान नृसिंह ने इस अद्भुत रूप में अवतार लिया था उस दिन को नृसिंह जयंती के रूप में मनाया जाता है।नृसिंह जयंती के अवसर पर श्री नृसिंह टेकरी खितौला में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम रहेगी प्राप्त जानकारी के अनुसार महन्त गोविन्द दास जी महाराज के सानिध्य में प्रातः 6 बजे भगवान का अभिषेक पूजन तत्पश्चात हरिनाम संकीर्तन, शाम 6 बजे भगवान की प्रकटोत्सव आरती उसके बाद प्रसाद वितरण किया जायेगा।शास्त्रों के अनुसार, भगवान नृसिंह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। धार्मिक ग्रंथों में भगवान नृसिंह की महानता और नृसिंह जयंती के महत्व का विस्तार से वर्णन किया गया है। जो भक्त देवताओं की पूजा करते हैं और नृसिंह जयंती पर उपवास रखते हैं वे अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं अपने दुर्भाग्य को समाप्त कर सकते हैं और अपने जीवन से नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा पा सकते हैं।श्री नृसिंह शिष्य मण्डल ने समस्त धर्मप्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

2 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में 1 मई को

जबलपुर। जबलपुर प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली 502 वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा बैसाख पूर्णिमा पर 1 मई शुक्रवार प्रातः 6 बजे परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में पूज्य संत महात्माओं के सानिध्य में निकाली जाएगी। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज द्वारा बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का प्रसाद स्वरूप वितरण किया जाएगा भेड़ाघाट से सैकड़ो वर्षों से निकल रही नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा बेनगंगा पुल पंचवटी 64 योगिनी धुआंधार कल्याण तपोवन लामेटा घाट नाव पार करके शनि मंदिर डुडुवारा इमलिया न्यू भेड़ाघाट से सिद्धन माताजी आश्रम के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा। उपस्थिति की अपील नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल विनोद दीवान संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा आशीष पटेल बरगी वाले दुर्गा पटेल मनोज गुलाबवानी शिवकुमार पटेल पप्पू चौबे छन्नू राम पटेल विनोद विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा अपील की है।

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15754278N RANK SIGNAL MAN NAME SHAIKH AMIR SHAKIL UINT SIGNAL RECORDS resident of VADANAGE, TAL-KARVEER, DIST-KOLHAPUR 416229 STATE MAHARASHTRA (INDIA) I, have changed name of my FATHER, from SHAIKH SHAKIL MAHAMAD (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to SHAKIL MAHANMAD SHAIKH (name as per my FATHER, AADHAR CARD, RATION CARD AND GOVERNMENT AND SEMI GOVERNMENT DOCUMENTS) vide affidavit dated 06/03/2026 formerly before Public Notary NAGALA PARK, KOLHAPUR

CORRECT NAME
SHAKIL MAHANMAD SHAIKH
INCORRECT NAME-
SHAIKH SHAKIL MAHAMAD

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. 15754278N RANK SIGNAL MAN NAME SHAIKH AMIR SHAKIL UINT SIGNAL RECORDS resident of VADANAGE, TAL-KARVEER, DIST-KOLHAPUR - 416229 STATE MAHARASHTRA (INDIA) I, have changed name of my MOTHER, from AMMENA (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to AMINA SHAKIL SHAIKH (name as per my MOTHER, AADHAR CARD, RATION CARD AND GOVERNMENT AND SEMI GOVERNMENT DOCUMENTS) vide affidavit dated 06/03/2026 formerly before Public Notary NAGALA PARK, KOLHAPUR

CORRECT NAME
AMINA SHAKIL SHAIKH
INCORRECT NAME - AMMENA

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-01, गढ़ा नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक- सं.अधि./01/गढ़ा 2026/एम/88 (2025-26)
दिनांक-25.03.2026
भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अलका अग्रवाल पति श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल ने भवन/भूखण्ड/ खसरा क्र. एम आई जी द्वितीय सी-97 पिन 10004096319 वार्ड क्रं.16 वार्ड महाराणा प्रताप के पंजीकृत गृह स्वामी(कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्रीमति रामकली अग्रवाल पति स्व. गोविंद दास अग्रवाल के स्थान पर क्षेत्रफल भूतल 1000 प्रथमतल 600 आरसीसी शपथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नंबर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा। नामांतरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं. 01 गढ़ानगर निगम, जबलपुर

बेदखलीनामा

बावत् ऐसा कि मैं, श्रीमति शोभारानी व्यास, पति स्व. श्री शिवशंकर व्यास शिव मंदिर के पास सुभाष नगर, महाराजपुर, जबलपुर आज दिनांक को यह बेदखलीनामा निष्पादित करती हूँ कि मेरा बड़ा पुत्र रोहित व्यास उम्र लगभग - 45 वर्ष निवासी उज्जैन, मैं जबलपुर, म.प्र. में अपने छोटे पुत्र राहुल व्यास के साथ रहती हूं, मेरा बड़ा पुत्र रोहित व्यास आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है। मेरे कई बार समझाइस देने के बावजूद भी उसमें कोई सुधार नहीं आया और लगातार व शराब पीकर आये दिन जबलपुर, म.प्र. आकर किसी न किसी से लड़ाई झगड़ा करता रहता है। उसके बर्ताव में कोई सुधार नहीं होने के "कारण मैंने अपने बड़े पुत्र रोहित व्यास से अपने सारे रिश्ते-नाते खत्म करने का निर्णय लिया है आज दिनांक से ही वह मेरा पुत्र नहीं है मैंने उससे अपने सारे रिश्ते नाते समाप्त कर उसे अपनी जमीन-जायदाद से बेदखल कर दिया है तथा आज जनता को सूचनार्थ हेतु दैनिक समाचार पर में सूचना भी प्रकाशित करवा दी है। आज दिनांक से ही मेरे बड़े पुत्र रोहित व्यास के द्वारा जो भी कार्य या कोई अपराध किया जाता है। तो उसकी जबावदारी रोहित व्यास की होगी जो भी व्यक्ति उसके साथ कोई लेनदेन करता है तो वह अपनी जबावदारी पर करें उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मैं या मेरा छोटा पुत्र जबावदार नहीं होगा ।

दिनांक-24.04.2026

शोभारानी व्यास,
पति स्व. श्री शिवशंकर व्यास
शिव मंदिर के पास सुभाष
नगर, महाराजपुर, जबलपुर

कान्हा प्रबंधन पर सवाल, बाघों की अनदेखी के लग रहे आरोप

तीन शावकों के बाद बाघिन की भी मौत

*** पहले संक्रमण फिर भूख को बताई गई मृत्यु की वजह।**

हरिभूमि न्यूज ⏭| मण्डला

कान्हा टाइगर रिजर्व में 21 से 26 अप्रैल के बीच तीन शावकों की मौत के बाद उनकी मां बाघिन (टी-141) की भी बुधवार को मौत हो गई। मौत के कारणों के पीछे भूख से मौत की आशंका जताई थी, लेकिन बाद में वन विभाग ने फेफड़ों के संक्रमण को इसकी वजह बताया।

सरही जोन से एक वीडियो सामने आया था जिसमें एक शावक बेहद कमजोर नजर आया। वीडियो के आधार पर वन विभाग ने निगरानी बढ़ाने और बाघिन की तलाश शुरू करने की बात कही। हाथी गश्ती दल भी लगाया गया। इसके बावजूद वन विभाग हालात नहीं संभाल पाया। इसके बाद 21 अप्रैल को बड़े अमाही नाले के पास शावक का शव मिला। पोस्टमॉर्टम में उसका पेट खाली पाया गया, जिससे शुरुआती तौर पर भूख को मौत का कारण माना। हालांकि, उसी इलाके में बाघिन अपने अन्य शावकों के साथ देखी गई थी, जिससे सवाल उठे कि अगर मां आसपास थी, तो शावक भूखा क्यों रहा? और फिर 24 अप्रैल को ईंटावारे नाले में दूसरे शावक का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। मामले में भी बाद में भूख से मौत की बात सामने आई। लगातार दो शावकों की मौत ने बाघिन और शेष शावकों की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी थी।

इसी बीच तीसरे शावक की भी मौत 25-26 अप्रैल को हो गई। लेकिन इस बार वन विभाग ने मौत का कारण बदलते हुए फेफड़ों में संक्रमण बताया। इसके बाद विभाग ने बाघिन और एक जीवित शावक को ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर में शिफ्ट किया और कल ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर लाई गई बाघिन ने भी दम तोड़ दिया। मौत की वजह बीमारी थी कि भूख अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वन विभाग देता रहा सफाई

वन विभाग के अधिकारियों ने पहले कहा कि शावकों को ऊपरी श्वसन तंत्र (फेफड़ों) का संक्रमण था, जिसके कारण वे खाना नहीं खा पा रहे थे। उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा के अनुसार, रेस्क्यू के बाद जब बाघिन और शावक को इलाज दिया गया, तो करीब 24 घंटे बाद उन्होंने खाना शुरू किया, जिससे बीमारी की पुष्टि होती है। सवाल यह है कि अगर बीमारी थी, तो उसकी पहचान समय रहते क्यों नहीं हो सकी, जबकि 17 अप्रैल को ही कमजोर शावक का वीडियो सामने आ चुका था। कान्हा टाइगर रिजर्व देश के सबसे बेहतर प्रबंधित रिजर्व में गिना जाता है। यहां प्रोजेक्ट टाइगर के तहत हर साल करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

इतनी व्यापक व्यवस्था के बावजूद 9 दिन में तीन शावकों और बाघिन की मौत होना, निगरानी तंत्र पर सवाल खड़े करता है।

इन बाघों के चलते सरही गेट पर पर्यटन बढ़ रहा था, स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा था। शावकों की मौत से इस पर भी असर पड़ा है।

टूरिज्म से जुड़े लोगों में भी इसे लेकर चिंता है, क्योंकि शावकों की लगातार मौत से बदनामी हो रही है।

अधिकारियों का कहना है कि समय पर निगरानी के कारण ही बाघिन और एक शावक को बचाया जा सका। विभाग के अनुसार, सभी जरूरी सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि होगी।

लेकिन इन सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिल पा रहे हैं कि 17 अप्रैल को कमजोरी का संकेत मिलने के बाद भी बचाव क्यों नहीं हो सका? पोस्टमार्टम में पेट खाली मिलने के बावजूद भूख से मौत से इनकार क्यों? हाईटेक सिस्टम के बावजूद लगातार तीन मौतें कैसे हुईं।

सांई मंदिर में चोरी: मुकुट और दानपेटी का दान ले गए

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में चोरों ने अब मंदिरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत नैतरा स्थित सांई मंदिर में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात चोरी की घटना हुई। अज्ञात चोर सांई बाबा का मुकुट और दानपेटी से दान चुरा ले गए।

चोरी की इस घटना का पता बुधवार सुबह चला, जब भक्त मंदिर में पूजा करने पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर के गेट का ताला खुला था और दानपेटी गायब थी। दानपेटी बाद में मंदिर से लगभग दो किलोमीटर दूर लिंगा क्षेत्र में सड़क किनारे पड़ी मिली। इसे एक किसान ने देखा, जो खेत की ओर जा रहा था। मंदिर समिति ने इस संबंध में ग्रामीण पुलिस को शिकायत दी है। बताया जा रहा है कि चोर लगभग 60 से 70 हजार रुपये का मुकुट और दानपेटी में जमा दान चुरा ले गए हैं। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मृत शिक्षक को जनगणना ड्यूटी
छतरपुर में प्रशासनिक लापरवाही उजागर

छतरपुर। जिले के बड़ामलहरा अनुभाग के घुवारा क्षेत्र से प्रशासनिक लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां जनगणना कार्य के लिए जारी सूची में एक ऐसे शिक्षक का नाम शामिल कर दिया गया, जिनका निधन करीब दो साल पहले ही हो चुका है। इस घटना ने विभागीय कार्यप्रणाली और रिकॉर्ड अपडेट सिस्टम की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, माध्यमिक शिक्षक हरिश्चंद्र जैन का निधन 15 अप्रैल 2023 को हो गया था, लेकिन इसके बावजूद हाल ही में मकान सूचीकरण और जनगणना प्रशिक्षण के लिए जारी सूची में उनका नाम दर्ज कर उन्हें जिम्मेदारी सौंप दी गई। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि संबंधित विभाग के रिकॉर्ड समय पर अपडेट नहीं किए गए, जिससे इतनी बड़ी चूक सामने आई। स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर लोगों में नाराजगी है और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब मृत कर्मचारी का नाम तक सूची से नहीं हटाया गया, तो अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यह मामला न केवल लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है।मामले में जब जिम्मेदार अधिकारियों से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो एसडीएम बड़ामलहरा अखिल राठौर और तहसीलदार आदित्य सोनकिया ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। दोनों अधिकारियों की चुप्पी ने मामले को और गंभीर बना दिया है और यह संकेत दे रही है कि प्रशासन इस मुद्दे पर खुलकर सामने आने से बच रहा है।

बालाघाट पुलिस की कार्रवाई से रेत माफियाओं में हड़कंप

सोन नदी घाट पर पुलिस का शिकंजा
अवैध रेत उत्खनन में 13 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट/लांजी।

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर में रेत माफियाओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में लांजी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पौसेरा के सोन नदी घाट पर दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में शामिल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली, अवैध रेत, फावड़े और तसले भी जब्त किए हैं।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पौसेरा स्थित सोन नदी घाट से कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में अवैध रूप से रेत भरकर लांजी की ओर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला और एसडीओपी लांजी श्री ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

पुलिस टीम को देखकर ट्रैक्टर चालक और रेत भरने वाले मजदूर मौके से भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी को पकड़ लिया। जांच के दौरान एक ट्रॉली पूरी तरह रेत से भरी मिली, जबकि दो अन्य ट्रॉलियों में आंशिक रूप से रेत के साथ फावड़े और तसले पाए गए। जब चालकों से रायल्टी और वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने युगल उर्फ राजा सातपुते, दीपक धुर्वे, अजय मलगाम, दिलीप मलगाम, राकेश आमाडारे, कमलेश चापड़े, नितिन चापड़े, देवेंद्र मसराम, दीपक आमाडारे, राधे पंद्रे, नितेश पटले, राजेश सोनवाने और रवि मडावी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी लांजी थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने दो महिंद्रा कंपनी के लाल रंग के ट्रैक्टर और एक नीले रंग का सोनालिका ट्रैक्टर ट्रॉली सहित जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 136/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4/21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लांजी उने दीप सिंह परमार, निरीक्षक अशोक निनामा, आरक्षक कुलाड़े, आरक्षक राहुल भारद्वाज सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

बुढ़ी शराब दुकान हटाने विरोध,
नपाध्यक्ष ने महिलाओं से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बुढ़ी इलाके में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 15 दिनों से महिलाएं इस 50 साल पुरानी दुकान को रिहायशी इलाके से हटाने के लिए दिन-रात धरने पर बैठी हैं। बीते दिनों दुकान पर हुई हाथापाई और झड़प के बाद अब यह आंदोलन और तेज हो गया है।

बुधवार देर शाम नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और पार्षद सरिता सोनेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं के बीच पहुंचीं। नपाध्यक्ष ने महिलाओं को सलाह दी कि वे कानून अपने हाथ में न लें और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे पहले है और वे पुलिस अधीक्षक से बात कर यहां पुलिस बल तैनात करने की मांग करेंगी। हालांकि, उन्होंने दुकान हटाने को लेकर कोई तय समय बताने से मना कर दिया है। वार्ड की महिलाओं का कहना है कि वे पिछले 40-50 सालों से इस परेशानी को झेल रही हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट हो रहा है, जिसमें महिलाएं अपनी तकलीफ बताते हुए कलेक्टर से गुहार लगा रही हैं। महिलाओं ने कलेक्टर को चुनौती भरे लहजे में न्योता दिया है कि वे सिर्फ दो घंटे अपने परिवार के साथ इस इलाके में आकर रहें, तब उन्हें असलियत पता चलेगी। महिलाओं की मांग है कि जिस तरह वार्ड नंबर 24 और 25 से शराब दुकानें हटाई गई हैं, उसी तरह इस दुकान को भी आबादी वाले क्षेत्र से दूर कहीं और शिफ्ट किया जाए। वार्ड पार्षद सरिता सोनेकर ने भी प्रशासन से अपील की है कि लोगों की भावनाओं और सुरक्षा को देखते हुए दुकान को जल्द से जल्द हटाया जाए। फिलहाल, प्रशासन की ओर से कोई ठोस फैसला न आने के कारण महिलाएं पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

गायत्री साहू आत्महत्या मामला: आरोपी की गिरफ्तारी की मांग तेज, डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

लखनादौन। सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंधा में 20 वर्षीय युवती गायत्री साहू की आत्महत्या का मामला अब राजधानी भोपाल तक पहुंच गया है। आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होने से नाराज अखिल भारतीय तेली महासभा (म.प्र.) के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि मृतका गायत्री साहू ने 8 अप्रैल 2026 को जहरीला पदार्थ सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसकी उपचार के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गई। मृतका द्वारा दिए गए मरणासन्न बयान (डाइंग डिक्लेरेशन) में आरोपी रूपेश सिरवैया पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि आरोपी पिछले लगभग दो वर्षों से मृतका के साथ शारीरिक संबंध बना रहा था तथा उस पर दो बार गर्भपात कराने का दबाव भी डाला गया। परिजनों के अनुसार 6 अप्रैल 2026 को आरोपी मृतका के घर पहुंचा और उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही विवाह करने से साफ इनकार कर दिया। लगातार मानसिक प्रताड़ना, सामाजिक दबाव और धमकियों के चलते युवती ने यह आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद थाना धूमा में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है, लेकिन अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर समाज में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी अपने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर जांच को प्रभावित करने तथा अग्रिम जमानत प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, जिससे पीड़ित परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। महासभा ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, आरोपी को तत्काल गिरफ्तार किया जाए ताकि वह साक्ष्यों से छेड़छाड़ न कर सके, तथा पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही प्रशासन से त्वरित और न्यायोचित कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस संवेदनशील मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

बीच ट्रेक पर बिगड़ा ट्रक, आ गई मालगाड़ी

हरिभूमि न्यूज: कटनी। रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवरी में रेलवे फाटक के पास बुधवार शाम लगभग 5 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे गेट बंद होने का सायरन बजने पर फाटक पार करने की जल्दी में ट्रक क्रमांक एमपी 09 HH 1791 दोनो फाटक के बीच रेलवे ट्रेक पर बंद होकर खड़ा हो गया। ट्रक चालक के बार-बार स्टार्ट करने के बाद भी ट्रक चालू नहीं हो रहा था। इसी बीच तेज रफ्तार में दमोह की ओर मालगाड़ी दौड़ती चली आ रही थी जिसे देख गेट के पास खड़े लोगो में आफरा तफरी का माहोल निर्मित हो गया। मालगाड़ी चालक ने अंदेशा को भागते हुए अपनी ट्रेन की रफ्तार को धीमा कर दिया। गेट मेन और पास खड़े लोगो की सूझबूझ से रेलवे ट्रेक पर बंद खड़े ट्रक को पीछे से दूसरे ट्रक ने धक्का मारकर रेलवे ट्रैक से बाहर किया और मालगाड़ी निकली गई। इस तरह एक बड़ा हादसा होते होते टल गया।

8 पाक्सो पीड़ितों को मिली स्पॉन्सरशिप योजना का संबल

हरिभूमि न्यूज ⏭| मण्डला

*** बाल कल्याण समिति ने 60 पाक्सो प्रकरणों में नियुक्त किया है सपोर्ट पर्सन।**

मिशन वात्सल्य अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल कल्याण समिति के सहयोग से सपोर्ट पर्सन के लिए हर माह प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित किया जा रहा है। इस नवाचार के परिणाम अब आने लगे हैं। 8 पाक्सो पीड़ितों के स्पॉन्सरशिप को अनुमोदित किया गया है। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत चार हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाता है।

जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित प्रायोजन एवं पालक देखभाल अनुमोदन समिति (एसएफसीएसी) ने स्पांसरशिप के प्रकरण को अनुमोदित किया है। बाल कल्याण समिति के संवेदनशीलता के कारण एक पाक्सो पीड़िता के नवजात को चार दिन में ही पूरी प्रक्रिया कर शिशु गृह सह दत्तक ग्रहण अभिकरण में प्रवेशित कराया गया। पुलिस द्वारा बाल कल्याण समिति जिला मंडला के समक्ष प्रस्तुत 60 पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन नियुक्त किया गया है। माह अप्रैल की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने सपोर्ट पर्सन को पीड़िता को संबल प्रदान करने के लिए संवेदनशीलता से गोपनीयता बनाए रखते हुए नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया। बाल कल्याण समिति मंडला के अध्यक्ष और सदस्य तथा महिला बाल विकास विभाग के सरंक्षण अधिकारी रितेश वघेल ने सपोर्ट पर्सन को आवंटित किए गए पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन के द्वारा संपादित किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश जारी किया।

मौत के साये में शहडोल: प्रशासन का हंटर चला

शहडोल। शहर की घनी बस्तियों और व्यस्त बाजारों में खड़े जर्जर भवन अब किसी बड़े हादसे का निमंत्रण दे रहे हैं। प्रशासन की नींद आखिरकार टूटी है और यमदूत बने इन खंडहरों पर नगर पालिका ने सर्जिकल स्ट्राइक शुरू कर दी है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के तीखे तेवरों के बाद नगर पालिका परिषद ने शहर के अलग-अलग वार्डों में मौत का ठिकाना बने 53 जर्जर भवनों को चिन्हित कर उनके स्वामियों को अंतिम नोटिस थमा दिया है। साफ संदेश है या तो मरम्मत कराओ, या खुद ढहा दो, वरना प्रशासन का बुलडोजर चलेगा और वसूली भी आप ही से होगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने जब शहर की गलियों को खंगाला, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कुल 53 ऐसी इमारतें मिलीं जो कभी भी ताश के पत्तों की तरह ढह सकती हैं। भारी बारिश में इन भवनों के धराशायी होने और जन-धन की भारी तबाही की आशंका को देखते हुए नगर पालिका ने कमर कस ली है। नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर यदि भवन स्वामी ने खुद ध्वस्तीकरण या पुख्ता मरम्मत नहीं की, तो प्रशासन बिना किसी सूचना के हथौड़ा चलाएगा। नगर पालिका का रुख इस बार बेहद आक्रामक है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि नगर पालिका को इन अवैध और खतरनाक ढांचों को गिराने के लिए संसाधन झोंकने पड़े, तो उसका पूरा हर्जाना (ध्वस्तीकरण व्यय) संबंधित भवन स्वामी की संपत्ति कुर्क कर वसूला जाएगा। लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है। सार्वजनिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले रसूखदारों को भी बख्शने के मूड में विभाग नहीं है।

साले के मासूम का अपहरण, पुलिस ने जंगल की झोपड़ी से छुड़ाया

शहडोल। पति-पत्नी के झगड़े ने एक साल के बेगुनाह मासूम को मौत के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया। अपनी पत्नी को बिछड़ने का दर्द सिखाने की सनक में एक सिरफिरे जीजा ने अपने ही साले के कलेजे के टुकड़े का अपहरण कर लिया। आरोपी जीजा मासूम को लेकर रात के अंधेरे में जंगलों की ओर भाग निकला, जिससे पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया। सनसनीखेज वारदात ब्यौहारी थाने के मैर गांव की है। आरोपी उमेश सिंह अपनी पत्नी के मायके चले जाने और वापस न लौटने से इस कदर बौखलाया कि उसने बदला लेने की खौफनाक साजिश रच डाली। सोमवार रात करीब 9 बजे उमेश अपने साले पूरन के घर पहुंचा। उसने सहजता दिखाते हुए एक साल के मासूम महेंद्र को गोद में लिया और खिलाने के बहाने घर से बाहर निकला। जब घंटों बीत जाने के बाद भी वह नहीं लौटा, तो परिजनों के हाथ-पांव फूल गए। थाना प्रभारी जिया उलहक ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत तीन विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने रातभर जंगलों और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की। आरोपी शातिर तरीके से लोकेशन बदल रहा था, लेकिन साइबर सेल की मदद और मुखबिरों के सटीक जाल ने उसे घेर लिया। सुबह की पहली किरण के साथ ही पुलिस ने भमरहा के घने जंगल में एक लावारिस झोपड़ी को चारों तरफ से घेर लिया। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी उमेश सिंह को दबोच लिया और उसके चंगुल से बिलखते मासूम को आजाद कराया।

38,901 आंगनबाड़ी भवनों में विद्युतीकरण के लिए 80 करोड़ 41 लाख रुपए मंजूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कैबिनेट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तहत मार्गों के नवीनीकरण, कार्यालयों की स्थापना और मरम्मत, आवासों के अनुरक्षण सहित भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी विभिन्न योजनाओं की सोलहवें वित्त आयोग की अवधि एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरन्तरता के लिए लगभग 26 हजार 311 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही एक दर्जन से अधिक मुद्दों को भी मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। कैबिनेट में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए 26 हजार 800 करोड़ रुपए से अधिक की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था के लिए लखुंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और प्रदेश की 38,901 आंगनवाड़ियों के विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में विस्तार के लिए भोपाल और रीवा के चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृतियां भी दी गईं, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचना को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊंचाई प्रदान करेंगी।

कैबिनेट की बैठक में विकास योजनाओं के लिए 26 हजार 800 करोड़ की स्वीकृति

खास बातें

- लोक निर्माण के कार्यों के लिए 26,311 करोड़, आंगनबाड़ी के लिए 490 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में पीजी सीट वृद्धि योजना के तहत 79 करोड़ 16 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

कैबिनेट बैठक।

केंद्रीय सड़क अधोसंरचना के लिए भी राशि

इसके साथ ही केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि संबंधी योजनाओं के लिए 6 हजार 925 करोड़ रुपए, एफ-टाईप से उच्च श्रेणी के शासकीय आवास एवं गैर आवासीय भवनों का अनुरक्षण का कार्य संबंधी योजना के लिए 1 हजार 680 करोड़ रुपए और भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह मुख्यालय कार्यालय स्थापना, मण्डल कार्यालय स्थापना, अनुरक्षण, मरम्मत-संधारण और संभागीय कार्यालय स्थापना संबंधी योजनाओं के लिए 6,180 करोड़ 57 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। भारतीय सड़क कांग्रेस को अनुदान और डिक्रीधन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 50 लाख रुपए और मुख्य जिला मार्गों, जिला मार्ग तथा अन्य जिला मार्गों के नवीनीकरण संबंधी योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के विस्तार के लिए राशि दी

प्रदेश में गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा शिक्षा के विस्तार तथा दूरस्थ अंचलों में तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीजी सीट वृद्धि योजना के तहत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के लिए रेडियोथैरिपी विभाग की ओपीडी, लीनियक मशीन बंकर, बोनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट और कैथलैब का निर्माण कार्य के लिए 14 करोड़ 8 लाख की कार्योत्तर स्वीकृति के साथ 79 करोड़ 16 लाख की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा के तहत सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के विस्तार के तहत निर्माण कार्य के लिए 164 करोड़ 49 लाख के स्थान पर 174 करोड़ 80 लाख रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

प्रदेश की समस्त विभागीय योजनाओं का बेहतर तरीके से संचालन होगा

महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत विद्युतविहीन आंगनबाड़ी भवनों में विद्युत व्यवस्था के तहत 38 हजार 901 आंगनबाड़ी भवनों में बाहय विद्युतीकरण संबंधी योजना की 16 वें वित्त आयोग की निर्धारित अवधि (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) की स्वीकृति एवं निरंतरता के लिए 80 करोड़ 41 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इस अनुसार प्रदेश में संचालित कुल 97,882 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से विद्युत व्यवस्थाविहीन 38,901 विभागीय आंगनवाड़ी भवनों में विदयुत व्यवस्था करवाई जाएगी। आंगनबाड़ी भवनों में बाहय विद्युतीकरण होने पर ट्यूबलाईट, बल्ब, पंखा, कूलर, स्मार्ट टीवी,वॉटर प्यूरीफायर इत्यादि के समुचित उपयोग होगा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की समस्त विभागीय योजनाओं का बेहतर तरीके से संचालन होगा।

बदरवास में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किया अदाणी विकास केंद्र का शुभारंभ

बदरवास। मप्र में अब स्थायी आय की तलाश कर रही महिलाओं को कमाई और आत्मनिर्भर बनने की नई राह मिलेगी। इसी दिशा में, अदाणी समूह की सामाजिक सेवा और विकास इकाई, अदाणी फाउंडेशन ने शिवपुरी जिले के बदरवास में अदाणी विकास केंद्र शुरू किया है, जिससे महिलाओं के लिए घर के पास ही व्यवस्थित रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इस केंद्र का उद्घाटन संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) के केंद्रीय मंत्री और गुना लोकसभा क्षेत्र से सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों की 5,000 से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस मौके सिंधिया ने कहा, बदरवास में जो हम देख रहे हैं, वह सपनों को साकार होते देखने की ताकत है, फाउंडेशन के चेयरमैन गौतम अदाणी और अदाणी फाउंडेशन को बधाई देता हूं कि उन्होंने ऐसा मंच बनाया है, जहां कौशल वैश्विक बाजारों तक पहुंच सकता है। सीईओ डॉ. अभिषेक लख्ताकिया ने कहा, चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अदाणी के इस विश्वास से प्रेरित होकर कि महिलाओं का सशक्तिकरण सम्मानजनक आय से शुरू होता है, स्वाभिमान कार्यक्रम कौशल को स्थायी आय में बदलने पर काम करता है।

जम्बूरी मैदान में भव्य एवं ऐतिहासिक सामाजिक-सांस्कृतिक सम्मेलन का आयोजन

राजा हिरदेशाह लोधी शौर्य यात्रा में दिखी सामाजिक-सांस्कृतिक 'कुंभ' की झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

क्रांतिकारियों के सम्मान में जुटे हजारों लोग, अपने पूर्वजों के बलिदान को नमन किया

पूर्व सीएम उमा बोलीं, बराबरी सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव से आएगी

पूर्व मुख्यमंत्री उमा बोलीं- कोई माई का लाल नहीं छीन सकता आरक्षण

राजधानी भोपाल के जम्बूरी मैदान में भव्य एवं ऐतिहासिक सामाजिक-सांस्कृतिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह अवसर था अंग्रेजों के विरुद्ध हुए प्रथम सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम 1842 बुंदेला विद्रोह के महानायक वीर राजा हिरदेशाह लोधी एवं अन्य क्रांतिकारियों की स्मृति में आयोजित शौर्य यात्रा का। कार्यक्रम में प्रदेशभर सहित विभिन्न राज्यों से हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और अपने पूर्वजों के बलिदान को नमन किया।

जम्बूरी मैदान में आयोजित सम्मेलन।

वहीं आयोजन के दौरान जम्बूरी मैदान में पूर्व सीएम उमा भारती ने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने शौर्य यात्रा के दौरान कहा कि देश में सामाजिक बराबरी के लिए आरक्षण जरूरी है। उमा ने कहा- कि जब तक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस के परिवार के लोग एक साथ सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगे, तब तक आरक्षण कोई माई का लाल नहीं छीन सकता। उमा ने कहा कि भारतीय समाज लंबे समय तक जातिगत आधार पर बंटा रहा और आर्थिक असमानताएं गहरी रहीं। ऐसे में आरक्षण उस विषमता को कम करने का एक बड़ा प्रयास है। बराबरी सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव से आएगी। तो वहीं आयोजक एवं लोधी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जालम सिंह पटेल ने कहा कि जैसे महाभारत में अभिमन्यु को घेरकर वीरगति दी गई थी, उसी प्रकार राजा हिरदेशाह लोधी को भी घेरकर शहीद किया गया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया।इस मौके पर मंत्री धर्मेंद्र लोधी, मंत्री विजय शाह, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक राजकुमार कराड़े, विधायक नीरज सिंह ठाकुर, विधायक अनुभा मुंजारे, विधायक रामसिया भारती, विधायक वीरेंद्र सिंह लंबरदार, विधायक प्रहलाद लोधी, विधायक महेंद्र नागेश, विधायक प्रेम शंकर वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयोजन राजनीति से परे समाज के संस्कार और एकता का प्रतीक

इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद जिस प्रकार हजारों लोग अपने पूर्वजों के सम्मान में एकत्रित हुए हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजनीति से परे समाज के संस्कार, साहस और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज को शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान बनना भी आवश्यक है, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। मंत्री पटेल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके आह्वान पर देशभर में गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को पहचान दिलाने का कार्य तेज हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुःखद है कि 1842 के अनेक बलिदानियों के वंशज आजादी के 75 वर्ष बाद भी भूमिहीन हैं। इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

कम से कम एक लोधी मुख्यमंत्री होना चाहिए

पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने कहा कि जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है। मैं जब जवानी देखने निकलता हूं तो आज की जवानी ताश के पत्तों में मिलती है। शराब की दुकान में मिलती है। हम जब जवान हुआ करते थे, तब हमारे समाज के दो-दो मुख्यमंत्री हुआ करते थे। आज जीरो हैं। भारत में कम से कम एक लोधी तो मुख्यमंत्री होना चाहिए।

जैव-विविधता को समृद्ध बनाने की जारी है पहल

मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले के सूपखार में किया जंगली भैंसा पुनर्स्थापन योजना का शुभारंभ

जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विस्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

स्थानीय स्तर पर बढ़ेगा टूरिज्म और लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुभारंभ कर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंसा का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मप्र के वन्य-जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंसा के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इको सिस्टम को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्य-जीवों को मप्र में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म से लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मप्र वन्य-प्राणी संरक्षण देश में एक मिसाल

डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्यप्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मप्र अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है।

जंगली भैंसों का असम से मप्र का सफर

अन्तर्राजीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया। 25 अप्रैल को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।

कार वॉश सेंटर की आड़ में चला रहा था गोरखधंधा

सूखे नशे के अवैध कारोबार का पर्दाफाश, सरगना गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

सूखे नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। करीब एक माह से फरार चल रहे मुख्य आरोपी आकाश ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी आकाश ठाकुर कारवॉश सेंटर की आड़ में सूखे नशे का अवैध कारोबार संचालित कर रहा था।

पूर्व में की गई कार्रवाई के दौरान उक्त कारवॉश सेंटर से गोली, कैप्सूल और थिनर जैसी नशीली सामग्री बरामद की गई थी। इस मामले में उसके सहयोगी धर्मेन्द्र कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस टीम ने दबिश देकर मुख्य आरोपी को जिला दंतेवाड़ा से धर दबोचा। पुलिस अब आरोपी के अन्य सहयोगियों और पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी हुई है।

जारी रहेगी सूखे नशे के खिलाफ कार्रवाई

बीजापुर पुलिस द्वारा पिछले कुछ महीनों से सूखे नशे के विरुद्ध लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत कई लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। बीजापुर पुलिस का यह अभियान नशा मुक्त समाज की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

टीम पर साइबर अपराध के तीन आरोपियों से रिश्वत लेने का आरोप

गुवाहाटी पुलिस ने छग पुलिस की चार सदस्यीय टीम को हिरासत में लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गुवाहाटी पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस की चार सदस्यीय टीम को हिरासत में लिया है। जिस पर साइबर अपराध के तीन आरोपियों से रिश्वत लेने का आरोप है। साइबर अपराध के तीन आरोपियों को असम से गिरफ्तार किया गया था। छत्तीसगढ़ पुलिस की इस टीम में एक निरीक्षक सहित चार कर्मी शामिल हैं।

पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि दिसपुर थाने में रायपुर पुलिस के चार कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उन्हें पूछताछ के लिए मंगलवार रात हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा, रायपुर पुलिस की टीम छत्तीसगढ़ में हुए एक साइबर अपराध के सिलसिले में रविवार को गुवाहाटी पहुंची। उसने बिहार से एक आरोपी को गिरफ्तार किया और बिहार निवासी तीन अन्य आरोपियों को सोमवार को गुवाहाटी से पकड़ा।

मामले में चार प्रमुख बिंदु

हिरासत में छत्तीसगढ़ पुलिस की चार सदस्यीय टीम। गुवाहाटी पुलिस ने साइबर अपराध में की कार्रवाई। दो आरोपियों से रिश्वत लेने का आरोप। एक आरोपी को पैसे लाने तक हवालत में रखा गया जमानती धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई और शुरुआती पूछताछ के बाद टीम को नोटिस देकर थाने से जाने की अनुमति दी गई। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने उन्हें नोटिस जारी किया और अग्रिम कार्रवाई के लिए उन्हें आज फिर पेश होने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ के साइबर अपराध मामले में एकमात्र आरोपी को ह्यपीआर बॉन्ड के तहत रिहा कर दिया गया है। पीआर बॉन्ड यानी व्यक्तिगत जमानत आरोपी की अस्थायी रिहाई का एक तरीका है। रकम के भुगतान तक हिरासत में रखा अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की टीम ने कथित तौर पर रिश्वत लेकर दो आरोपियों को रिहा कर दिया और तीसरे को मांगी गई रकम के भुगतान तक हिरासत में रखा।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के जोगीनगर क्षेत्र का मामला

युवक की हत्या मामले में दो नाबालिग समेत चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग आरोपियों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने चाकू से हमला कर युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल भी जब्त की है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के जोगीनगर बस्ती का है, जहां रविवार देर रात क्रिकेट खेल रहे युवकों के बीच पुरानी रंजिश खूनी वारदात में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, कुश बाघ अपने साथियों के साथ मौजूद था, तभी आरोपी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और विवाद के बाद मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान चाकू से हमला कर कुश बाघ की गर्दन पर गंभीर वार किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य युवक को भी चाकू मारकर घायल कर दिया गया।

घटना में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल बरामद

पूछताछ में आरोपियों ने वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल चाकू और मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में धीरज बाघ उर्फ स्माटी (19) और राहुल गौंधरे (20) शामिल हैं, जबकि दो नाबालिगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश मुख्य वजह रही है, जिसकी विस्तृत जांच जारी है।

दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में लड़कों की तुलना में लड़कियों ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ बोर्ड ने जारी किए दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं के परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ बोर्ड ने 10वीं-12वीं के नतीजे घोषित कर दिए हैं। 10वीं में 77.15% तो इंटर में 83.04 फीसदी बच्चे पास हुए हैं। दोनों कक्षाओं में लड़कियों का पास प्रतिशत लड़कों की तुलना में बेहतर रहा। माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजीबीएसई), रायपुर ने आज कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस बार परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा। वहीं, छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों की तुलना में काफी अच्छा रहा।

10वीं की परीक्षा में कुल 77.15% बच्चे उत्तीर्ण

छत्तीसगढ़ बोर्ड 10वीं रिजल्ट 2026 में कुल 77.15% छात्र पास हुए हैं। पिछली बार से 5 प्रतिशत अधिक रिजल्ट रहा। इस बार लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा और उनका पास प्रतिशत 81% रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 72% दर्ज किया गया।

12वीं में 83.04% विद्यार्थी पास हुए

इंटरमीडिएट रिजल्ट 2026 में कुल 83.04% छात्र पास हुए हैं। इसमें भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया और उनका पास प्रतिशत 86.4% रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 78.8% दर्ज किया गया।

5.66 लाख विद्यार्थियों ने दिए एग्जाम

छत्तीसगढ़ बोर्ड 10वीं और 12वीं परीक्षा 2026 में कुल 5,66,320 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है। इसमें 10वीं कक्षा में 3,20,535 छात्रों ने परीक्षा दी, जबकि 12वीं कक्षा में 2,45,785 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

10वीं में तीन टॉपर, 12वीं में जिज्ञासु अव्वल

10वीं रिजल्ट 2026 में इस बार तीन विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से टॉप किया है। संध्या नायक, परी रानी प्रधान और अंशुल शर्मा ने 594 अंक (99.00%) हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं दूसरे स्थान पर पांच छात्राएं रहीं, जिनमें रिया केशवानी, रानु सिद्धमयी साहू, रेणुका प्रधान, दीपांशी बौद्ध और नंदिता देवगन शामिल हैं, जिन्होंने 593 अंक (98.83%) प्राप्त किए हैं। 12वीं में जिज्ञासु वर्मा ने 98.60% अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे स्थान पर 98.20% अंकों के साथ ओमनी रहीं। वहीं, कृष महंत ने 97.80% प्राप्तांकों के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान पाया।

उपभोक्ता कीमत और मात्रा को लेकर भ्रमित हो रहें

उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रहे खाद्य तेलों के गैर-मानक पैक

एजेंसी ▶▶| इंदौर

प्रसंस्करणकर्ताओं के इंदौर स्थित संगठन सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) ने खाद्य तेलों की पैकेजिंग में इस्तेमाल किए जा रहे गैर-मानक पैक आकारों को उपभोक्ताओं के लिए भ्रामक बताते हुए केंद्र सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। संगठन ने कहा कि कई कंपनियां खाद्य तेलों के ऐसे पैक आकार बाजार में उतार रही हैं जिनसे उपभोक्ता कीमत और मात्रा को लेकर भ्रमित हो रहे हैं। सोपा के कार्यकारी निदेशक डीएन पाठक ने बुधवार को बताया कि संगठन ने इस संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव को पत्र लिखा है।

पैक के बीच मात्रा का अंतर 25 या 50 ग्राम

सोपा के अनुसार इनमें कई पैक आकार में लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं लेकिन उनमें मात्रा अलग-अलग होती है और कई पैक के बीच मात्रा का अंतर केवल 25 या 50 ग्राम का है। पत्र में कहा गया,/" यह उपभोक्ताओं को भ्रमित करने का स्पष्ट उदाहरण है। बाजार में इस तरह के मामले व्यापक रूप से मौजूद हैं और बिना किसी अपवाद के सामान्य उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं।

सोपा ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

मानकीकरण नहीं होने से नियमों का पालन नहीं : सोपा ने कहा कि मानकीकरण नहीं होने की स्थिति में नियमों का पालन करने वाली कंपनियां भी प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए गैर-मानक पैक आकार में उत्पाद बेचने को मजबूर हो रही हैं। संगठन ने अपने पत्र के साथ एक खाद्य तेल ब्रांड का विज्ञापन भी संलग्न किया है जिसमें 19 अलग-अलग पैक आकारों में तेल बेचे जाने का उल्लेख किया गया है।

मूल्य पैसे में व दशमलव में लिखा जाता है

सामान्य खुदरा उपभोक्ता प्रति मिलीलीटर या प्रति ग्राम कीमत की गणना करके उसे एक लीटर या एक किलोग्राम की सामान्य इकाई में नहीं बदलता, खासकर तब जब प्रति इकाई मूल्य पैसे में और दशमलव के साथ लिखा जाता है जैसे 24.72 पैसे प्रति मिलीलीटर।/"

दिखने में दोनों पाउच समान

पत्र में उपभोक्ताओं के भ्रम की स्थिति का उदाहरण देते हुए कहा गया,/" किसी उपभोक्ता को अक्सर दिखने में लगभग समान दो पाउच बताए जाते हैं जिनमें से एक में 880 मिलीलीटर और दूसरे में 910 मिलीलीटर तेल होता है। 880 मिलीलीटर वाला पाउच कीमत में सस्ता दिखता है जिससे उपभोक्ता उसे बेहतर सौदा समझकर चुन लेता है जबकि प्रति लीटर मूल्य के मान से उसकी वास्तविक कीमत अधिक होती है।/"

पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य की जानकारी देना हो अनिवार्य

पत्र में कहा गया कि खाद्य तेल उद्योग की पांच राष्ट्रीय संस्थाओं ने पहले भी संयुक्त रूप से इस विषय पर प्रस्तुतीकरण देकर उपभोक्ताओं के हित में खाद्य तेलों की पैकेजिंग मात्रा के मानकीकरण की सिफारिश की थी। पत्र में कहा गया, सरकार ने अच्छी मंशा के साथ खाद्य तेलों की पैकेजिंग में मानक मात्रा संबंधी प्रतिबंध हटाए थे और पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य की जानकारी देना अनिवार्य किया था।

प्रति इकाई मूल्य घोषित होने पर मानकीकरण की जरूरत नहीं

सोपा ने उन दलीलों को भी खारिज किया जिनमें कहा जाता है कि पैकेट पर प्रति इकाई मूल्य घोषित होने के बाद पैकेजिंग के मानकीकरण की जरूरत नहीं रह जाती और किसी भी आकार का पैक उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी होता है। संगठन ने कहा, /" यह तर्क निराधार है।

खबर संक्षेप

वेदांता के शुद्ध लाभ में 89 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 89 प्रतिशत उछलकर 9,352 करोड़ रुपये हो गया। बिक्री मात्रा में वृद्धि और रुपये की कमजोरी से यह लाभ बढ़ा है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,961 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

डालमिया भारत के लाभ में 10 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। सीमेंट बनाने वाली कंपनी डालमिया भारत लि. का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 10.25 प्रतिशत घटकर 394 करोड़ रुपये रहा। डालमिया भारत ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने इससे एक साल पहले 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 439 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफ़ा अर्जित किया था।

पंजाब एंड सिंध बैंक की शेयर बेचने की योजना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने बाजार नियामक सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करने के लिए निजी नियोजन के आधार पर शेयर बिक्री के जरिए 3,000 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है। सेबी के नियमों के अनुसार सूचीबद्ध संस्थाओं में कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता होना अनिवार्य है।

इंडियन बैंक के मुनाफे में पांच फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 3,103 करोड़ रुपये रहा। एनपीए यानी फंसे कर्ज में कमी से बैंक के मुनाफे में यह बढ़ोतरी हुई। चेन्नई मुख्यालय वाले इस बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,956 करोड़ रुपये रहा था।

रुपया 14 पैसे टूटकर 94.82 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 14 पैसे टूटकर 94.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह अब तक के अपने सबसे निचले स्तर के करीब है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से रुपये पर दबाव बना हुआ है। कच्चा तेल लगभग 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया में जारी संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने जारी की रिपोर्ट

तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 14 रुपए, डीजल पर 18 रुपए प्रति लीटर का नुकसान: रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आने के बावजूद पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा कीमतें स्थिर रहने से तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री पर क्रमशः 14 रुपये एवं 18 रुपये प्रति लीटर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि यदि कच्चे तेल की कीमत 120-125 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बनी रहती है, तो पेट्रोलियम कंपनियों का विपणन मार्जिन आगे भी नकारात्मक बना रहेगा, जिससे कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हो रही है। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, /"कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद वाहन ईंधन की कीमतों में स्थिरता से पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफा कमाने की क्षमता पर असर पड़ रहा है।/"

एलपीजी पर भी भारी नुकसान होने की आशंका

रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल-डीजल के अलावा रसोई गैस (एलपीजी) पर भी भारी 'अंडर-रिकवरी' यानी नुकसान होने की आशंका है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में करीब 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं, इस अवधि में उर्वरक सब्सिडी बढ़कर 2.05 लाख करोड़ से 2.25 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच जाने का अनुमान है, जो 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से काफी अधिक है।

- कारण, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल
- कच्चे तेल की कीमत 120 से 125 डॉलर प्रति बैरल के बीच
- स्थिर कीमतों से कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हो रही

रिफाइरी व विपणन कंपनियों पर दबाव बढ़ा : इक्रा ने कहा कि करीब 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति वाले समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधाओं के कारण ईंधन, उर्वरक और रसायनों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे कीमतों में वृद्धि और तेल रिफाइनरी और विपणन कंपनियों पर लागत दबाव बढ़ा है।

कंपनियां लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पा रही

रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा और कच्चे माल की अधिक लागत का असर तेल विपणन, उर्वरक, रसायन और शहरी गैस वितरण क्षेत्रों की लाभप्रदता पर पड़ेगा, क्योंकि कंपनियां लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पा रही हैं। इक्रा ने कच्चे तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के लिए परिदृश्य 'स्थिर' रखा है, लेकिन ईंधन खुदरा बिक्री, उर्वरक, बेसिक केमिकल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के लिए 'नकारात्मक' दृष्टिकोण जताया है।

क्रूड ऑयल 115 डॉलर के पार

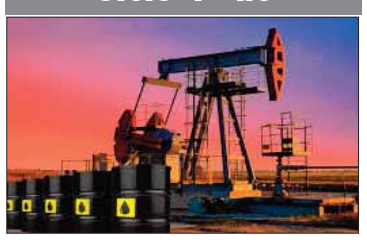

अमेरिका से युद्ध के बीच ईरान की ओर से तेल आपूर्ति के ब्लॉकेज की खबरों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में खलबली मचा दी है, जिसके चलते कच्चे तेल की कीमतें अचानक उछलकर 115 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते इस भू-राजनीतिक तनाव ने न केवल सप्लाई चेन के टूटने का डर पैदा कर दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने महंगाई का नया संकट भी खड़ा कर दिया है। भारत जैसे देशों के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करते हैं, यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि कच्चे तेल के दाम बढ़ने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों और परिवहन लागत में भारी बढ़ोत्तरी की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्धि दर घटने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- ईवाई इंडिया ने करीब छह प्रतिशत रहने का अनुमान जताया
- नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें अधिक रहने की स्थिति में चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत रह सकती है, जबकि खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर छह प्रतिशत तक पहुंच सकती है। ईवाई इंडिया ने बुधवार को यह आकलन जारी किया।

परामर्श कंपनी ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने कहा कि यदि भारतीय कच्चे तेल 'बास्केट' की औसत कीमत वित्त वर्ष 2026-27 में 120 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो वास्तविक जीडीपी वृद्धि करीब छह प्रतिशत और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत तक बढ़ सकती है। श्रीवास्तव ने कहा, /"राजकोषीय घाटे पर दबाव कम करने के लिए बढ़ी ऊर्जा कीमतों का असर अपेक्षाकृत अधिक हद तक उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होगा।/" ईवाई की इकॉनमी वॉच रिपोर्ट के मुताबिक, नीतिगत हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित है, लेकिन हालात को देखते हुए रेपो दर में बढ़ोतरी और कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में तेजी से विविधीकरण पर विचार किया जाना चाहिए।

श्रीवास्तव ने पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचने की आशंका जताते हुए कहा कि इसका हल निकल जाने पर भी कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति के सामान्य होने में खासा समय लग सकता है।

वैश्विक संस्थाओं का अनुमान अधिक आशावादी

हालांकि, संकट की दिशा बदलने पर कीमतों में नरमी भी आ सकती है। वैसे, भारत के लिए विभिन्न वैश्विक संस्थानों के अनुमान इससे कुछ अधिक आशावादी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जबकि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक ने क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत का अनुमान जताया है।

शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी, सेंसेक्स 609 अंक उछला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- एफएमसीजी, वाहन और दूरसंचार शेयरों में खरीदारी
- निफ्टी में भी 182 अंक की तेजी रही

एशियाई बाजारों में मजबूती और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, वाहन एवं दूरसंचार शेयरों में लिवाली के बीच बुधवार को घरेलू बाजार चढ़कर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि एनएसई निफ्टी में 182 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 609.45 अंक उछलकर 77,496.36 अंक अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,095.6 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी 181.95 अंक यानी 0.76 प्रतिशत बढ़कर 24,177.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी लिमिटेड, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर चढ़कर बंद हुए। दूसरी तरफ, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में गिरावट देखी गई। प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी का शेयर सकारात्मक नतीजों के बाद 2.82 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

तेजी के पीछे कंपनियों के परीणाम

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, /"बाजार में तेजी के पीछे तिमाही नतीजों से जुड़ी उम्मीद और चुनिंदा प्रमुख कंपनियों में खरीदारी प्रमुख कारण रहे। हालांकि कच्चे तेल के दाम 110 डॉलर प्रति बैरल के पार चले जाने से तेजी पर लगाम रही।/"

जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ दूसरी छमाही तक टलना संभव: क्रेडिटसाइट

- पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण टलना संभव
- पहले बाजार में मई में आने की संभावना व्यक्त की गई थी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रस्तावित आईपीओ पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही तक टल सकता है। क्रेडिटसाइट्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजों पर टिप्पणी में कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रबंधन ने वित्तीय नतीजे पर चर्चा के दौरान जियो के आईपीओ को 'बेहद करीब' बताया था। पहले बाजार में ऐसी चर्चा थी कि यह आईपीओ मई में आ सकता है, जिसमें रिलायंस अपनी करीब 67 प्रतिशत हिस्सेदारी में से 2.5-तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचकर लगभग चार अरब डॉलर (करीब 37,500 करोड़ रुपये) जुटा सकती है। हालांकि क्रेडिटसाइट का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते बाजार की परिस्थितियां प्रभावित हो सकती हैं, जिससे आईपीओ की समय-सीमा आगे खिसक सकती है। जियो की सूचीबद्धता से इकट्ठा होने वाली पूंजी का उपयोग कर्ज घटाने और पूंजीगत व्यय में किया जाएगा, जिससे कंपनी की प्रतिस्पर्धी क्षमता भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के मुकाबले मजबूत हो सकती है।

निवेश पेट्रोरसायन विस्तार पर होगा केंद्रित : रिलायंस ने वित्त वर्ष 2025-26 में 10 प्रतिशत राजस्व वृद्धि और कर-पूर्व आय में आठ प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है, जिसमें खुदरा और दूरसंचार कारोबार की अहम भूमिका रही। क्रेडिटसाइट्स ने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 में रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूंजीगत व्यय बढ़कर 1.5-1.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो पिछले वर्ष के 1.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

महिंद्रा लाइफस्पेस की बिक्री बुकिंग 21 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड की बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2025-26 में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,405 करोड़ रुपये हो गई। आवासीय परियोजनाओं की मजबूत मांग इसकी प्रमुख वजह रही। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की बिक्री बुकिंग (प्री-सेल्स) 2,804 करोड़ रुपये थी। कंपनी के आवासीय कारोबार में ग्राहकों से प्राप्त धनराशि 2025-26 में बढ़कर 2,107 करोड़ रुपये हो गई जबकि 2024-25 में यह 1,831 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 90.12 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 85.09 करोड़ रुपये था।

सोना 1,500 रुपए टूटा, चांदी में मामूली बढ़त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना गिरावट के साथ 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी 500 रुपए बढ़कर 2,44,000 प्रति किलो

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमत में 1,500 रुपये की गिरावट आई और यह 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट मुनाफावसूली के कारण हुई, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर के बारे में फैसले से पहले कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, हालांकि, चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त दर्ज की गई। यह 500 रुपये बढ़कर 2,44,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। मंगलवार को यह 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी।

सर्राफा संघ के अनुसार 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपये यानी एक प्रतिशत गिरकर 1,52,800 रुपये (सभी करों सहित) प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमत 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। सर्राफा कारोबारियों ने पश्चिम एशिया में तनाव के कारण ऊर्जा की बढ़ती लागत पर गौर किया।

ईरान की मुद्रा रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

तेहरान। ईरान की राष्ट्रीय मुद्रा रियाल बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लुढ़क कर 18 लाख प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष के बाद लागू युद्धविराम अभी भी बना हुआ है। 28 फरवरी से शुरू युद्ध के दौरान रियाल कई हफ्तों तक अपेक्षाकृत स्थिर रहा, क्योंकि देश में कारोबार और आयात गतिविधियां काफी सीमित थीं। हालांकि, दो दिन पहले रियाल में गिरावट शुरू हुई और बुधवार को यह रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रियाल में यह गिरावट महंगाई को और बढ़ा सकती है, क्योंकि खाद्य पदार्थों, दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल जैसे कई आयातित उत्पाद डॉलर की दर से प्रभावित होते हैं।

विश्व स्वर्ण परिषद ने जारी की रिपोर्ट

बढ़ोतरी की वजह कीमतों में तेज उछाल

देश में सोने की मांग 10 फीसदी बढ़कर 151 टन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

देश में इस वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन रही। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच निवेश मांग में आई मजबूत वृद्धि है। अब सोने की मांग का रुझान बदलता हुआ दिख रहा है, जहां आभूषण के बजाए निवेश के लिए खरीद तेजी से बढ़ रही है। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि तिमाही के दौरान सोने की छड़ों, सिक्कों और ईटीएफ के जरिए निवेश मांग 54 प्रतिशत बढ़कर 82 टन हो गई। इस बढ़ोतरी ने आभूषण मांग में आई गिरावट की काफी हद तक भरपाई कर दी।

वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मांग 137 टन थी

हाल के महीनों में सोने की बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित किया है। डब्ल्यूजीसी की 2026 की पहली तिमाही में स्वर्ण मांग रुख शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में देश की कुल सोने की मांग 137 टन थी। मूल्य के लिहाज से, 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही में मांग लगभग दोगुनी होकर सालाना आधार पर 99 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,27,500 करोड़ रुपये (25 अरब डॉलर) तक पहुंच गई।

भारत का बाजार कीमतों व प्राथमिकताओं से प्रभावित डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत) सचिन जैन ने कहा, /"2026 की पहली तिमाही में भारत का सोना बाजार मात्रा के रुझान और मूल्य वृद्धि के बीच अंतर को दर्शाता है, जो रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रभावित है।

पूरे वर्ष 650 से 750 टन रहने का अनुमान

तिमाही के दौरान आभूषण मांग पर दबाव रहा और यह सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 66 टन रह गई। ऊंची कीमतों का असर खासकर कीमत के प्रति संवेदनशील वर्गों में खपत पर पड़ा है। डब्ल्यूजीसी ने पूरे वर्ष के लिए सोने की मांग 650-750 टन के बीच रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले साल यह 712 टन थी।

मूल्य के लिहाज से मांग दोगुनी

कुल मांग 151 टन रही, जो 2025 की पहली तिमाही की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है, जबकि मूल्य के लिहाज से मांग लगभग दोगुनी होकर 99,900 करोड़ रुपये हो गई, जो सालाना आधार पर 99 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।/"

घरेलू सोने की कीमत 81 फीसदी बढ़ी

घरेलू सोने की कीमत (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर) 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर औसतन 1,51,108 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 83,375 रुपये थी। सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग 34 प्रतिशत बढ़कर 62 टन हो गई, जो 2013 के बाद पहली तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है।

बागमाने प्राइम ऑफिस रीट के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। ब्लैकस्टोन समर्थित बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी रीट ने 3,405 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 95 से 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।

बेंगलुरु स्थित इस रीट (रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट) का सार्वजनिक निर्गम पांच मई को खुलेगा और सात मई को बंद होगा जबकि बड़े (एंकर) निवेशक चार मई को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 2,390 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 1,015 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। आईपीओ के लिए 95 से 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।

बंगाल के दूसरे चरण के मतदान कई इलाकों में हुई हिंसा

केंद्रीय बलों ने किया भाजपा के इशारे पर काम : ममता

आरोप बेबुनियाद, ममता को हार का हुआ एहसास : सुवेंदु

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण के तहत बुधवार को 142 सीटों पर मतदान भारी घमासान के बीच हुआ। कई इलाकों से हिंसा और चुनावी धांधली की खबरें आईं। भवानीपुर में सीएम ममता बनर्जी और भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के बीच सीधा मुकाबला है, यहां भी टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हुई। सीएम ममता ने जहां केंद्रीय बलों पर भाजपा के इशारे में काम करने व चुनाव में धांधली का आरोप लगाया, वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। बता दें, 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान हुआ था, मतगणना चार मई को होगी।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा पर राज्य विधानसभा चुनाव में 'धांधली' करने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय बल तथा चुनाव पर्यवेक्षक भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं।' ममता ने अपने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा करते हुए आरोप लगाया कि इस विधानसभा चुनाव में अधिकारियों द्वारा लोकतांत्रिक मानकों से गंभीर समझौता किया गया है। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र ममता का राजनीतिक गढ़ माना जाता है, जहां उनकी नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी से प्रतिष्ठा की लड़ाई है। इस मुकाबले को नंदीग्राम की लड़ाई की तरह ही देखा जा रहा है, जहां 2021 में अधिकारी ने ममता को हरा दिया था। इधर भाजपा ने ममता के आरोपों को खारिज करते हुए टीएमसी पर ही भ्रम फैलाने व धांधली करने का आरोप लगाया।

ममता का आरोप

ममता ने आरोप लगाया कि पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान तृणमूल कार्यकर्ता और नेताओं पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता 'मरने के लिए तैयार हैं।' ममता ने कहा, 'कई पर्यवेक्षक बाहर से आए हैं और भाजपा के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। लोगों को मतदान करना है - क्या इस तरह मतदान हो सकता है?' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सभी पार्टी झंडे पहले ही हटा दिए गए और बाहरी लोग मतदान प्रक्रिया में दखल दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे वार्ड नंबर 70 के पार्षद को बाहर निकलने नहीं दे रहे हैं। वे हमारे सभी कार्यकर्ताओं को पकड़ रहे हैं। अभिषेक और मैं पूरी रात जागते रहे।'

महिलाओं-बच्चों पर लाठीचार्ज

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान दक्षिण 24 परगना जिले में एक मतदान केंद्र के पास केंद्रीय सुरक्षा बलों ने महिलाओं और एक बच्चे सहित नागरिकों पर लाठीचार्ज किया।

सुवेंदु का आरोप

वहीं भाजपा ने टीएमसी पर ही धांधली का आरोप मढ़ा। नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, टीएमसी के लोगों ने डर व तनाव का माहौल पैदा किया, भाजपा प्रत्याशियों पर हमले किए गए। कई बूथ से हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को कहा कि जो तृणमूल कांग्रेस 'डर और तनाव का माहौल' पैदा करने के लिए जानी जाती है उसके इस तरह के प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दोनों चरणों में लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए बाहर आए और इसमें केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी ने मदद की। राज्य के विभिन्न इलाकों में मौजूदा चरण के दौरान छिटपुट हिंसा की खबरों पर एक सवाल के जवाब में चौधरी ने बहरामपुर में पत्रकारों से कहा कि चुनाव से संबंधित हिंसा की घटनाएं पिछले स्थानीय निकाय चुनाव की तुलना में काफी कम हैं।

आरजी कर पीड़िता की मां का हुआ विरोध

कोलकाता। पानीहाटी सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एक मतदान केंद्र पर जाने के दौरान तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। देवनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ हुई बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने उन्हें बूथ परिसर से बाहर निकलने से रोक दिया। पानीहाटी सीट पर उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष के पुत्र तीर्थंकर घोष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कलातन दासगुप्ता से है।

महिलाओं से लेकर बुजुर्गों ने दिखाया जोश

वोटिंग में उमड़े आम ओ खास

कोलकाता। दूसरे चरण के तहत दक्षिण बंगाल की 142 सीटों पर मतदान हुआ है। कोलकाता, हावड़ा, नादिया, दक्षिण परगना, जैसी कई इलाकों में बड़ी संख्या में आम लोगों सहित वीआईपी ने मतदान किया। ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास से निकलकर मित्रा इंस्टीट्यूशन स्कूल में सुबह 8 बजे के करीब मतदान किया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भबानीपुर के खिदिरपुर इलाके में दो मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद वोटिंग की। टीएमसी के डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने मित्रा इंस्टीट्यूशन में मतदान किया।

हावड़ा

पूर्बा बर्धमान

ममता बनर्जी

शयानी घोष

पूर्बा बर्धमान

हावड़ा

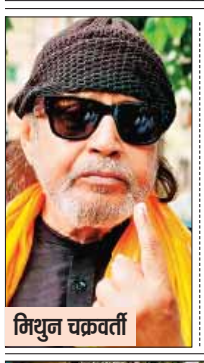
मिथुन चक्रवर्ती

चन्द्रकुमार बोस

रचना बनर्जी

कोलकाता

हुगली

खबर संक्षेप

राजीव की हत्या का दोषी पेरारिवलन बना वकील

नई दिल्ली। पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या मामले का दोषी एजी पेरारिवलन (54) वकील बन गया है। 2022 में सुप्रीम कोर्ट से रिहाई के बाद उसने 27 अप्रैल को तमिलनाडु-पुडुचेरी बार काउंसिल में नामांकन कराया। पेरारिवलन 1991 में 19 साल की उम्र में गिरफ्तार हुआ और 31 साल जेल में रहा। वहीं कानून की पढ़ाई कर 2025 में ऑल इंडिया बार एग्जाम पास किया। अब वह कैदियों को कानूनी सहायता देगा। बता दें कि पेरारिवलन को 1991 में 19 साल की उम्र में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल हुई 9 वोल्ट की बैटरी उपलब्ध कराई थी। इस मामले में वे करीब 31 साल तक जेल में रहे। 18 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था।

केजरीवाल को ईडी की अर्जी पर नया नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को आप चीफ अरविंद केजरीवाल को ईडी की अर्जी पर नया नोटिस जारी किया। ईडी ने एक्साइज पॉलिसी मामले में समन जारी होने के बावजूद एजेंसी के सामने पेश न होने के लिए केजरीवाल के खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि रजिस्ट्री के अनुसार,केजरीवाल को जारी किया गया पिछला नोटिस सर्व नहीं किया गया था। जांच एजेंसी के वकील ने कहा कि केजरीवाल को 1 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनकी तरफ से किसी ने भी पेश होने के लिए एंट्री नहीं दी है। जज ने कहा, 'रजिस्ट्री की रिपोर्ट है कि नोटिस सर्व नहीं किया गया है। नया नोटिस जारी करेंगे।

मेरठ से प्रयागराज अब 6 घंटे में, गंगा एक्सप्रेसवे का आगाज

पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया उद्घाटन

एजेंसी ▶▶| हरदोई/लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को हरदोई के मल्लावां में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा समय को मौजूदा 10–12 घंटे से घटाकर करीब छह घंटे कर देगा। बयान में कहा गया है कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मां गंगा के नाम पर एक्सप्रेसवे का नाम रखना सुखद अनुभूति है। 'अब कुछ ही घंटों में आप प्रयागराज के संगम पहुंच सकते हैं और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करके वापस आ सकते हैं। जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से यूपी और देश की जीवनरेखा रही हैं, वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता यह एक्सप्रेसवे यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।'

उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली 'जीवन रेखा' : योगी

इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी। आदित्यनाथ ने छह-लेन वाले इस एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली 'जीवन रेखा' बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां कम करने में अहम भूमिका निभाएगा।

ईरान चुना गया परमाणु अप्रसार संधि का उपाध्यक्ष अमेरिका ने जताई आपत्ति- यह संगठन का अपमान

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चल रहे एनपीटी के 11वें रिव्यू कॉन्फ्रेंस में लिया गया फैसला

5 साल में एक बार होती है यह कॉन्फ्रेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। इसी बीच एक दिलचस्प खबर सामने आई है। ईरान को परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का उपाध्यक्ष चुना गया है। यह फैसला न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में चल रहे एनपीटी के 11वें रिव्यू कॉन्फ्रेंस में लिया गया। यह कॉन्फ्रेंस 5 साल में एक बार होती है। सम्मेलन के अध्यक्ष और वियतनाम के राजदूत दो हुंग वियेत ने बताया कि ईरान का नाम 'गुटनिरपेक्ष देशों के ग्रुप' की तरफ से आया था। इस ग्रुप में भारत समेत 100 से भी ज्यादा देश हैं। अमेरिका के एक अधिकारी क्रिस्टोफर येओ ने इसे एनपीटी के लिए अपमान बताया। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में उसे इस संगठन का अहम पद देना सही नहीं है।

हमारा जहाज जब्त करना समुद्री डकैती, एक्शन ले संयुक्त राष्ट्र

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में शिकायत की है। तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चिट्ठी में ईरान ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके जहाजों को जब्त करके 'समुद्री डकैती' की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका ने 'मैजेस्टिक' और 'टिफनी' नाम के जहाजों को कब्जे में लिया और लगभग 38 लाख बैरल ईरानी तेल भी जब्त कर लिया। उनके मुताबिक यह कदम गैरकानूनी है और यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दखल देने जैसा है। ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्र से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करती है। इरावानी ने यह भी कहा कि अगर ऐसे कदमों को रोका नहीं गया, तो यह एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिससे पूरी दुनिया में कानून व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से मांग की है कि वह अमेरिका के इस कदम की निंदा करे और इस मुद्दे पर कार्रवाई करे।

अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र पहुंचा ईरान

अगर तनाव बढ़ा तो नए तरीके से देंगे जवाब

ईरान की नौसेना ने अमेरिका को दी हमले की चेतावनी

ईरान की इस्लामिक रिवल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी जारी की है। ईरानी सेना ने धमकी देते हुए कहा कि अगर तनाव और भी बढ़ता तो उसकी सेना नए तरीके से लड़ने के लिए तैयार है। ईरान की सरकारी मीडिया टीवी के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना के राजनीतिक मामलों के उपप्रमुख मोहम्मद अकबरजादेह ने कहा कि अगर अमेरिका कोई नई गलती करता है तो उसकी नौसेना के पास उसके लिए सरप्राइज टैक्टिक्स के लिए तैयार रहें। दरअसल ईरान ने हाल में दावा किया था कि उसने अपने नौसेना को ऐसे आधुनिक हथियारों से लैस किया जिसे अभी तक किसी ने नहीं देखा। मोहम्मद अकबरजादेह ने आगे कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिका का कोई नई सैन्य कार्रवाई किए जाने के हालात में आईआरजीसी नेवी अपने नए टैक्टिक्स का इस्तेमाल करेगी।'ईरानी अधिकारियों ने बार-बार यह दावा किया है कि उनके नौसेना ने आसपास के जलक्षेत्र में विदेशी सैन्य उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपने हार्डवेयर और रणनीतियों का आधुनिकीकरण किया है।

बड़ा बदलाव, भक्तों को मिलेगा स्वयं भोग लगाने का मौका

घर बैठे पाएं महाकाल की कृपा! अब ऑनलाइन दान शुरू

एजेंसी ▶▶| उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर प्रशासन ने दान प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर का अन्नक्षेत्र पूरी तरह दान पर आधारित है। यहां प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। पहले अन्य क्षेत्रों में दान की प्रक्रिया ऑफलाइन होने के कारण कई श्रद्धालु इस सेवा से जुड़ नहीं पाते थे, लेकिन अब इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। अब भक्त मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट http:// www.shrimahakalesh-war.mp,.gov.in के माध्यम से आसानी से दान कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण

यह व्यवस्था थी पहले

पहले श्रद्धालुओं को अन्नक्षेत्र पहुंचकर ही दान करना पड़ता था, लेकिन अब नई ऑनलाइन व्यवस्था के तहत वे पूरे साल में किसी भी तारीख के लिए अग्रिम बुकिंग कर सकेंगे। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य शुभ अवसरों पर भी भोजन प्रसादी का आयोजन कराया जा सकेगा।

प्रतिदिन लगता है विशेष भोग : भगवान महाकालेश्वर को प्रतिदिन सुबह 10 बजे भोग अर्पित किया जाता है, जिसमें गेहूं की रोटी, दाल-चावल और दो प्रकार की सब्जियां शामिल होती हैं। । पहले इसके लिए भक्तों को मंदिर आकर रसीद कटवानी पड़ती थी। कई बार श्रद्धालु अपनी ओर से मिठाई भी अर्पित करते हैं, जिसे भोग में शामिल किया जाता है। भोग अर्पण के बाद ही अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी का वितरण शुरू होता है।

बाबा को भोग लगाने का विशेष अवसर

इस डिजिटल पहल की सबसे बड़ी विशेषता 'भोग' से जुड़ी है। सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि ऑनलाइन दान करने वाले भक्तों को बाबा महाकाल को भोग अर्पित करने का अवसर मिलेगा। दानदाता अपने परिवार के साथ मंदिर आ सकते हैं। मंदिर के कर्मचारी उन्हें बाबा महाकाल के पास लेकर जाएंगे। वहां भक्त अपने हाथों से बाबा को भोग लगा सकेंगे और इस अनूठी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

दान से चलता अन्न क्षेत्र

सिम्मी ने बताया, महाकाल मंदिर का अन्न क्षेत्र पूरी तरह से दानदाताओं के सहयोग से संचालित होता है। यहां प्रतिदिन करीब 8 से 10 हजार श्रद्धालु निशुल्क भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। भोजन व्यवस्था रोजाना दो अलग-अलग शिफ्ट में चलती है। सहायक प्रशासक के अनुसार, अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को मंदिर के सेवा कार्यों से जोड़ने के उद्देश्य से यह नवाचार किया गया है। जो भक्त किन्हीं कारणों से उज्जैन नहीं आ पाते हैं, वे अब घर बैठे ही अपनी श्रद्धा व्यक्त कर सकेंगे। यह डिजिटल माध्यम उनके खास पलों को और भी यादगार बनाएगा।

श्रीलंका एयरपोर्ट की घटना

22 बौद्ध भिक्षु 110 किलो गांजा ले जाते गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका के कोलंबो स्थित भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने इसे एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स जब्ती बताया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे। जांच के दौरान उनके सूटकेसों से पांच-पांच किलो से ज्यादा गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि ड्रग्स को सूटकेस के अंदर खास तरीके से बनाए गए फॉल्स बॉटम में छिपाया गया था। यह कार्रवाई खुफिया सूचना मिलने के बाद की गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जब्त मादक पदार्थों की कीमत 34.5 लाख डॉलर यानी करीब 1.1 अरब श्रीलंकाई रुपये आंकी गई है।

यह पहला मामला

स्थानीय मीडिया का कहना है कि यह पहला मामला है, जब बौद्ध भिक्षुओं को एयरपोर्ट पर अवैध ड्रग्स के साथ पकड़ा गया है। श्रीलंका पुलिस की नारकोटिक्स ब्यूरो इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस तस्करी का संबंध देश के भीतर सक्रिय ड्रग गिरोहों से है। सभी आरोपियों को आगे की सुनवाई और जांच के लिए नेगोम्बो मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हॉरर फिल्म तुम्बाड 2 की रिलीज डेट का ऐलान...

मुंबई। 'तुम्बाड 2' के मेकर्स ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह मच-अवेटेड सीक्वल 3 दिसंबर को रिलीज होगा। 'तुम्बाड' के साथ सोहम शाह ने भारतीय सिनेमा में लोक कथाओं पर आधारित हॉरर फिल्मों के लिए एक अलग जगह बनाई थी और पिछले कुछ सालों में इस फिल्म की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। अब 'तुम्बाड 2' के साथ मेकर्स उस दुनिया को और आगे ले जाने की तैयारी में हैं, जहां फिल्म की कहानी और स्केल को बड़ा बनाया जाएगा, लेकिन साथ ही वही माहौल बरकरार रखा जाएगा जिसने पहली फिल्म को इतना खास बनाया था।

लाइफ Style

कंगना

बॉलीवुड में पूरे किए 20 साल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे होने पर पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने कॅरियर में कई शानदार फिल्म कर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई हैं। इस खास मौके पर उन्होंने उस खास फोटोशूट की तस्वीर शेयर की, जिसने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी थी।

इसी तस्वीर के जरिए उन्हें फिल्मों में पहला मौका मिला और उनका सफर शुरू हुआ। कंगना रनौत ने इस महीने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपने पहले पोर्टफोलियो शूट की एक झलक शेयर की। ये वही तस्वीर थी, जिसने उनके करियर की शुरुआत में अहम भूमिका निभाई थी। दरअसल, इसी पोर्टफोलियो शूट के जरिए उन्हें मोहित सूरी की फिल्म 'गैंगस्टर' में डेब्यू करने का मौका मिला था, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने लिखा, 'आज मैंने फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल पूरे कर लिए हैं। यह मेरा पहला पोर्टफोलियो है, जिसे जतिन कंपानी ने शूट किया था और इसी ने मुझे 'गैंगस्टर' में सिमरन का रोल दिलाया।' तस्वीर में कंगना रनौत ब्लू ड्रेस में स्टूडियो में खड़ी हैं और कैमरे से नजरें हटाकर पोज दे रही हैं, उनके कर्ली बाल पीछे की ओर लहराते दिख रहे हैं। वहीं, कंगना ने स्टोरी पर एक और फोटो शेयर की, जो उनके पहले मैगजीन शूट की थी. इसमे वो ब्लैक ड्रेस पहने हुए पोज दे रही हैं। बता दें, कंगना रनौत ने महज 18 साल की उम्र में गैंगस्टर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अपनी पहली ही फिल्म में कंगना की दमदार अदाकारी को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा था।

हॉलीवुड मसाला

छोटी सी बात बन गई बड़ी कहानी

लॉस एंजिल्स। बीते दिनों एक खबर काफी चर्चा में रही कि एक्ट्रेस एनी हैथवे ने फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' के सेट से पतली मॉडल को हटाने के लिए प्रोडक्शन से बात की थी। हालिया एक इंटरव्यू में एनी हैथवे ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की है। 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' शो में सेट पर हुई उस घटना के बारे में एनी हैथवे से पूछा गया। जिसमें कहा गया है कि फिल्म प्रोडक्शन ने पतली मॉडल्स को सेट से हटा दिया गया था। इस पर एनी हैथवे कहती हैं, 'यह सेट पर बस एक छोटी सी बात थी, अब यह एक बहुत बड़ी कहानी बन गई है।

द डेविल वियर्स प्राडा 2 कल होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। साल 2006 में रिलीज ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' चर्चा में है। 20 साल बाद अब इसका सीक्वल 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का आ रहा है। यह फिल्म 01 मई को रिलीज हो रही है। साल 2026 में रिलीज हुई 'द डेविल वियर्स प्राडा' को भी डेविड फ्रैंकल ने ही डायरेक्ट किया था। एलीन ब्रॉश मैककेना ने ही तब भी स्क्रीनप्ले तैयार किया था। यह लॉरेन वीसबर्गर के 2003 के इसी नाम के बेस्टसेलर उपन्यास पर आधारित है। फिल्म का बेसिक प्लॉट ये है कि कहानी के केंद्र में एंडी सैक्स (ऐनी हैथवे) है, जो एक पत्रकार बनने की चाह रखने वाली लड़की है। उसे एक फैशन मैगजीन में नौकरी मिलती है, लेकिन वहां उसे अपनी सख्त एडिटर मिरांडा प्रीस्टली (मेरिल स्ट्रीप) की मर्जी से काम करना पड़ता है। साल 2006 में रिलीज 'द डेविल वर्यिर्स प्राडा' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त रूप से सफल हुई थी।

डांस डे पर शेयर किया अनोखा वीडियो

मुंबई। शिल्पा शेट्टी अपनी अपकमिंग फिल्म 'केडी- द डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। रिलीज से एक दिन पहले इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'ए' सर्टिफिकेट के साथ मंजूरी मिल गई है। इससे पहले शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो का कैप्शन फैंस का ध्यान खींच रहा है। 29 अप्रैल को डांस डे के मौके पर शिल्पा शेट्टी ने जो वीडियो शेयर किया है वह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि वह डांस कर रही हैं। वीडियो में एक और क्लिप है, जिसमें एक बुजुर्ग महिला डांस कर रही है। वीडियो के कैप्शन में शिल्पा शेट्टी ने उन लोगों को जवाब दिया है, जो लोग उनकी बढ़ती उम्र को लेकर टिप्पणी करते हैं। उन्होंने लिखा 'उम्र बढ़ रही है, कब तक ऐसे मटकती रहेगी।' इसके जवाब में उन्होंने लिखा 'मटकूंगी जब तक मन करेगा।

राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन होगी छोटी

मुंबई। रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म 'राजा शिवाजी' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। बड़े बजट में बनी राजा शिवाजी मराठी के साथ-साथ हिंदी में भी रिलीज होगी। आमतौर पर कई भाषाओं में रिलीज होने वाली फिल्मों की अवधि लगभग एक जैसी होती है, सिर्फ भाषा का अंतर होता है। लेकिन, यह फिल्म इस नियम को तोड़ती है। राजा शिवाजी का हिंदी वर्जन मराठी वर्जन से छोटा होगा। सीबीएफसी ने 'राजा शिवाजी' को 16+ आयु वर्ग के लिए सर्टिफिकेट दिया है। मराठी वर्जन की अवधि तीन घंटे, पंद्रह मिनट और पांच सेकंड है। जबकि हिंदी वर्जन इससे ठीक आठ मिनट छोटा है, यानी तीन घंटे सात मिनट और पांच सेकंड का है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फिल्म की अवधि कम होने का कारण सीबीएफसी द्वारा अनिवार्य कोई कटौती नहीं है।

टीवी मसाला

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में निभाए 20 से भी ज्यादा किरदार

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 18 साल से दर्शकों का मनोरंजन करता आ रहा है। साल 2008 में शुरू हुए असित मोदी के इस शो में अभी तक ढेरों कलाकार, ढेरों किरदारों में नजर आए और छा गए। दयाबेन से लेकर जेठालाल, बबीता जी, टप्पू सेना, पत्रकार पोपटलाल और बाबूजी जैसे मुख्य किरदारों के अलावा साइड किरदारों ने भी अपनी खूब छाप छोड़ी। आलम ये है कि 'तारक मेहता...' के कलाकारों को फैंस उनके असली नाम से नहीं, बल्कि शो में निभाए किरदारों से पहचानते हैं। लेकिन, इस शो में एक ऐसा एक्टर रहा है, जिसने इसमें 20 से अधिक किरदार निभाए और अलग ही रिकॉर्ड कायम कर दिया। यह हैं एक्टर नीलेश भट्ट। नीलेश भट्ट 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में छोटे-छोटे लेकिन 20 से अधिक किरदारों में नजर आए और छा गए। अगर उन्हें 'तारक मेहता...' का 'गिरगिट' कहा जाए, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वह वाकई एक 'गिरगिट' हैं, जो दिए गए हर किरदार और रंग में इस तरह घुल गए, जैसे वह उनके लिए ही लिखा गया हो। नीलेश भट्ट ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जो किरदार निभाए, वो हैं- बाबू चिपके, शराबी ड्राइवर, भिड़े का रिश्तेदार, सुंदर का दोस्त, राजू भाई खाऊं गाली, कारपेंटर, खोटे क्लासेस, सोसाइटी का चोर, चंदू चिल्लर और हरियाली होटल के मैनेजर जैसे रोल शामिल हैं। हर किरदार में नीलेश भट्ट ने जान भर दी थी और दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया था। मालूम हो कि नीलेश भट्ट एक गुजराती एक्टर हैं।

50 की स्मृति का 51 साल का पोता!

नई दिल्ली। एकता कपूर का सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' टीआरपी लिस्ट में नंबर 1 पर बना हुआ है। शो की कास्टिंग में बड़ा बदलाव हुआ है और एक्टर आकाशदीप सैगल की एंट्री हुई है। हालांकि, लोगों को ये बात पसंद नहीं आई। अब एक्टर ने भी इस पर सफाई दी है।

आकाशदीप सैगल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की दुनिया में एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। तुलसी विरानी के बागी बेटे अंश का किरदार निभाने के बाद, अब वे रीबूट में अंश के बेटे, तुलसी के पोते के रूप में नजर आएंगे। यह बदलाव शो के लिए एक तरह से पूरा चक्र पूरा होने जैसा है, लेकिन कई दर्शकों को कास्टिंग पसंद नहीं आई है। लोगों का मानना है कि आकाशदीप की उम्र तुलसी का पोता बनने की नहीं है। हालांकि, आकाशदीप इसे एक क्रिएटिव कदम बताते हैं। दिलचस्प बात यह है कि शो के पहले सीजन में अंश को उसकी ऑनस्क्रीन मां तुलसी (स्मृति ईरानी) ने गोली मार दी थी।

टॉक्सिक के बाद अब 'है जवानी तो इश्क होना है' की बदली रिलीज डेट

मुंबई। आए दिन फिल्मों की रिलीज डेट में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों बंदर की रिलीज डेट बदली। वहीं, यश की मच अवेटेड 'टॉक्सिक' फिर आगे बढ़ गई। अब वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज में भी एक बार फिर बदलाव किया गया है। 22 मई को रिलीज होने वाली ये फिल्म अब नए बदलाव के साथ अपनी पुरानी रिलीज डेट यानी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। टॉक्सिक की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट को भी फिरसे बदल दिया है। दरअसल, 'है जवानी तो इश्क होना है' अभी तक 22 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बुधवार को जैसे ही टॉक्सिक की रिलीज डेट 4 जून से आगे बढ़ी, वैसे ही मेकर्स ने 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज को 22 मई से बदलकर 5 जून कर दिया है। जाहिर है कि 'है जवानी तो इश्क होना है' की असल रिलीज डेट भी 5 जून ही थी, लेकिन 4 जून को टॉक्सिक के रिलीज होने के चलते, मेकर्स ने इसे पहले 22 मई को ही रिलीज करने का फैसला किया था। लेकिन, अब टॉक्सिक 4 जून को रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए, वरुण धवन की फिल्म अपनी असल रिलीज डेट 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट बदलने पर वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने फिल्म के दो नए पोस्टर भी साझा किए और साथ ही यश और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद भी बोला। वरुण ने रिलीज डेट की जानकारी देते हुए लिखा, 'है जवानी तो इश्क होना है 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी।

धुरंधर 2 में दिखाए गए धमाके हैं असली

क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2' इस साल मार्च में रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन और धमाकेदार सेट इसकी बड़ी खासियतें थीं। फिल्म के एसएफएक्स सुपरवाइजर विशाल त्यागी ने बताया कि फिल्म में दिखाए गए सभी धमाके असली थे। रणवीर सिंह और अर्जुन रामपाल के साथ फिलमाए गए क्लाइमैक्स सीन में 500 लीटर पेट्रोल का इस्तेमाल किया गया था। विशाल ने बताया कि उनसे अक्सर छोटे धमाके करने को कहा जाता है, जिन्हें बाद में सीजीआई की मदद से और बड़ा दिखाया जाता है। लेकिन, 'धुरंधर 2' में इस तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'आदित्य धर ने कहा, 'मैं सीजीआई का इस्तेमाल नहीं करना चाहता,' खासकर धमाकों के लिए। जो आखिरी टैंकर धमाका था, वह सबसे मुश्किल था। उसमें सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ी चिंता थी। जरा सोचिए- 500 लीटर पेट्रोल! उस धमाके से उड़ने वाले सभी टुकड़े असली थे। रणवीर धमाके वाली जगह के बहुत करीब चल रहे थे। मुझे यह पक्का करना था कि आग की लपटें उन तक न पहुंचें। हमने सारा काम पूरी सावधानी से किया और रणवीर सिंह को ठीक-ठीक बताया कि उन्हें कहां से चलना शुरू करना

है।' विशाल ने बताया 'मुझ पर प्रोडक्शन का बहुत प्रेशर था। धमाके के लिए असली ट्रेन और कंटेनरों का इस्तेमाल किया गया था। यह बहुत मुश्किल काम था, लेकिन हमें खुद पर भरोसा था। प्रोडक्शन टीम ने मुझसे 250 लीटर तेल इस्तेमाल करने को कहा था, लेकिन मैं अपनी बात पर अड़ा रहा कि कम से कम 500 लीटर तेल की जरूरत होगी। सही असर पाने के लिए, मुझे हर टैंक में 25 किलो विस्फोटक डालना पड़ा।' 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह एक जबरदस्त अवतार में नजर आए। इसमें उनके किरदार जसकीरत सिंह रंगी से हमजा बनने तक का सफर दिखाया गया है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले हैं।

लता ने अमर बना दिया दिल एक मंदिर का गीत

वो कालजयी गीत, हसरत जयपुरी ने एक गाने में पिरोए 7 भाव

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर में कई ऐसे गीत बने, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहे, बल्कि भावनाओं का दस्तावेज बन गए। साल 1963 में रिलीज हुई 'दिल एक मंदिर' का गीत 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे' भी उन्हीं कालजयी नग्मों में शामिल है। इस गीत को सुनते हुए ऐसा महसूस होता है मानो प्रेम के हर रंग को शब्दों और सुरों में ढाल दिया गया हो। गीतकार हसरत जयपुरी न इस एक गीत में सात अलग-अलग भावों से इतनी खूबसूरती से पिरोया कि यह गीत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

भावनाओं की पूरी दुनिया समेटे हुए

इस अमर गीत को अपनी मधुर आवाज लता मंगेशकर ने दी थी। उनकी आवाज की मासूमियत और दर्द ने गीत के हर शब्द को जीवंत बना दिया। यही वजह है कि यह गाना सिर्फ एक रोमांटिक ट्रैक नहीं रहा, बल्कि प्रेम और विरह की गहराइयों को महसूस कराने वाला अनुभव बन गया। हसरत जयपुरी बॉलीवुड के उन चुनिंदा शायरों में से एक थे, जिनकी पंक्तियां सीधे दिल को छू जाती थीं। यह गाना न सिर्फ संगीतमय है, बल्कि भावनाओं की एक पूरी दुनिया समेटे हुए है। इसमें शिकायत, लगाव, सदमा, अनुरोध, समर्पण, व्यथा और शुद्ध प्रेम... ये सात भाव एक के बाद एक उभरते हैं और श्रोता को पूरी तरह बांध लेते हैं।

***कौन-कौन से हैं वो 7 भाव? पहला भाव: लगाव.** 'हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे हैं' नायिका अपने पति से अपने लगाव का जिक्र करती है और बताती हैं कि कैसे वह प्यार में इतना खो गई है कि अब संसार में कुछ नजर नहीं आता।*

दूसरा भाव: शिकायत. 'तुम कहते हो के ऐसे प्यार को भूल जाओ, भूल जाओ' यहां नायिका अपने पति की बात पर शिकायत करती है कि वह कैसे इस गहरे प्यार को भूलने की बात कह सकते हैं।

तीसरा भाव: समर्पण. 'पंछी से छुड़कर उसका घर, तुम अपने घर पर ले आए, ये प्यार का पिंजरा मन भाया, हम जी ही जी में मुस्काए' जैसी लाइनें पूर्ण समर्पण दर्शाती हैं। नायिका प्यार को पिंजरा भी मानने को तैयार है, बस वह अपने प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है।

चौथा भाव: सदमा. 'जब प्यार हुआ इस पिंजरे से, तुम कहने लगे आजाद रहो।' गाने की ये पंक्तियां सदमे की तीव्रता दिखाती हैं. जिसमें पति के प्रस्ताव से मिला गहरा सदमा पूरे गाने में झलकता है।

पांचवां भाव: अनुरोध. 'हम कैसे भुलाए प्यार तेरा, तुम अपनी जुबां से ये न कहो'. नायिका बार-बार अनुरोध करती है कि ऐसा न कहो, यह प्यार भूलने लायक नहीं है।

छठा भाव: व्यथा. 'अब इन चरणों में दम निकले, बस इतनी और तमन्ना है' जैसी पंक्ति व्यथा की पराकाष्ठा दिखाती है। गाने में छिपी वेदना और पीड़ा लता जी की आवाज में चरम पर है।

सातवां भाव: शुद्ध प्रेम. 'इस तेरे चरण की धूल से हमने, अपनी जीवन मांग भरी, जब ही तो सुहागन कहलाई, दुनिया के नजर में प्यार बनी'। एक औरत के लिए पत्नी बनने के बाद उसका पति ही सबकुछ होता है। पति से ही सुहाग प्रेम सब कुछ है। पूरे गाने का सार है शुद्ध, निश्छल और आत्मसमर्पण भरा प्रेम. जिसमें कोई स्वार्थ नहीं, सिर्फ एकनिष्ठ भक्ति है यानी शुद्ध प्रेम।

बेहद लोकप्रिय हुआ यह गाना

1963 में रिलीज होने के बाद यह गाना बेहद लोकप्रिय हुआ। आज भी जब यह गाना बजता है तो सुनने वाले की आंखें नम हो जाती हैं। यह गाना उस दौर की पतिव्रता, समर्पण और एकनिष्ठ प्रेम की भावना को दर्शाता है, जो आज के समय में भी अपनी प्रासंगिकता रखता है। आज के डिजिटल युग में भी यह गाना यूट्यूब, गाना और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर लाखों बार सुना जा चुका है। यह साबित करता है कि सच्ची भावनाएँ और बेहतरीन शब्द कभी पुराने नहीं होते।

गुजरात प्रयोग नहीं कर रहा, बल्कि एक विरासत को और मजबूत कर रहा है

32 साल 72% स्ट्राइक रेट, एक राज्य, एक स्पष्ट जनादेश

गांधीनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर गुजरात में अपनी अभूतपूर्व चुनावी बढ़त को दोहराते हुए 2026 के स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। पिछले 32 वर्षों से भाजपा सत्ता में बनी हुई है और हर चुनाव के साथ जनता का विश्वास जीतती आ रही है। यह स्थायी भरोसा 72% से अधिक के स्ट्राइक रेट में झलकता है, जो विपक्ष को पीछे छोड़ देता है। 6,000 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा ने न सिर्फ संख्या में बल्कि पूरे राज्य में हर स्तर पर अपना दबदबा कायम किया है, जो गुजरात की लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक विरासत को और मजबूत करता है। यह केवल अस्तित्व या वापसी नहीं है। यह निरंतरता,

स्थिरता और दोहराया गया जनादेश है, जो भाजपा शासन में गुजरात के अटूट विश्वास को दर्शाता है।

इस ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात भाजपा को बधाई दी। उन्होंने X पर कहा, "गुजरात और भाजपा के बीच का संबंध अब और गहरा और अटूट हो गया है! मैं गुजरात की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने राज्यभर में नगर निगम, नगरपालिकाओं, तालुका पंचायतों और जिला पंचायतों के चुनावों में भाजपा को भारी समर्थन और जनादेश दिया।" उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार के जनकल्याण और विकासोन्मुख कार्यों को पहचानते हुए गुजरात की जनता ने एक बार फिर सुशासन की राजनीति में अपना विश्वास जताया है। ये परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि जनता ने वर्षों से भाजपा की निरंतर मेहनत को दिल से आशीर्वाद दिया है। श्री मोदी ने X पर कहा, "मैं गुजरात की जनता को आश्वस्त करता हूँ कि आने वाले समय में हम और अधिक प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य करेंगे और राज्य को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।"

सत्ता के पक्ष में जनसमर्थन

पारंपरिक राजनीतिक धारणाओं को चुनौती देते हुए, गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर साबित किया है कि सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन वास्तविक है। यह केवल शासन की स्वीकृति नहीं, बल्कि निरंतरता और स्थिरता का प्रबल समर्थन है। गुजरात के लोगों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, "गुजरात में स्थानीय स्वशासन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर सभी विजयी उम्मीदवारों, पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं और शीर्ष नेतृत्व को हार्दिक बधाई। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में, पिछले तीन दशकों में गुजरात ने विकास की नई ऊँचाइयाँ देखी हैं। गरीबों, युवाओं, अन्नदाताओं और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा और जनसेवा के मंत्र के साथ लगातार समर्पित रहे हैं। इसी विकास की राजनीति के कारण भाजपा के प्रति जनता का विश्वास अटूट बना हुआ है। मैं इस शानदार जीत के लिए राज्य के नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि विकास की जीत है; यह जीत गुजरात की है। जय जय गरवी गुजरात।"

एक राजनीतिक रिकॉर्ड

भारत का कोई अन्य राज्य इतनी लंबे समय तक चुनावी प्रभुत्व का साक्षी नहीं रहा है। गुजरात की अद्भुत राजनीतिक विरासत लगातार राष्ट्रीय मानक स्थापित कर रही है, जहाँ हर चुनाव दशकों के विश्वास और प्रदर्शन की पुष्टि करता है। यह गुजरात का "आईपीएल" क्रिकेट नहीं है, बल्कि एक ऐसी विरासत है जो वर्षों में बनी, हर चुनाव में प्रमाणित हुई और हर जीत के साथ और मजबूत हुई है। भाजपा ने सेमीफाइनल पहले ही जीत लिया है और फाइनल का परिणाम लगभग तय सा लगता है—जो इस राजनीतिक पारी की स्थायी मजबूती को दर्शाता है। 6,000 से अधिक सीटों की जीत केवल संख्या नहीं है। यह उपलब्धि पूरे राज्य में हर स्तर पर भाजपा के प्रभुत्व और नेतृत्व पर जनता के गहरे विश्वास को दर्शाती है।

राजनीति से परे संबंध (परिवार जैसा रिश्ता)

गुजरात और भाजपा के बीच का संबंध केवल राजनीति तक सीमित नहीं है—यह एक पारिवारिक जुड़ाव जैसा है। यह रिश्ता लेन-देन पर आधारित नहीं, बल्कि विश्वास पर टिका है, जो पीढ़ियों से पोषित हुआ है और साझा मूल्यों से मजबूत हुआ है। यह एक अल्पकालिक गठबंधन नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक भावनात्मक जुड़ाव है, जो जनता के विश्वास और निरंतर प्रतिबद्धता में गहराई से निहित है। गुजरात के मतदाताओं का संदेश स्पष्ट और अडिग है। शासन, स्थिरता और दिशा के लिए जनता की पहली और एकमात्र पसंद भाजपा सरकार ही है। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की क्लीन स्वीप पर उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा, "यह सिर्फ एक जीत नहीं है, बल्कि भाजपा के प्रति जनता का अटूट विश्वास है। यह स्थानीय निकाय चुनावों में पूरे गुजरात में भाजपा की भव्य और ऐतिहासिक जीत है।"

विपक्ष का पतन- विपक्ष की स्थिति बेहद कमजोर रही। आम आदमी पार्टी के 2,500 से अधिक उम्मीदवार अपनी जमानत गंवा बैठे, जो व्यापक स्तर पर अस्वीकृति का संकेत है। मतदाताओं का संदेश स्पष्ट है—शासन के लिए गुजरात की पहली और एकमात्र पसंद भाजपा है।

गुजराती समझदार हैं, वे सच्चाई जानते हैं- गुजराती मतदाता शोर या भटकाव से प्रभावित नहीं होते। सोशल मीडिया की झूठी या बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई बातें यहाँ वोट में नहीं बदलतीं। लोग याद रखते हैं कि कौन उनके साथ खड़ा रहा है और वे उन्हीं नेताओं को चुनते हैं जिन पर उन्हें भरोसा होता है। यही स्पष्ट सोच हर बार चुनाव परिणामों में दिखाई देती है। राज्य भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने गुजरात में जीत पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने **X** पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपके मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात विकास का 'रोल मॉडल' बन गया है।"

राशिफल

मेष - किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष - व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह - आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला - आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक - आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु - आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर - माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ - अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन - शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

म.प्र. राज्य वन विकास निगम लि.
वन भवन, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, लिंक रोड नं. 2, तुलसी नगर, भोपाल

वनोपज के घोष विक्रय की सूचना

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के विभिन्न परियोजना मंडलों के काष्ठागारों में माह मई 2026 हेतु विभिन्न स्थलों पर विभिन्न तिथियों में इमारती काष्ठ, जलाऊ चट्टे, बांस एवं अन्य सामग्री के नीलाम हेतु तिथियां पूर्व से अधिसूचित हैं। नीलाम की तदर्थ तिथियां, तथा काष्ठागारों में विक्रय हेतु उपलब्ध वनोपज एवं राजसात/अपलेखित वाहनों की जानकारी मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम की वेबसाइट **www.mpsfdc.com** पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु नीलाम दिनांक से पूर्व वेबसाइट को देखना सुनिश्चित करें।

म.प्र. माध्यम/125555/2026 — प्रबंध संचालक

OFFICE OF THE SECRETARY KRISHI UPAJ MANDI SAMITI JABALPUR DIST. JABALPUR

NOTICE INVITING TENDER

N.I.T. No/ Nirman/ 2026-27 /N-48 — Jabalpur Dated: 28.04.2026

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for ESTABLISHMENT OF 200 KVA TRANSFORMER WITH LT LINE FOR CLEANING AND GRADING PLANT WORK IN MANDI YARD JABALPUR TENDER SYSTEM Number : 2026_MPSAM_503624_1 (PAC amount Rs. 25.52 Lakhs). The following works Tender to be received online up to 3:30 PM on 20.05.2026. Technical bid documents with EMD & Finacial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **https://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in.**

Note:- Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Develpoment works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

Secretary
Krishi Upaj mandi Samitti Jabalpur
Distt. Jabalpur

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

गोंदिया से पनियाजोब सेक्शन में तीसरी लाइन के ड्राइंग से लेकर कमीशनिंग कार्य के लिए निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र.: 764-ST-CON-NGP-SKS-DKS दिनांक: 22.04.2026
कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के 'A' रूट पर गोंदिया से पनियाजोब सेक्शन के बीच तीसरी लाइन के काम के संबंध में सालेकसा-दारेकसा सेक्शन के बीच इंजीनियरिंग अर्थ वर्क के लिए S&T केबल क्लीयरेंस, व सालेकसा-दारेकसा सेक्शन में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम की ड्राइंग, डिझाइन, आपूर्ति, स्थापना, टेस्टिंग आणि कमीशनिंग.
निविदा मूल्य: ₹ 7,39,74,587/-,
बयाना राशि: ₹ 14,79,500/-,
निविदा प्रस्तुति की अंतिम तारीख: दिनांक **14.05.2026** के **11:00** बजे तक।
निविदा दस्तावेज़, पात्रता मानदंड व उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए Dy. CSTE (Con), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज़ देखें या डाउनलोड करें।

उप मुख्य S&T अभियंता (निर्माण),
FL/10-40 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा, इंजीनियरिंग विभाग

निम्नलिखित कार्य के ई.निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं.:** 1, **निविदा सूचना क्रमांक** – डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–62–2026 दिनांक 23/04/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– सहायक मंडल अभियंता/मुख्यालय/जबलपुर उप–मंडल के अंतर्गत पेयजल, स्वच्छता, प्लेटफॉर्म धुलाई, कोच वाटरिंग तथा अन्य यात्री उपयोग हेतु समर्पित एवं विश्वसनीय 24X7 जल आपूर्ति की व्यवस्था का प्रावधान। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये**– ₹9,98,69,283/–, **बयाना राशि रुपये** – ₹19,97,400/–, **समापन अवधि**– 18 माह, **क्र.सं.:** 2, **निविदा सूचना कमांक** – डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–63–2026 दिनांक 23/04/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत दो विविध कार्य: **भाग–1:** सहायक मंडल अभियंता (मुख्यालय) जबलपुर के अधीन जबलपुर कोचिंग डिपो में नए वंदे भारत स्टोर डिपो का निर्माण।, **भाग–2:** पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कान्हा स्थित अधिकारी विश्राम गृह में दो कमरों का सुधार/उन्नयन। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये**– ₹1,47,14,692/–, **बयाना राशि रुपये** – ₹2,94,300/–, **समापन अवधि**– 12 माह, **क्र.सं.:** 3, **निविदा सूचना कमांक**– डी.आर.एम.डब्ल्यू–जे.बी.पी–64–2026 दिनांक 24/04/2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– (i) मंडल अभियंता (पूर्व), जबलपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कटंगी खुर्द, खन्ना बंजारी, व्योहारी, निवास रोड और सरई ग्राम में ट्रैक मशीन के लिए ट्रैक मशीन साइडिंग सुविधाओं का प्रावधान और (ii) कटनी–सिंगरौली खंड पर LC संख्या 59, 67, 88, 105 पर सिविल इन्फ्रस्ट्रक्चर में सुधार। **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये**– ₹ 3,59,57,943/–, **बयाना राशि रुपये** – ₹ 7,19,200/–, **समापन अवधि**– 12 माह, **सभी निविदाओं के लिये निविदा भरने कि अंतिम तिथि एंव समय 15.00 बजे**– 19/05/2026, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजे** – 19/05/2026, उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट "https://ireps.gov.in" उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

हस्ता.
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म. प्र.)

N.I.T. No. /PWD/e-tendering/PRO/ 109 — **// निविदा सूचना //** — Date 22/04/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_ 503038_1 Date- 27/04/2025	सं.क्रं.-03 रामपुर अंतर्गत गिरीराज किशोर कपूर वार्ड में दीपक विश्वकर्मा के घर से सूरज ठाकुर की चक्की तक रोड के दोनों ओर नाली 400 मी. नाली निर्माण कार्य। पंचम निविदा (CM monit A+)	03 माह रू 8.41 लाख	2000/- 8475/-	11/05/2026
2.	2026_UAD_ 503038_2 Date- 27/04/2025	रामपुर अंतर्गत गिरीराज किशोर कपूर वार्ड में सिद्धपीठ श्री गुप्तेश्वर महादेव : मंदिर मदन महल जबलपुर में सार्वजनिक स्थल पर बाउन्डीवाल निर्माण कार्य । (CM monit A+)	02 माह रू 5.92 लाख	2000/- 5929/-	11/05/2026
3.	2026_UAD_ 503038_3 Date- 27/04/2025	सं.क्रं.-03 रामपुर अंतर्गत 03 माह शहीद गुलाब सिंह वार्ड में पिपलेश्वर में स्थित जर्जर सार्वजनिक टायलेट को तोड़कर नया निर्माण कार्य । छटवीं निविदा (निगम मद)	03 माह रू 10.31 लाख	2000/- 7733/-	11/05/2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptender.gov.in की बेवसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग बिलासपुर वनमंडल, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

कोटा काष्ठागार नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बिलासपुर वनमण्डल बिलासपुर के अधीनस्थ काष्ठागार कोटा बिलासपुर में उपलब्ध ईमारती लकड़ी (काष्ठ, जलाऊ) एवं बांस का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय बिलासपुर अथवा काष्ठागार कोटा डिपो से प्राप्त कर सकते है ।

डिपो का नाम - विक्रय काष्ठगार कोटा, नीलाम दिनांक -08.05.2026, समय- 9:00 बजे प्रात: से वनोपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है

क्रं.	प्रजाति	नया			पुराना				
		लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	लट्ठा	बल्ली/खूंटा	जलाऊ	व्यापारी/औ. बांस	
		घ.मी.	नग	चट्टा	घ.मी.	नग	चट्टा	नग	नो.टन
1	सागौन	80.000	1100	-	369.009	7925	-	-	-
2	साल	15.000	70	-	160.473	7	-	-	-
3	बीजा, तिंसा, शीशम	6.000	30	-	47.807	94	-	-	-
4	साजा	11.000	90	-	68.523	322	-	-	-
5	अर्जुन	-	-	-	11.542	-	-	-	-
6	हल्दू/ मुढ़ी,	2.000	-	-	267.534	93	-	-	-
7	खम्हार	5.000	90	-	29.958	504	-	-	-
8	धावड़ा	11.000	60	-	79.318	258	-	-	-
9	सलई	-	-	-	1.923	-	-	-	-
10	अन्य	65.000	1200	-	317.285	4422	-	-	-
11	जलाऊ	-	-	336	-	-	436	-	-
12	व्या. बांस	-	-	-	-	-	-	1691	3.561
13	निरस्त लॉट	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग:-	195.000	2640	336	1353.372	13625	436	1691	3.561

टीप:- (1) क्रेता को ई-ऑक्शन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।(2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटो के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है (3) लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई- ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है।(4) ई-ऑक्शन में लॉट क्रस पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकेण्ड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 30 सेकेण्ड के पूर्व क्रय करने 20 सेकेण्ड का समय प्राप्त होगा ।

वन मंडलाधिकारी
जी-262700453/5 — "स्वच्छता ही सेवा" — बिलासपुर, वनमण्डल बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

Office: Municipal Council Kotma Dist-Anuppur (M.P.) Email-cmokotma@.gov.in Phone-0765823360
क्रंमांक. 1179/ न.प./लो.नि./नि.सू./2026-27 — कोतमा दिनांक-24/04/2026

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु इच्छुक सप्लायर/फर्म से ऑन लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2026_UAD_490056_2 Date -24.04.2026	एस.पी.गेट एवं अन्य कार्य हेतु दर आमंत्रण।	12 माह 990000.00	2000.00 9900.00	04.05.2026
02.	2026_UAD_502213_1 Date -23.04.2026	01 नग नवीन बड़ा फायर बिग्रेड क्रय	01 माह 3905118.00	5000.00 39055.00	25.05.2026

नोट:-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कोतमा
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय जबलपुर विकास प्राधिकरण, जबलपुर

क्र./सम्पत्ति/जविप्रा/532 — जबलपुर, दिनांक : 29.04.2026

हस्तांतरण/मृत्यु उपरांत नामांकन/संपत्ति लीज होल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने हेतु जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण के निम्नलिखित भूखण्डधारियों द्वारा हस्तांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञापन **प्रकाशन तिथि के 07 दिवस की** अवधि एवं मृत्यु उपरांत नामांकन हेतु एवं संपत्ति के लीजहोल्ड से **"भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड)"** में संपरिवर्तन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। यदि भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस **विज्ञापन प्रकाशन तिथि के 15 दिवस की अवधि में** अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय-जबलपुर विकास प्राधिकरण ब्लॉक क्र. 7अ सिविक सेंटर मढ़ाताल, जबलपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त संपत्ति में वांछित कार्यवाही कर दी जावेगी, जिसके बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.	यो.क्र.	भू.क्र.	विक्रेता का नाम एवं पता	क्रेता का नाम एवं पता
1.	2बी	ई.डब्ल्यू.एस. भवन क्र. एफ-25	श्री यतीन्द्र गुप्ता पिता श्री टी.सी. गुप्ता पता- 2210/2211, भारत कॉलोनी, एलआईसी के सामने, नागपुर रोड, जबलपुर	श्रीमती भाग्यश्री लोधी पति श्री रितेश कुमार ठाकुर पता- 462, सरकारी कुंआ मरघटाई रोड, जबलपुर
2.	41	भूखण्ड क्र. 535	श्री जितेन्द्र जग्गी पिता श्री आशानंद जग्गी पता- 1389, मदन महल, जबलपुर	श्री नितेश सोबती पिता श्री सतीश सोबती पता- म.नं. 1961, ज्योति मॉल के पास, नेपियर टाउन, जबलपुर
3.	11 (द्वि.च.)	भूखण्ड क्र. 247	श्री संजय कुमार मिश्रा पिता श्री मुन्ना लाल मिश्रा पता- 155, संजीवनी हास्पिटल के पीछे, राम नगर, अधारताल, जबलपुर	1. श्री सुधीर कुमार साहू पिता श्री चंदू लाल साहू 2. श्रीमती रश्मि साहू पति श्री सुधीर कुमार साहू पता- म.नं. 261/2 सी, शारदा होम्स साकेत नगर, जबलपुर
4.	41	ई.डब्ल्यू.एस. भूखण्ड क्र. ई-133	श्री एम विजय कोरी पिता श्री त्रिपाल कोरी पता- 596, सर्वोदय नगर, रानीताल, जबलपुर	श्री हर्षित जैन पिता श्री ललित कुमार जैन पता- 1673, नव आदर्श कालोनी, लेबर चौक, जबलपुर

मृत्यु उपरांत नामांकन की जाने वाली संपत्ति का विवरण

क्र.	योजना क्र.	भू./भ./दु.क्र.	आवेदक का नाम पता	विवरण
1.	2ए	भूखण्ड क्र. 399	श्रीमती ममता शर्मा, श्री सुलभ शर्मा, श्री सरल शर्मा एवं श्रीमती श्वेला पति/पिता स्व. श्री रामलाल शर्मा पता- प्लाट नं. 399, म.नं. 5, शक्ति नगर, भोले कुटी के पास, जबलपुर	श्री रामलाल शर्मा की मृत्यु उपरान्त वारिसों के नामे नामांकन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

भू-स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन की जाने वाली संपत्ति का विवरण

क्र.	आवेदन दिनांक	योजना क्रमांक	संपत्ति क्रमांक	वर्तमान लीजधारी का नाम एवं पता
1.	09.04.26	06	भूखण्ड क्र. 173	श्रीमती सावित्री नामदेव एवं श्री शशिभूषण नामेदव पति/पिता स्व. श्री सिम्मूलाल नामदेव पता- 173, संजीवनी नगर, गढ़ा, जबलपुर
2.	17.02.26	2ए	भूखण्ड क्र. 71	श्री सतीश कुमार सिन्हा पिता स्व. श्री ज्वाला प्रसाद सिन्हा पता- प्लाट नं. 71, शक्ति नगर, गुप्तेश्वर, जबलपुर
3.	11.03.26	2ए	भूखण्ड क्र. 656	श्री शांताराम श्रीकृष्ण सप्रे पिता स्व. श्री कृष्ण सप्रे पता- 76, सी.आर.सी. एम. आश्राल धनवंतरी नगर, जबलपुर
4.	08.06.21	06	भूखण्ड क्र. 621	श्री धनेश्वर प्रसाद तिवारी पिता स्व. श्री एम.एल. तिवारी पता- 621, गुलमोहर पार्के, संजीवनी नगर, गढ़ा जबलपुर

म.प्र. माध्यम/125563/2026 — संपदाधिकारी

शब्द पहेली - 6211

बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -6210 का हल

सूडोकू नवताल - 6221

सरल

सूडोकू नवताल - 6220 का हल

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

तब तेज धूप में नहीं होगा डिहाइड्रेशन

मेरी उम्र 27 साल है। मेरी फील्ड जॉब है। इन दिनों तेज धूप में मुझे डिहाइड्रेशन न हो इसके लिए मुझे कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए?

-साकेत, रायपुर

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए आपको लगातार पानी पीते रहना चाहिए। मतलब आप घर से जब निकलें तो छाछ या नीबू पानी या लस्सी पीकर निकलें। पानी की बोतल अपने साथ रखें। करीब हर 1 घंटे बाद आपको पानी पीते रहना चाहिए। कोशिश करें कि सर को ढंक कर निकलें। अगर जरूरी ना हो तो दिन में 1 बजे से लेकर 4 बजे के बीच तेज धूप में निकलने से बचें। अगर लगातार धूप में रहना पड़ता है तो बीच में एक बार शिकंजी पी लें।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मुझे नींद में दांत किटकिटाने की आदत है। कृपया बताएं ऐसा क्यों होता है? इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी बताएं।

-आशुतोष, बलौदा बाजार

हालांकि यह समस्या आमतौर पर बच्चों को होती है और जब उन्हें पेट में वॉर्म होते हैं, तब ऐसा करते हैं और तब उन्हें डी वॉर्मिंग की दवा देनी पड़ती है। इस तरह की समस्या ज्यादातर पेट से जुड़ी होती है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे जांच कराएंगे, तभी इलाज हो पाएगा।

मेरी उम्र 43 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरे पेट मे हल्का-हल्का दर्द हमेशा बना रहता है। खाना ठीक से नहीं पचता और वॉमिट जैसा फील होता है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-जतिन, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है। जिस वजह से हल्का-हल्का दर्द रहता है और भूख भी कम लगती है। सबसे पहले आप अपना खान-पान ठीक करें, बाहर का खाना और जंक फूड बिल्कुल बंद कर दें। दोपहर के खाने में दही और सलाद जरूर शामिल करें। शाम को दलिया या खिचड़ी जैसा हल्का खाना खाएं। सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। इस तरह बदलाव करने से अगर आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। कुछ महीनों से मेरा वजन लगातार कम हो रहा है और कमजोरी भी महसूस होती है। जबकि मेरी डाइट पहले की तरह ही है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है?

-नलिन, बिलासपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपकी डाइट और रूटीन पहले जैसा है और फिर भी वजन कम हो रहा है तो ऐसे मामले में बगैर फिजिकली देखे और जांच कराए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए आप जनरल फिजिशियन से संपर्क करें। वह जरूरी जांच करा कर ट्रीटमेंट कर सकेंगे।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। जब भी मैं कुछ दूर पैदल चलता हूं, मेरे पैरों में सूजन आ जाती है। रेस्ट करने पर यह सूजन अपने-आप ही ठीक हो जाती है। ऐसा क्यों होता है? इस प्रॉब्लम से बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-अभिसार, दुर्ग

पैरों में सूजन की वजह कई बार शुगर का बढ़ना होता है। सबसे पहले आप अपनी शुगर की जांच कराएं। अगर वह नॉर्मल है, तो आपकी मसल्स कमजोर हो सकती हैं, जिस वजह से चलने पर सूजन आ जाती है। इसके लिए आपको एक बार ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। वे जांच कर इसका ट्रीटमेंट करेंगे। फिलहाल लंबा चलना बंद कर दें।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। मुझे रात को ठीक से नींद नहीं आती। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। कृपया बताएं कि अब मुझे क्या करना चाहिए?

-कुलदीप, भोपाल

नींद की गोलियां लेना इस समस्या का समाधान नहीं है। बेहतर होगा कि आप इस बात पर गौर करें कि आपके जीवन में ऐसा क्या घटित हुआ है, जिस वजह से आपको नींद नहीं आ रही है। अगर आप ऐसा खुद नहीं कर सकते तो जरूर आपको एक बार मनोचिकित्सक से संपर्क कर लेना चाहिए। वे इसका इलाज बताएंगे क्योंकि नींद की दवा नियमित लेने से समस्या बढ़ेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सुदीप जैन
डायरेक्टर-स्पाइन सॉल्यूशंस इंडिया
नई दिल्ली

स्पेशलः वर्ल्ड एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस डे, 3 मई

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस यानी रीढ़ की हड्डी में होने वाला अर्थराइटिस, एक पेनफुल सीरियस डिजीज है। यह समस्या किसी को भी हो सकती है। लेकिन यंगस्टर्स को अवेयर रहने की ज्यादा जरूरत होती है। अगर इसके लक्षणों का ध्यान रखा जाए और शुरुआती दौर में ही सही ट्रीटमेंट करवाया जाए तो पेशेंट पूरी तरह ठीक हो सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस यंगस्टर्स को भी रहना होगा अवेयर

हालांकि वैसे तो किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति, एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस (संक्षेप में एएस) से ग्रस्त हो सकते हैं लेकिन आमतौर पर यह बीमारी किशोर-किशोरियों (टीनएजर्स) से लेकर 30 वर्ष की आयु वालों को तुलनात्मक रूप से कहीं ज्यादा अपनी गिरफ्त में ले सकती है। यानी युवा वर्ग के लिए एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या उनकी सेहत के लिए बड़ी समस्या बन सकती है, लेकिन तसल्ली की बात यह है कि समय रहते इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में एएस की समस्या अधिक आम है।

क्या होती है यह समस्या

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, रीढ़ की हड्डी का गठिया यानी अर्थराइटिस है। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर का रोग प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) अपनी रक्षक की भूमिका छोड़कर भक्षक बन जाता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर के जोड़ों की स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करती है। इसके अलावा एएस की समस्या में आनुवंशिक कारक (एच एल ए-बी 27 जीन) भी भूमिका निभाते हैं।

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के जोड़ों को प्रभावित करती है। इस समस्या में रीढ़ की कशेरुकाएं (वर्टिब्रा) आपस में जुड़ सकती हैं, जिससे कमर में गंभीर अकड़न और दर्द होता है। वस्तुतः एएस, रीढ़ के निचले हिस्से सैक्रोइलिएक ज्वाइंट, कूल्हों, कंधों, गर्दन और पसलियों के बीच के जोड़ों को प्रभावित करता है।

दिख सकते हैं ये लक्षण

- कूल्हों और पीठ के निचले हिस्से में लगातार दर्द और अकड़न, जो नींद से जागने पर सुबह बढ़ सकती है।
- लंबे समय तक बैठने/आराम करने के बाद भी पीठ और कूल्हों में दर्द और अकड़न की समस्या बढ़ सकती है।
- कालांतर में गर्दन और ऊपरी पीठ में भी अकड़न आ सकती है।
- गर्दन में दर्द हो सकता है।
- आराम करने पर दर्द बढ़ना। इसका आशय यह है कि सक्रिय रहने या चलने-फिरने से दर्द में कमी आती है।
- रीढ़ की हड्डी में सूजन भी हो सकती है।
- आंखों में सूजन यानी यूविआइटिस होना।
- पसलियों के जोड़ों के प्रभावित होने से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।
- कालांतर में एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या की गंभीर स्थिति में रीढ़ (स्पाइन) आगे की ओर मुड़ जाती है, जिसे काइफोसिस या 'हंचबैक' कहा जाता है।
- इसकी गंभीर स्थिति में बैंबू स्पाइन की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिसमें रीढ़ बांस की तरह सख्त और लचीलापन रहित हो जाती है।

हो सकती है काइफोसिस की समस्या

एएस और काइफोसिस के बीच गहरा संबंध है। एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, गठिया का एक प्रकार है। वहीं काइफोसिस, एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण कालांतर में उत्पन्न हो सकने वाली एक शारीरिक विकृति (रीढ़ का आगे झुकना) है। जैसे-जैसे एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की समस्या आगे बढ़ती है, तब रीढ़ की हड्डी में अकड़न-जकड़न के कारण रीढ़ आगे की ओर मुड़ जाती है, जिसे काइफोसिस कहा जाता है। काइफोसिस की यह स्थिति व्यक्ति को आगे की ओर झुकी मुद्रा में खड़ा होने पर मजबूर कर सकती है। गंभीर स्थिति में इसके कारण सीने का फैलाव कम हो सकता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इस समस्या की गंभीर और जटिल स्थिति में कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर की गंभीर मेडिकल कंडीशन उत्पन्न हो सकती है। इस गंभीर स्थिति में बेहोशी, सांस न आना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं।

काइफोसिस का सर्जिकल इलाज

काइफोसिस की शुरुआती स्थिति में मिनिमली इनवेसिव प्रक्यूटेनियस काइफोसिस करेक्शन सर्जरी की जाती है, जो ओपन सर्जरी के तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा सुरक्षित और कम से कम जोखिम वाली है। वहीं काइफोसिस की गंभीर स्थिति का इलाज काइफोसिस करेक्शन सर्जरी के जरिए किया जाता है, जिसमें पूरी स्पाइन की जटिलताओं को ठीक किया जाता है।

एएस से बैंबू स्पाइन की समस्या

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस की गंभीर स्थिति बैंबू स्पाइन की समस्या उत्पन्न करती है। ऐसी स्थिति में बिना हल्का झटका या जर्क लगने पर किसी चोट या आघात के बगैर रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त (फ्रैक्चर्ड) हो जाती है। स्पाइन फ्रैक्चर के कारण मरीज लकवा से ग्रस्त हो सकता है।

बैंबू स्पाइन का सर्जिकल इलाज

एएस से उत्पन्न बैंबू स्पाइन की समस्या में फ्रैक्चर का इलाज बगैर किसी चीज फाड़ के परक्यूटेनियस कैन्युलेटेड स्क्रू डालकर ऐसे फ्रैक्चर को फिक्स कर दिया जाता है। इस सर्जरी को मिनिमली इनवेसिव परक्यूटेनियस कैन्युलेटेड स्क्रू फिक्सेशन सर्जरी कहा जाता है,जो रीढ़ की हड्डी के फ्रैक्चर के इलाज के लिए एक आधुनिक और कम नुकसान वाली सर्जिकल तकनीक है। इसमें पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे चीरे लगाए जाते हैं।

ट्रीटमेंट के तरीके

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने के लिए उपचार की दो विधियां हैं- गैर सर्जिकल और सर्जिकल। मरीज की बीमारी की स्थिति, उसकी उम्र और लक्षणों के आधार पर विशेषज्ञ डॉक्टर उपचार की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। नॉन स्टेराइडल एंटी इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स दर्द और सूजन कम करने के लिए डॉक्टर के परामर्श से ही दी जाती हैं। जबकि डिजीज-मॉडिफाइंग ड्रग्स, डॉक्टर के परामर्श से ऑटोइम्यून बीमारियों के अंतर्निहित कारणों को ठीक करने या उनके बढ़ते दुष्प्रभाव को धीमा करने के लिए दी जाती हैं।

एक्सरसाइज और फिजियोथेरेपीः इनसे रीढ़ की हड्डी के विकार को रोकने या उसे कम करने में मदद मिलती है। तैराकी, योग, और स्ट्रेचिंग बहुत फायदेमंद हैं। लेकिन डॉक्टर से परामर्श लेकर ही व्यायाम और फिजियोथेरेपी करवानी चाहिए।

सर्जरी ट्रीटमेंटः एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस के कारण काइफोसिस और बैंबू स्पाइन की समस्या में जब मरीज को दवाओं और अन्य उपायों से राहत नहीं मिलती, तब विशेषज्ञ डॉक्टर मरीज को सर्जरी करने का परामर्श दे सकते हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

आजमा सकते हैं ये उपाय

एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से राहत पाने में इन सुझावों पर अमल करना लाभप्रद है।

- सुबह की अकड़न कम करने के लिए गर्म पानी से नहाएं या हीट पैक का उपयोग करें।
- रांग पोस्चर्स से बचें। रांग पोस्चर उस स्थिति को कहते हैं, जिसमें बैठने और चलने-फिरने या किसी कार्य को अंजाम देते वक्त पर रीढ़ की हड्डी एक तरफ झुकी हुई हो या फिर तिरछी स्थिति में हो, यानी अपने नेचुरल कर्व में न हो। जो लोग एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित हैं, उन्हें रांग पोस्चर्स से बचना चाहिए और अपनी रीढ़ की हड्डी को जहां तक संभव हो उठते, बैठते और चलते समय सीधा रखने का प्रयास करना चाहिए। जो लोग एंकाइलोजिंग स्पॉन्डिलाइटिस से पीड़ित नहीं हैं, उन्हें भी रांग पोस्चर्स से बचना चाहिए।

मेंटल हेल्थ

शिखर चंद जैन

आज के दौर में अपनी हेल्थ और फिटनेस के प्रति कॉन्शस लोग कई हेल्थ एप्स का यूज करते हैं। लेकिन कई बार इन एप्स पर ओवर डिपेंडेंसी मेंटली स्ट्रेस पैदा करने लगती है। यही हेल्थ एप बर्नआउट कहलाता है। इसके कारण और बचने के उपायों के बारे में जानिए।

कहीं आपको भी हेल्थ एप बर्नआउट की समस्या तो नहीं!

आज के दौर में हाथ में बंधी 'स्मार्टवॉच' सिर्फ डिजिटल समय नहीं बताती, वह उपयोगकर्ता की धड़कन, नींद, कदम और यहां तक कि उसके तनाव के स्तर पर भी नजर रखती है। इसी तरह कई वियरेबल गैजेट्स या मोबाइल एप ऐसे हैं, जो आपकी बीपी, एक्टिविटी आदि की जानकारी देते हैं। पहली नजर में यह सेहत के प्रति एलर्ट रहने का बेहतरीन तरीका लगता है, लेकिन इसका दूसरा पहलू जरा चौंकाने वाला है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोध और मनोवैज्ञानिक रिपोर्ट्स बताती हैं कि अब लोग 'एप बर्नआउट' के शिकार होने लगे हैं। दरअसल एक सीमा तक तो इन पर निर्भरता ठीक है मगर जब इनका ओवरयूज होने लगता है तो ये आपकी मदद करने के बजाय आपको मानसिक रूप से थकाने और तनाव देने लगते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जहां आप हेल्थ से ज्यादा डेटा और नंबर्स पर डिपेंड होने लगते हैं।

क्यों होता है बर्न आउटः हर कदम, हर कैलोरी और नींद के हर मिनट को ट्रैक करना दिमाग को थका देता है। ऐसा लगता है जैसे आप खुद को नहीं, बल्कि किसी 'प्रोजेक्ट' को मैनेज कर रहे हैं।

कैसे पहुंचाते हैं नुकसानः विभिन्न हेल्थ रिपोर्ट्स के अनुसार, कैलोरी काउंट करने और हर निवाले का हिसाब रखने वाले एप्स लोगों में खाने के प्रति एक असामान्य डर पैदा कर देते हैं। इसे ऑर्थोरेक्सिया कहा जाता है, यानी हेल्दी-बैलेंस्ड खाने का ऐसा जुनून, जो मानसिक तनाव का कारण बन जाए।

स्लीप एंग्जायटीः जर्नल ऑफ क्लिनिकल स्लीप मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग अपनी नींद को एप पर ट्रैक करते हैं, वे अकसर 'ऑर्थोसोमनिया' के शिकार हो जाते हैं। यह वह स्थिति है, जहां व्यक्ति अपनी नींद की गुणवत्ता को लेकर इतना चिंतित रहता है कि उसी चिंता के कारण उसे नींद नहीं आती। अगर एप सुबह पुअर स्लिप दिखाता है, तो व्यक्ति पूरा दिन थका हुआ महसूस करता है, भले ही वह असल में फ्रेश महसूस कर रहा हो।

सामाजिक तुलना का दबावः फिटनेस एप्स अक्सर लीडरबोर्ड दिखाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के एक शोध के मुताबिक, जब महिलाएं अपने स्टेप्स या वर्कआउट की तुलना दूसरों से करती हैं, तो उनमें हीन भावना पैदा होती है। यह डिजिटल कॉम्पिटिशन, सेहत सुधारने के बजाय तनाव को जन्म देता है।

शरीर के संकेतों की अनदेखीः हमारा शरीर थकने पर आराम मांगता है, लेकिन फिटनेस बैंड कहता है, 'सिर्फ 500 कदम और!' मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि एप्स पर अत्यधिक निर्भरता के कारण हम अपनी आंतरिक समझ खो रहे हैं। हम प्यास लगने पर पानी नहीं पीते, बल्कि एप के नोटिफिकेशन पर पानी पीते हैं।

नोटिफिकेशन फटीगः दिन भर में आने वाले दर्जनों अलर्ट- 'पानी पिएं, खड़े हो जाएं, गहरी सांस लें' दिमाग को शांत करने के बजाय उसे अलर्ट मोड पर रखते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि बार-बार आने वाले ये डिजिटल एलर्ट एकाग्रता को भंग करते हैं और कॉर्टिसॉल के स्तर को बढ़ाते हैं।

प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा की चिंताः ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई हेल्थ एप्स यूजर का डेटा तीसरे पक्ष को बेचते हैं। अपनी पीरियड साइकिल, मूड और लोकेशन जैसी निजी जानकारियां साझा करने का डर भी अनजाने में एक मानसिक तनाव पैदा करता है।

फिटनेस और वेलनेस के बीच का अंतर मिटनाः फिटनेस का मतलब है शारीरिक क्षमता, जबकि वेलनेस का मतलब है समग्र कल्याण। हेल्थ एप्स अकसर केवल शारीरिक आंकड़ों पर ध्यान देते हैं। एप्स इमोशनल हेल्थ मॉनिटर नहीं कर सकते।

हेल्थ एप बर्नआउट के लक्षणः दिन भर में दर्जनों बार स्टेप्स या कैलोरी चेक करना। यदि किसी दिन लक्ष्य पूरा न हो (जैसे 10,000 कदम न चल पाना), तो खुद को असफल महसूस करना। नींद के डेटा को देखकर यह सोचना कि मेरी नींद अच्छी नहीं थी। भले ही आप उठने पर फ्रेश महसूस कर रहे हों। वर्कआउट या वॉक इसलिए करना क्योंकि एप कह रहा है, न कि इसलिए कि आपको खुशी मिल रही है।

इससे बचने के उपायः अनावश्यक चिंता और दवाब से बचने के लिए 'इंट्यूइटिव लिविंग' अपनाएं। एप्स पर निर्भर रहने के बजाय अपने शरीर के संकेतों को सुनना शुरू करें। अगर आप थके हुए हैं, तो एप के कीप गोइंग नोटिफिकेशन के बावजूद आराम करें। शरीर की सुनें, सॉफ्टवेयर की नहीं। हर 1 घंटे में उठने या पानी पीने के रिमाइंडर दिमाग में एक चेकलिस्ट की तरह तनाव पैदा करते हैं। केवल सबसे जरूरी नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब बंद कर दें। पानी पीने या टहलने को आदत में शामिल करें। वीक में कम से कम एक या दो दिन (जैसे शनिवार या रविवार) अपनी स्मार्टवॉच उतार दें और किसी भी एप में डेटा फीड न करें। बिना किसी डिजिटल हस्तक्षेप के अपनी वॉक या खाने का आनंद लें। हर चीज के लिए अलग एप (पानी, नींद, खाना, कदम, मेडिटेशन) रखने के बजाय केवल 1 या 2 सबसे महत्वपूर्ण हेल्थ एप चुनें। तभी आप स्वस्थ रहेंगे। *

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	8	6	2	12
राजस्थान	9	6	3	12
हैदराबाद	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

वैभव सूर्यवंशी
400 रन
राजस्थान

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
14 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 रद्द

चटगांव। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को होने वाला दूसरा टी20 क्रिकेट मैच लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द करना पड़ा। काफी इंतजार करने के बावजूद बारिश के रुकने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही थी, जिसके बाद मैच रद्द करने का फैसला किया गया। पहले मैच में 6 विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। श्रृंखला का अंतिम मैच मीरपुर में शनिवार से खेला जाएगा। बांग्लादेश ने इससे पहले तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

श्रीलंका क्रिकेट में उठापटक अध्यक्ष सिल्वा का इस्तीफा

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट में 29 अप्रैल को उस समय भारी उठापटक का माहौल देखने को मिला, जिसका अंदेशा पिछले काफी दिनों से लगाया जा रहा था। श्रीलंका क्रिकेट यानी एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बात की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की तरफ से आधिकारिक तौर पर जारी कर दी गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पिछले दिनों बोर्ड में बदलाव को लेकर जोर दिया था, जिसके बाद ये कदम उनके इसी बयान को लेकर माना जा रहा है। एसएलसी की तरफ से श्रीलंका क्रिकेट में हुए इस उठापटक को लेकर जो आधिकारिक बयान जारी किया गया है उसमें ये भी साफ कर दिया गया है कि सभी की इस्तीफे तुरंत प्रभाव से मान लिए गए हैं और एक अंतरिम बॉडी बोर्ड का चार्ज संभालेगी।

नहीं रहे दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके गृह नगर लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया। उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले 9 भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अल्फ्रेड डनहिल कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। 'डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया।

रियान पराग की 'वेपिंग' पर बवाल, बीसीसीआई ने करार दिया गैर-जिम्मेदाराना कृत्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में 'वेपिंग' (ई-सिगरेट का इस्तेमाल करना) करते हुए टीवी कैमरों में कैद होने के बाद विवादों में घिर गए हैं। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसमें इसका उत्पादन, बिक्री और वितरण शामिल था। इस संबंध में कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की कैद हो सकती है या/और उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया सकता है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करते हुए देखे गए। कैमरे में कैद हुई इस घटना पर सोशल मीडिया पर तुरंत ही प्रतिक्रिया होने लगी। इस प्रतियोगिता के संचालन से जुड़े आईपीएल और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों ने इसे सोशल मीडिया और टीवी कैमरों की निगरानी के युग में बेहद लापरवाही वाला कृत्य करार दिया।

बीसीसीआई कर सकती है कार्रवाई

आईपीएल के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया, ' कई खिलाड़ी ई-सिगरेट का सेवन करते हैं, लेकिन वे ड्रेसिंग रूम में ऐसा नहीं करते। इतने सारे कैमरों के बीच ऐसा करना बेहद जोखिम और लापरवाही भरा है। पराग को खुलेआम ई-सिगरेट पीते हुए पकड़े जाने के बाद बीसीसीआई को कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।' राजस्थान रॉयल्स टीम का कोई भी अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था।

दूसरी बार विवाद में घिरा आरआर

आईपीएल के मौजूदा सत्र में यह पहला अवसर नहीं है जबकि राजस्थान किसी विवाद में पड़ा। इससे पहले इसी महीने की शुरुआत में टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन का इस्तेमाल करने कारण नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

कैमरे में वेपिंग करते पकड़े गए ये क्रिकेटर्स

साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल मैच के दौरान एरॉन फिंच का वेप करते हुए का क्लिप वायरल हो गया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान को धुंआ छोड़ते और फिर से कश लेते हुए देखा गया था। हाल में इस साल की शुरुआत में एसए20 के एक मैच के दौरान कैमरों ने एबी डिविलियर्स को वीआईपी स्टैंड में वेप करते हुए कैद कर लिया। इस फुटेज ने काफी हलचल मचा दी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैक्कुलम ने बताया कि 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान उन्होंने टॉयलेट में सिगरेट पी थी, जबकि इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा कि 2019 वर्ल्ड कप के फाइनल के दौरान उन्होंने लॉर्ड्स के वॉशरूम में सिगरेट पी थी।

उठाया गया था खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा

आईपीएल के एक अन्य सूत्र ने बताया कि मौजूदा टूर्नामेंट से पहले मुंबई में कप्तानों की बैठक में ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की निजता का मुद्दा उठाया गया था। कुछ कप्तानों ने सीधा प्रसारण के दौरान ड्रेसिंग रूम की ओर कैमरे घुमाए जाने पर आपत्ति जताई थी। सूत्र ने कहा, 'यह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट के इस्तेमाल से सीधे तौर पर संबंधित नहीं था। यह मोटे तौर पर खिलाड़ियों की निजता से जुड़ा था। कई बार खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में पूरे कपड़े नहीं पहने होते हैं या वे कैमरों से बचना चाहते हैं।' सूत्र के अनुसार खिलाड़ियों को बताया गया कि ड्रेसिंग रूम से फुटेज दिखाने वाले कैमरों के बारे में फैसला लेना बीसीसीआई का नहीं बल्कि प्रसारक का काम है।

आज रात 7.30 बजे से गिल और कोहली होंगे आमने-सामने

आरसीबी के सामने टाइटंस की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

निरंतरता हासिल करने के लिए बेताब गुजरात टाइटंस को गुरुवार को होने वाले आईपीएल में शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

अब जबकि टूर्नामेंट का आधा चरण पूरा हो चुका है तब गुजरात टाइटंस की टीम 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ अंक तालिका में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ मौजूदा चैंपियन आरसीबी शानदार फॉर्म में है और उसने 8 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है। आरसीबी अभी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

बेंगलुरु के भुवनेश्वर हेजलवुड बरपा रहे कहर

आरसीबी की तरफ से उसके तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने मिलकर कहर बरपाया है। जहां भुवनेश्वर ने अपनी शानदार स्विंग से पुराने दिनों की याद दिला दी है, वहीं हेजलवुड ने टेस्ट मैच के स्तर की गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया है। वह बल्ले के बाहरी किनारे को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा बीच के ओवरों में कृणाल पंड्या का सामना करना भी बड़ी चुनौती है क्योंकि उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है।

अपनी दिनचर्या का पालन करना जरूरी : पाटीदार

दिल्ली में मिली बड़ी जीत के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा था, 'अपनी दिनचर्या का पालन करना बहुत जरूरी है क्योंकि अभी लंबा सफर तय करना है, लेकिन मुझे लगता है कि हम एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारे लिए सकारात्मक बात यह है कि हमारा कोई ना कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

शीर्ष क्रम पर अधिक निर्भर गुजरात की टीम

गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक निर्भर है। उसके चोटी के तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने एक बार फिर अधिक रन बनाए हैं। वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अपनी काबिलियत साबित की है, जबकि शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। मध्य क्रम को मजबूती देने के लिए जेसन होल्डर को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

छाप छोड़ने के लिए बेताब बेथेल

आरसीबी इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। इंग्लैंड के अपने साथी खिलाड़ी फिल साल्ट की चोट के कारण पिछले दो मैच में खेलने वाले जैकब बेथेल कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। यह प्रतिभाशाली बल्लेबाज गुरुवार को विराट कोहली के साथ पारी का आगाज करते हुए अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगा। बेथेल ने टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था और वह किसी भी समय अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं इसलिए गुजरात टाइटंस को किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए। आरसीबी ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को करारी शिकस्त दी थी, जिससे उसका मनोबल बढ़ा होगा।

मैड्रिड ओपन

15 जीत के बाद एरीना हारीं हैली ने किया उलटफेर

- 6 मैच पॉइंट बचाकर जीती हैली, सेमीफाइनल में एंट्री
- बैप्टिस्ट का सेमीफाइनल में सामना मीरा एंड्रीवा से

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

अमेरिका की हैली बैप्टिस्ट ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की हैली ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी की और 6 मैच पॉइंट बचाकर 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत हासिल की। यह जीत न सिर्फ उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी, बल्कि टूर पर सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। बैप्टिस्ट, जिन्होंने इस हफ्ते से पहले कभी किसी टॉप 5 अपोनेंट को नहीं हराया था, ने अब मैड्रिड में टॉप-टियर प्लेयर्स पर लगातार दो जीत दर्ज की हैं। इससे पहले उन्होंने तीसरे राउंड में जैस्मीन पाओलिनी को बाहर किया था। बैप्टिस्ट का सेमीफाइनल में सामना नौवीं सीड मीरा एंड्रीवा से होगा।

मुझे कुछ बदलाव करने थे : बैप्टिस्ट

हैली बैप्टिस्ट ने मैच के बाद कहा, मैंने कुछ सप्ताह पहले उनके खिलाफ खेला था, और वह एक करीबी मैच था। मैं हर सेट में सिर्फ एक बार टूटी। इसलिए मुझे बेहतर अंदाजा हो गया था कि उसे कैसे खेलना है, और मुझे कैसे खेलना चाहिए, और मुझे क्या बदलाव करने थे। इसलिए मुझे लगता है कि मैं बस अपना गेम खेलने की कोशिश कर रही थी, वही चीजें कर रही थी जो मैं करती आ रही थी, लेकिन पिछली बार जब हम खेले थे, तब से मुझे कुछ बदलाव करने थे।

हैली ने बहादुरी वाला खेल दिखाया : सबालेंका

एरीना सबालेंका ने कहा, हैली बैप्टिस्ट ने बहादुरी वाला खेल दिखाया। मुझे लगता है कि मियामी में मैंने उसे ज्यादा मौके नहीं दिए। वह मेरी सर्व नहीं तोड़ सकी। यहां, पहले गेम, दूसरे सेट में, मैंने बस कहीं से दो बार डबल-फॉल्ट किया। ऐसा लगा कि इससे उसे विश्वास मिला। उसके बाद, उसने और ज्यादा आक्रामक तरीके से खेलना शुरू कर दिया। वह

थॉमस कप : फाइनल में चीन से 0-2 से पीछे भारत, सात्विक-चिराग और लक्ष्य हारे

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोडी को करीबी हार का सामना करना पड़ा, जिससे भारत बुधवार को थॉमस कप फाइनल्स के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में चीन से 0-2 से पीछे चल रहा है। लक्ष्य को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शि फेंग से कड़ा संघर्ष करने के बावजूद तीन गेम तक चले मुकाबले में शिकस्त झेलनी पड़ी।

लक्ष्य ने पिछले महीने 'ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप' में ली को हराया था। वह बुधवार को निर्णायक गेम में उसी फॉर्म को दोहरा नहीं पाए और 19-21, 21-8, 12-21 से पराजित हो गए। भारत को सात्विक और चिराग की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से मुकाबले को बराबर करने की उम्मीद थी। लेकिन पांच मैच प्वाइंट बचाने के बावजूद यह जोड़ी मौकों को भुनाने में नाकाम रही और आखिरकार लियांग वेई केंग और वांग चांग से 13-21, 21-13, 24-26 से हार गई।

अब आयुष शेट्टी पर दारोमदार

अब सारा दारोमदार आयुष शेट्टी पर होगा कि वह वेंग होंग यांग का सामना करते हुए भारत को इस मुकाबले में बनाए रखें। आयुष इस महीने की शुरुआत में एशिया चैंपियनशिप के उपविजेता रहे थे। वहीं हरिहरन अमसकरुनन और एमआर अर्जुन की युगल जोड़ी ही जी टिंग और रेन जियांग यू की जोड़ी से भिड़ेगी।

भारतीय भारोत्तोलकों ने जीता 1 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलकों ने राष्ट्रमंडल युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप एवं यूनिवर्सल कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को समोआ के अपिया में तीसरे दिन एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। बेलाना हरिका ने राष्ट्रमंडल युवा और जूनियर चैंपियनशिप के 69 किग्रा भार वर्ग में कुल 197 किग्रा (86 +111 किग्रा) वजन उठाकर दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक जीता।

करंगी तरंगिनी ने 179 किग्रा (79 +100 किग्रा) और भूमिका मोहिते ने 195 किग्रा (109 +86 किग्रा) वजन उठाकर 63 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीते। यूनिवर्सल कप में अभिषेक निपाने ने कुल 324 किग्रा (140 +184 किग्रा) भार उठाकर 88 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता के दूसरे दिन भारतीय भारोत्तोलकों ने चार स्वर्ण पदक जीते थे।

कोठारी ने आडवाणी को हराया, खिताब रखा बरकरार

कारलो। भारत के सौरव कोठारी ने एकतरफा फाइनल में हमवतन पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। कोलकाता के खिलाड़ी ने 3 घंटे तक चले फाइनल में 19 बार के चैंपियन आडवाणी को 1133-477 से हराया। कोठारी ने लगातार अच्छे ब्रेक बनाए। उन्होंने 485, 121, 90, 241 और 155 के ब्रेक बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। कोठारी ने फाइनल के बाद अपनी जीत को अपने पिताजी मनोज कोठारी को समर्पित किया जिनका इस साल के शुरू में निधन हो गया था। उन्होंने कहा, 'मैं अपने पिताजी के लिए इस प्रतियोगिता को दोबारा जीतना चाहता था। यह जीत मैं अपने पिताजी को समर्पित करता हूं।' कोठारी ने कहा, 'विश्व खिताब जीतना वाकई अविश्वसनीय लगता है और उसका बचाव करना तो और भी खास है।'

अफगानिस्तानी महिला शरणार्थी टीम फीफा टूर्नामेंट में खेलेगी

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी है। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम की महिला खिलाड़ियों ने तालिबान शासन के कारण पांच साल पहले अपना देश छोड़ दिया था और तब से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति मिलने का इंतजार कर रही थी। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में मंगलवार को हुई फीफा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को मान्यता देने के लिए फीफा के नियमों में संशोधन करने पर सहमति बनी।

अफगान महिला यूनाइटेड नाम से लेगी हिस्सा

अफगानिस्तान की महिला टीम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अफगान महिला यूनाइटेड नाम से भाग लेगी। अफगानिस्तान की महिला टीम के लिए हालांकि ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत देर हो चुकी है लेकिन वह लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के क्वालीफाइंग में भाग ले सकती है।

पीएसजी की रोमांचक जीत, ब्रायर्न म्यूनिख को 5-4 से हराया

चैंपियंस लीग में नया रिकॉर्ड, सेमीफाइनल में गोलों की वर्षा

एजेंसी ▶▶| पेरिस

मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के पहले चरण में बायर्न म्यूनिख पर 5-4 से रोमांचक जीत हासिल की। चैंपियंस लीग के किसी सेमीफाइनल मुकाबले में यह सर्वाधिक गोल का नया रिकॉर्ड है। सेमीफाइनल का दूसरा चरण अगले सप्ताह खेला जाएगा।

बायर्न की तरफ से हैरी केन ने 17वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन पीएसजी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 5-2 की बढ़त बना ली, जिसमें तेजतर्रार विंगर ख्विचा क्वारात्सखेलिया (24वें और 56वें मिनट) और औस्मान डेम्बेले (45वें और 58वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। पीएसजी के लिए जोआओ नेवेस ने भी 33वें मिनट में गोल किया था। बायर्न की तरफ से केन के अलावा माइकल ओलिस (41वें), डेयोत उपामाकानो (65वें) और लुई डियाज (68वें मिनट) ने गोल दागे। बायर्न म्यूनिख के मुख्य कोच विन्सेंट कोम्पनी निलंबित थे और स्टैंड से मैच देख रहे थे, इसलिए सहायक कोच आरोन डैंक्स ने कमान संभाली।

मुंह ढककर बहस करने पर खिलाड़ी को मिलेगा रेड कार्ड

वैंकूवर। चैंपियंस लीग मैच के दौरान विनीसियस जूनियर के खिलाफ की गई कथित नस्लीय टिप्पणी को गंभीरता से लेते हुए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संघ बोर्ड (आईएफएबी) ने एक नए नियम को मंजूरी दी है, जिससे खिलाड़ियों को दूसरे खिलाड़ी से मौखिक बहस करते समय मुंह ढकने पर लाल कार्ड से दंडित किया जाएगा। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में हुई बैठक में आईएफएबी ने सर्वसम्मति से इस नियम को मंजूरी दी। यह नियम 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप फुटबॉल में लागू होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने इस नियम का प्रस्ताव तब रखा था जब रियाल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर ने फरवरी में चैंपियंस लीग मैच के दौरान बेनफिका के जियानलूका प्रेस्टियानी पर मुंह ढककर नस्लीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया था।

हाईकोर्ट की टिप्पणी, महाधिवक्ता से कहा - स्पीकर को सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइंस से अवगत कराएं

90 दिन की समय सीमा, फिर 720 दिनों में भी क्यों नहीं निपटा विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल का मामला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में बुधवार को बीना विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ दलबदल मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि मामले की विधिवत सुनवाई विधानसभा स्पीकर द्वारा की जा रही है। उमंग सिंघार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच प्रक्रिया जारी है। इस पर चीफ जस्टिस संजीव कुमार

सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने तल्ख टिप्पणी कर कहा कि दलबदल मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने 90 दिनों के भीतर निर्णय देने की समय सीमा तय की है। जब समय सीमा 90 दिन है, तो 720 दिनों में भी अभ्यावेदन का निराकरण क्यों नहीं हो पाया। कोर्ट ने महाधिवक्ता से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन स्पीकर के संज्ञान में लाएं। वहीं उमंग सिंघार के वकील ने भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय 90 दिन की समय सीमा का पालन सुनिश्चित किए जाने की मांग की।अगली सुनवाई 18 जून को होगी।

दरअसल, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका के जरिए दल-बदल कानून के तहत बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि उन्होंने 30 जून, 2024 को विधानसभा अध्यक्ष तोमर के समक्ष इस मामले में याचिका दायर की थी। लेकिन निर्धारित 90 दिन गुजरने के बावजूद कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई। लिहाजा, हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई।

याचिका में कहा गया है कि विधायक निर्मला सप्रे पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान पांच मई, 2024 को राहतगढ़ में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। याचिकाकर्ता का कहना है कि कांग्रेस विधायक सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। इसके बावजूद उन्होंने विधायक पद से त्यागपत्र नहीं दिया है। दलबदल कानून के प्रकाश में उनका यह रवैया गैर कानूनी है। इसलिए सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए।

राजस्थान पुलिस द्वारा तीन युवकों को भोपाल से जयपुर ले जाकर गिरफ्तार किए जाने के मामले में हाईकोर्ट का निर्देश

तीनों युवकों के अलग-अलग बयान दर्ज कराओ अगली सुनवाई पर अधिकारी रहें हाजिर

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के समक्ष बुधवार को राजस्थान पुलिस द्वारा तीन युवकों को भोपाल से जयपुर ले जाकर गिरफ्तार किए जाने के मामले में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीज़न के सामने पेश किये गए तीनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थान पुलिस के दावों झूठा बताया। युवकों ने बताया कि कि हकीकत पुलिस के बयानों से एकदम उलट है। विरोधाभासी बयानों को देखते हुए कोर्ट ने तीनों युवकों के अलग-अलग बयान दर्ज कराने, संबंधित पुलिस अधिकारियों से शपथपत्र मंगाने और अगली सुनवाई पर सभी अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ह। अगली सुनवाई 12 मई को होगी।

राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया के नाम से वायरल फर्जी पत्र के मामले में कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में युवकों के परिजन भोपाल के खिजर खान व अन्य की ओर से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता एचएस छाबड़ा ने कोर्ट को बताया कि 20 अप्रैल, 2026 की सुबह लगभग 3 बजे साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, भोपाल में पुलिस द्वारा कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं (निखिल, बिलाल व इनाम) को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया था और उन्हें दो दिनों तक किसी भी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया । बुधवार को तीनों युवकों को हाईकोर्ट में पेश किया गया। राजस्थान पुलिस की ओर से कोर्ट को बताया गया कि युवकों को अवैध रूप से हिरासत में नहीं रखा गया था। उन्हें 22 अप्रेल को दोपहर को गिरफ्तार किया गया तथा उसी दिन संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। उन्हें जयपुर की अदालत से जमानत मिल चुकी है, लेकिन जमानत प्रस्तुत नहीं होने के कारण वे अभी भी हिरासत में हैं। राजस्थान पुलिस ने यह भी कहा कि युवकों को भोपाल से गिरफ्तार कर नहीं लाया गया था, बल्कि वे मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियों के साथ स्वयं जयपुर आए थे। कोर्ट ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया कि किसी अधिकारी को नियुक्त कर तीनों युवकों के अलग-अलग बयान दर्ज करवाएं बयान में यह बताया जाए कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संपर्क किए जाने से लेकर जयपुर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने तक वास्तव में क्या हुआ।बयान के बाद युवकों को वापस जयपुर भेजने के निर्देश दिए गए ताकि वे जमानत की शर्तें पूरी कर सकें।

सदर गली नंबर 9 में वारदात, क्षेत्र में दहशत

भाजपा मंडल मंत्री के घर बमबाजी से आग लगी

जबलपुर। कैंट थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित गली नंबर 9 में मंगलवार की देर रात लगभग 2 बजे भाजपा मंडल मंत्री के घर पर बम फेंके जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार सदर बाजार निवासी भाजपा मंडल मंत्री बंटी शिवहरे (स्वप्न) अपने मकान नंबर 380 की तीसरी मंजिल पर परिवार के साथ सो रहे थे। रात करीब 2 बजे अचानक उनके घर की बिजली चली गई। जब उन्होंने बाहर झांककर देखा तो नीचे सड़क पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी। बंटी शिवहरे नीचे पहुंचे तो पड़ोसियों ने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने उनके घर पर बम जैसा पदार्थ फेंका था। तेज धमाके के साथ आग लग गई, जो पास में खड़े दुपहिया वाहनों तक फैल गई थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। बंटी शिवहरे ने बताया कि उनका किसी से कोई विवाद नहीं है, ऐसे में यह हमला क्यों किया गया, यह समझ से परे है। उन्होंने इस मामले की लिखित शिकायत कैंट थाना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी है और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

हाई कोर्ट ने श्रम न्यायालय के आदेश पर लगाई रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने श्रम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। मामला नगर निगम, जबलपुर विरुद्ध द्वारका प्रसाद पटेल का है। नगर निगम की ओर से कोर्ट को बताया गया कि श्रम न्यायालय, जबलपुर ने 26 दिसंबर 2025 को अपने निर्णय में द्वारका प्रसाद पटेल की सेवा समाप्ति को अवैध ठहराते हुए उन्हें पुनः नियुक्त करने तथा समस्त लाभ देने का निर्देश दिया था। इस आदेश को नगर निगम की ओर से चुनौती दी गई। प्रारंभिक सुनवाई में द्वारका प्रसाद पटेल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं और श्रम न्यायालय का पूरा रिकार्ड तलब किया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता को औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 17-बी के प्रविधानों का पालन करना होगा।

याचिका में दावा 102 शासकीय स्कूल शिक्षक विहीन तो 500 में सिर्फ एक या दो ही शिक्षक

शिक्षक विहीन शासकीय स्कूलों के मामले में सरकार को जवाब के लिए मोहलत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के समक्ष शिक्षक विहीन शासकीय स्कूलों के मामले की सुनवाई हुई। जनहित याचिका के अनुसार प्रदेश के शासकीय स्कूलों में छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में है।जिले के 102 शासकीय स्कूल शिक्षक विहीन है, जबकि 500 स्कूलों में सिर्फ एक या दो ही शिक्षक पदस्थ है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने पूर्व में शासकीय विद्यालयों की संख्या व शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर सरकार से हलफनामें में जवाब मांगा था। मामले में आगे हुई सुनवाई दौरान सरकार की ओर से जवाब के लिये समय की राहत चाही गई, जिसे स्वीकार करते हुए न्यायालय ने तीन सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई 29 जून को होगी।

दरअसल, यह जनहित का मामला डिंडौरी निवासी लोक सिंह की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया है कि डिंडौरी जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर अस्तित्वहीन है। क्योकि102 शासकीय स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है तो वहीं शेष अन्य 500 स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक पदस्थ है। आवेदक की ओर से कहा गया कि जब स्कूलों में शिक्षक ही नहीं तो बच्चों की पढ़ाई कैसे संभव है, जिनसे उनका भविष्य अंधकारमय है। इतना ही नहीं राईट-टू-एजुकेशन एक्ट का भी उल्लंघन है। क्योकि उक्त एक्ट के तहत बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। मामले में प्रमुख सचिव आदिवासी कल्याण मंत्रालय, आयुक्त आदिवासी कल्याण विभाग भोपाल व डिंडौरी कलेक्टर को पक्षकार बनाया गया है।

पिता के इलाज की राशि ब्याज सहित भुगतान करें

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पंकज यादव व सदस्यद्वय अमित सिंह तिवारी व सोनल पंडित की पीठ ने स्टार हैल्थ एंड एलाईड इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया है कि परिवादी के पिता के इलाज की राशि तीन लाख 28 हजार 477 रुपये ब्याज सहित भुगतान करें। साथ ही मानसिक पीड़ा के एवज में 10 हजार व मुकदमे का खर्च दो हजार भी दें। परिवादी गोरखपुर निवासी सिद्धांत लोधी की ओर से दलील दी गई कि परिवादी ने अपने पिता राजेंद्र कुमार लोधी व माता चंद्रलेखा लोधी का बीमा कवर करते हुए पालिसी ली थी। प्रतिवर्ष प्रीमियम जमा किया गया। पिता के बीमार पड़ने पर नागपुर ले जाया गया। जहां इलाज में काफी खर्च हुआ। लिहाजा, बीमा कंपनी में दावा किया गया। लेकिन कंपनी ने दावा भुगतान से इनकार कर दिया। इसीलिए आयोग आना पड़ा।

चंद घंटों में 3 वाहनों के फंसने से बढ़ी लोगों की परेशानी

इंद्रा मार्केट : कांचघर रोड में पर फिर धंसा ट्रक

जबलपुर। इंदिरा मार्केट के समीप रेलवे के पुल नंबर 1 के सामने से कांचघर चौराहे की ओर जाने वाली रोड पर पिछले कुछ माह से पानी की पाइप लाइन बिछाने के काम में हद दर्जे की लापरवाही बरती गई है। इस लापरवाही के चलते मंगलवार देर रात रेलवे कोचिंग डिपो के सामने फिर एक ट्रक फंस गया, जो सुबह तक फंसा रहा, जिससे इस मार्ग पर लगातार यातायात जाम होता रहा। चंद घंटों के अंदर बड़े वाहनों के धंसने की 3 घटनाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा कर रख दी है।

उल्लेखनीय है कि इस मार्ग पर हजारो रेल कर्मचारी-अधिकारी व आम नागरिक अपने काम-धंधे, स्कूलों में आना जाना करते हैं. लेकिन पिछले कई माह से इस परियोजना के ठेकेदार द्वारा

जिस प्रकार की सुस्त व लापरवाही पूर्ण कार्य किया गया है। इसकी बानगी सामने है, जब 28 अप्रैल की शाम से देर रात तक सड़क में वाहन धंसने की तीन घटनाएं घट चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार 28 अप्रैल की देर रात 11 बजे के लगभग एक ट्रक क्रमांक एमए 40डी-सी-0824 जो अमरकंटक की ओर से आ रहा था, उसके अगले व पिछले पहिये कोचिंग डिपो के पास सड़क में लगभग 1-1 फीट तक धंस गये। यह ट्रक समाचार लिखे जाने तक फंसा रहा और यातायात लगातार जाम होता रहा। वहीं इस घटना से पहले भी गत मंगलवार को ही कोचिंग डिपो के सामने ही एक ईंटो से भरा ट्रक लगभग 5 बजे फंसा था, इस घटना के ठीक 2 घंटे बाद एक छोटा हाथी भी पास में ही फंसा था. और इसे जेसीबी की मदद से निकाला गया था लोगों को कुछ राहत मिलती कि रात में पुनः एक ट्रक के धंसने से मुसीबत बढ गई।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सागर क्षेत्र के कार्यों की समीक्षा की

जबलपुर। अजय गुप्ता, प्रबंध संचालक, म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मकरोनिया विद्युत परिसर स्थित सभागार में सागर क्षेत्र के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना एवं टीकमगढ़ वृत्त सहित विभिन्न संभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अभियंता देवेन्द्र कुमार सहित सभी अधीक्षण एवं कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे। इस दौरान राजस्व पैरामीटर, समाधान योजना की प्रगति, लाइन विस्तार कार्य, उपकेंद्र निर्माण, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, ट्रांसफार्मर फेल्योर, स्मार्ट मीटर स्थापना और बिल संबंधी शिकायतों के निराकरण पर चर्चा की गई। प्रबंध संचालक ने राजस्व संग्रहण और समाधान योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए बिलिंग एवं कलेक्शन दक्षता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही एटीएंडसी लॉसेस कम करने, ट्रांसफार्मरों के समय पर संधारण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में संजय भागवतकर, अशोक सिंह धुर्वे, संजय निगम, प्रशान्त गुप्ता, अवनीश तिवारी, शिशिर श्रीवास्तव, मो. आरिफ कुरैशी, नीरज कुचिया एवं डॉ. अरुण रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रक के पहिए में फंसी स्कूटी सहित काफी दूर तक घसिटता रहा

ट्रक की टक्कर में युवक की मौत

जबलपुर। जबलपुर जिला मुख्यालय से लगभग 25 किमी. दूर पाटन थानांतर्गत जबलपुर-दमोह हाइवे पर भाटिया पेट्रोल पंप के सामने बुधवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को टक्कर मार दी। इस टक्कर में युवक स्कूटी सहित ट्रक के पिछले पहिए में फंस गया और करीब 50 मीटर तक सडक पर घसिटता चला गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने ट्रक का पीछा कर चालक को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह लगभग 10 बजे दमोह से जबलपुर की ओर आ रहे ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचएच 3760 के चालक ने विपरीत दिशा से आ रहे स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मारी और बेखबर वाहन दौडाता रहा जबकि उसके पिछले चके में स्कूटी सहित युवक फंसकर काफी दूर तक घसिटता रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता से ट्रक का पीछा कर उसे रोका परंतु तब

तक युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दस्तावेजों के आधार पर युवक के सिवनी जिले का निवासी होने की आशंका है, जबकि उसकी स्कूटी एमपी 49 जेडजी 9251 नरसिंहपुर जिले में पंजीकृत है। प्रारंभिक तौर पर उसका नाम राम सिंह बताया जा रहा है, हालांकि परिजनों से संपर्क कर पुष्टि की जा रही है।

हाईकोर्ट ने कांस्टेबल नीरज राजपूत की अर्जी की खारिज

सिवनी हवाला लूट कांड के तीन आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई निरस्त

जबलपुर। बहुचर्चित सिवनी हवाला लूट कांड के एक आरोपी कांस्टेबल को हाईकोर्ट झटका मिला है। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने कांस्टेबल नीरज राजपूत की अर्जी निरस्त करते हुए कहा कि आरोपी रेड पार्टी की टीम का हिस्सा था और वह आरोपी पूजा पांडे से लगातार संपर्क में था। वहीं, हाईकोर्ट ने तीन अन्य आरोपियों पंजु गुरू स्वामी, पंकज मिश्रा और प्रमोद सोनी को राहत देते हुए उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई निरस्त कर दी। पंजु स्वामी, प्रमोद व पंकज की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त एवं ईशान दत्त ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि उनके मुवक्किलों के खिलाफ दुर्भावना के चलते और प्रतिशोध लेने के उद्देश्य से की गई है। कोर्ट ने कहा कि इनके विरुद्ध लगाए गए आरोप किसी ठोस साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं और केवल अनुमानों और विस्तृत अभिलेखों से निकाले गए निष्कर्षों पर आधारित हैं। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2025 में सिवनी के लखनवाड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कार से लगभग तीन करोड़ रुपये की अवैध हवाला राशि जब्त होने का दावा किया था। हालांकि, बाद में यह मामला पुलिस की साजिश के रूप में उभरा जब आरोप लगा कि पुलिस टीम ने जब्त राशि का एक बड़ा हिस्सा लगभग 1.5 करोड़ रुपये स्वयं हड़प लिया। इस घटना में तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया था।

नाली में गंदगी फैलाने पर मेकाल कार एक्सेसरीज पर 20 हजार का जुर्माना

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में संभाग क्रमांक 14 के अंतर्गत स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने पर मेकाल कार एक्सेसरीज के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा सार्वजनिक नाली में कचरा और गंदगी डाली जा रही थी, जिससे जल निकासी बाधित होने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका थी। नगर निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला, जिसे मौके पर ही निगम कोष में जमा कराया गया। इस कार्रवाई के दौरान रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशन में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, सीएसआई मोनिका तुमराम, एसआई कोदुलाल, संभागीय यंत्री सतेंद्र चक्रवर्ती, उपयंत्री खुशबू पटेल और संपत शेखर पटेल उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों और व्यवसायियों से अपील की है कि कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करें और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग दें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240